THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

स्वतंत्र वार्ता

वर्ष-27 अंक : 216 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.10, 2079 गुरुवार, 20 अक्टूबर 2022

खड़गे के हाथ में कांग्रेस की कमान

थरूर को करीब सात हजार वोट से हराया; राहुल बोले-अब मेरा रोल भी खड़गे ही तय करेंगे

नई दिल्ली,19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी को 24 साल बाद नया अध्यक्ष मिल गया है। चुनाव में मल्लिकार्जुन खड़गे ने शशि थरूर को सात हजार वोट से हरा दिया है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, खड़गे को 7 हजार 897 वोट मिले। वहीं, शशि थरूर को एक हजार वोट ही मिल सके। 416 वोट रिजेक्ट कर दिए गए। हालांकि, वोटों की गिनती के बीच ही राहुल गांधी ने बता दिया था कि पार्टी का नया अध्यक्ष कौन होगा। भारत जोड़ो यात्रा पर निकले आंध्र में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल ने कहा था– अब मेरा रोल भी खड़गे जी ही तय करेंगे।

भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल ने बुधवार को आंध्र में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान जब मीडिया ने कांग्रेस में उनके भावी रोल पर सवाल किया तो राहुल ने जवाब दिया– खड़गे जी से पूछो, वही तय करेंगे मेरा रोल।

कांग्रेस अकेली पार्टी, जहां चुनाव होते हैं

भारत जोड़ो यात्रा में आंध्र प्रदेश पहुंचे राहुल गांधी ने कहा, 'कांग्रेस अकेली ऐसी पार्टी है, जिसमें इलेक्शन होता है और उसका अपना इलेक्शन कमीशन है। मैंने कांग्रेस इलेक्शन कमेटी के चेयरमैन मधुसूदन मिस्त्री के साथ काम किया। वे काफी स्पष्ट वक्ता हैं। सारे मसले उनकी नजर में लाए गए हैं और वही एक्शन लेंगे। हर कोई कांग्रेस में चुनाव के बारे में पूछता है। मुझे कांग्रेस पर फख्र है, जिसमें ओपन और ट्रांसपेरेंट चुनाव हो रहे हैं। कोई दूसरी पार्टियों के भीतर चुनाव में इंट्रेस्ट क्यों नहीं लेता, चाहे वो भाजपा हो या दूसरी क्षेत्रीय पार्टियां?'

थरूर खेमे ने गड़बड़ियों का आरोप लगाया था

काउंटिंग के दौरान थरूर के चीफ इलेक्शन कैंपेनर सलमान सोज ने उत्तर प्रदेश, पंजाब और तेलंगाना में वोटिंग से पहले, पोलिंग के दौरान और मतदान के बाद गड़बड़ियों का आरोप लगाया। सोज ने कहा– हमने इस बारे में पार्टी के चुनाव प्रभारी मधुसूदन मिस्त्री को बता दिया है।

लक्ष्मी नगर में बच्चे को मारने की धमकी देकर पीएचडी छात्रा से लूट

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में बच्चे को चाकू मारने की धमकी देकर पीएचडी की छात्रा से लूटपाट का मामला सामने आया है। वारदात के समय छात्रा अपने बच्चे के साथ मार्केट में खरीदारी करने के लिए आई थी। इस बीच स्कूटी सवार दो बदमाशों ने पीड़िता को रोक लिया और उससे लूटपाट करने लगे। विरोध करने पर एक बदमाश ने स्वाति के बच्चे को चाकू मारने की धमकी दी तो वह डर गई। इसके बाद आरोपियों ने उसका आईफोन लूट लिया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पीड़िता का आरोप है कि लूट के मामले को पुलिस ने झपटमारी में दर्ज करने का प्रयास किया,

'दो दिन की खबरें और फिर भूल गए लोग'

गाजियाबाद गैंगरेप केस पर निर्भया की मां

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद के गैंगरेप केस ने झकझोर के रख दिया है. पुलिस के अनुसार पांच लोगों ने महिला के साथ दो दिनों तक रेप किया और फिर उसे बोरी में बंद करके सड़क किनारे फेंक दिया. महिला को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इस मामले में अब 2012 की रेप पीड़िता निर्भया की मां आशा देवी की प्रतिक्रिया सामने आई है.

'दो दिन की खबरें और फिर लोग भूल जाते हैं'

उन्होंने बुधवार को कहा कि लोग भयानक बलात्कार के मामलों के बाद भी आसानी से आगे बढ़ जाते हैं. उन्होंने अधिकारियों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बहुत कुछ नहीं करने का आरोप भी लगाया. उन्होंने कहा, दो दिन की खबरें और फिर लोग भूल जाते हैं. निर्भया कांड को 10 साल हो चुके हैं, हम अभी भी अतीत में हैं.

'ज्यादातर मामले अदालतों में लंबित हैं'

पुलिस से सवाल करते हुए आशा देवी ने कहा, पता नहीं पुलिस को महिलाओं से कोई समस्या है या वे काम नहीं करना चाहती है. उन्होंने कहा कि निर्भया को न्याय मिला, लेकिन उसके जैसे कई अन्य लोगों को नहीं मिला. ज्यादातर मामले अदालतों में ही लंबित हैं.

'पुलिस को ईमानदारी से काम करनी चाहिए'

इस स्थिति के लिए अधिकारियों को दोषी ठहराते हुए उन्होंने कहा, हर तरह से ऐसे मामलों के लिए पुलिस और सरकारें जिम्मेदार हैं. ये हर दिन हो रहा है. अगर हम वास्तव में सुरक्षा और न्याय चाहते हैं, तो पुलिस को ईमानदारी से काम करना चाहिए.

डीसीडब्ल्यू ने गाजियाबाद गैंगरेप मामले में लिया संज्ञान

दिल्ली महिला आयोग ने मामले पर संज्ञान लेने के बाद कहा है कि गाजियाबाद में एक महिला के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया गया और उसे दो दिनों तक प्रताड़ित किया गया. महिला के प्राइवेट पार्ट में लोहे की रॉड भी मिली है. गाजियाबाद गैंगरेप मामले ने 2012 में देश को झकझोर देने वाली भीषण निर्भया कांड की यादें ताजा कर दी हैं. डीसीडब्ल्यू ने कहा कि महिला घटना की रात जन्मदिन समारोह से लौट रही थी. जब वह एक ऑटो का इंतजार कर रही थी तो उसका चार लोगों ने एक स्कॉर्पियो वाहन में अपहरण कर लिया और उसे एक अज्ञात स्थान पर ले गए. डीसीडब्ल्यू ने कहा, गिरोह दो दिनों तक उसके साथ बलात्कार और प्रताड़ित करता रहा. उन्होंने उसके गुप्तांगों में लोहे की रॉड भी डाल दी. इसके बाद, उन्होंने उसे जूट के बैग में छिपा दिया और सड़क पर फेंक दिया. महिला खून से लथपथ हालत में मिली है और उसकी हालत बहुत गंभीर है.

केजरीवाल सरकार में अब राज का 'आनंद', राजेंद्र की जगह बन सकते हैं मंत्री

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजेंद्र पाल गौतम के इस्तीफे के बाद दिल्ली में केजरीवाल सरकार के नए मंत्री का नाम लगभग तय हो चुका है। पटेल नगर से विधायक राज कुमार आनंद केजरीवाल सरकार में नए मंत्री हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज एलजी को राजकुमार आनंद का नाम भेज सकते हैं। राजकुमार जाटव समाज से आते हैं। राजेन्द्र पाल गौतम भी जाटव समाज से थे। राजकुमार आनंद की पत्नी भी विधायक रह चुकी हैं। उनकी जगह ही 2019 विधानसभा चुनाव में राजकुमार को टिकट मिला था। 2020 में राज कुमार आनंद की ओर से दायर हलफनामे के मुताबिक उनके पास 78 करोड़ की चल-अचल संपत्ति है। उनके खिलाफ आईपीसी की धाराओं 325, 323, 427 और 34 के तहत केस भी दर्ज है।

11 साल की बच्ची के साथ पड़ोस में रहने वाले रसोइया ने किया रेप

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद थाने में एक रेप का मामला मंगलवार को दर्ज हुआ है. वजीराबाद इलाके के एक व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दी कि उसके पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने उसकी 11 साल की बेटी का यौन उत्पीड़न किया है. पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. वजीराबाद पुलिस ने बताया कि उन्हें एक व्यक्ति से शिकायत मिली कि उनकी 11 साल की बेटी के साथ उनके पड़ोस में रहने वाले युवक राजू उर्फ बिग शो ने यौन उत्पीड़न किया. उस युवक की उम्र 28 साल है और वह गांधी विहार में रसोइया का काम करता है. उनकी बेटी सातवीं कक्षा की छात्रा है.

जम्मू के टाडा कोर्ट में वर्चुअली पेश हुआ यासीन मलिक मामले में अगली सुनवाई 23 नवंबर को

जम्मू, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलगाववादी नेता एवं आतंकी यासीन मलिक को आज जम्मू के टाडा कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं किया गया। उसे 1990 में वायुसेना के चार कर्मियों की हत्या मामले में पेश किया जाना था।

तिहाड़ जेल प्रशासन ने यासीन मलिक को जम्मू न भेजने की हाईकोर्ट से अपील की थी, जिसको कोर्ट ने मंजूर कर लिया।

तिहाड़ जेल प्रशासन का तर्क था कि यासीन मलिक उम्र कैद की सजा काट रहा है, जिसको अभी दिल्ली से बाहर नहीं भेजा जा सकता है। इस अपील को हाईकोर्ट ने मान लिया है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 23 नवंबर को होगी। हालांकि, बुधवार को यासीन वर्चुअल मोड पर कोर्ट में पेश हुआ। एक अन्य गवाह बीके शर्मा को कोर्ट में पेश किया गया। बीके शर्मा ने यासीन मलिक से क्रॉस एग्जामिनेशन हुई। डीके शर्मा ने यासीन को पहले ही इस मामले में पहचान लिया था, जबकि आज आमने-सामने क्रॉस एग्जामिनेशन होनी थी। यासीन को एनआईए की विशेष अदालत ने इस साल 25 मई को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।

उस पर कश्मीर में आतंकी हमलों के लिए फंडिंग और आतंकियों को हथियार मुहैया कराने से जुड़े कई केस दर्ज थे। यासीन को दो मामलों में उम्रकैद और 10 मामलों में 10 साल सजा सुनाई गई। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इसके अलावा उस पर 10 लाख रुपए जुर्माना भी लगाया गया था।

हंदवाड़ा में आईईडी बरामद, बम निरोधक दस्ते ने किया निष्क्रिय

कुपवाड़ा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के सीमावर्ती जिले कुपवाड़ा में हंदवाड़ा के लंगेट-वुडीपोरा इलाके में बुधवार को एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किया गया है। इसके बाद सुरक्षाबलों ने बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया। दस्ते ने आईईडी को निष्क्रिय कर दिया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस और सेना की 30 आरआर की एक संयुक्त टीम ने बारामुला-हंदवाड़ा रोड पर एक आईईडी का पता लगाया। इसके बाद यातायात को तत्काल रोक दिया गया और लोगों की आवाजाही को सड़क पर प्रतिबंधित कर दिया गया। फिर बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और बिना किसी नुकसान के आईईडी को नष्ट कर दिया गया।

मोमिनपुर हिंसा की जांच एनआईए को

भाजपा ने जताई थी बड़ी साजिश की आशंका

कोलकाता, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के मोमिनपुर इलाके में बीते दिनों हुई हिंसा की जांच एनआईए को सौंप दी है। भाजपा ने इस हिंसा के पीछे बड़ी साजिश की आशंका जताते हुए केंद्रीय जांच एजेंसी से जांच की मांग की थी। मोमिनपुर कोलकाता का एक अल्पसंख्यक बहुल इलाका है। यहां 9 व 10 अक्तूबर की रात को उपद्रव हुआ था। इस दौरान कई वाहन फूंक दिए गए थे।

कुछ घरों व दुकानों के बाहर जबर्दस्ती झंडे लगाए जाने के बाद हिंसा भड़की थी। बंगाल के मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने इस हिंसा को लेकर ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने गृह मंत्री अमित शाह और राज्यपाल से इस उपद्रव की एनआईए से जांच की मांग की थी। अब गृह मंत्रालय ने एनआईए जांच का आदेश दे दिया है।

सरकार नए राजमार्गों पर हेलीपैड बनाने पर विचार कर रही है : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकार नए राजमार्गों पर हेलीपैड बनाने पर विचार कर रही है, क्योंकि इससे आपात स्थिति में लोगों को तत्काल बचाने में मदद मिलेगी. नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि उनके मंत्रालय और सड़क परिवहन मंत्रालय ने इस प्रस्ताव पर चर्चा की है. नागरिक उड्डयन मंत्रालय संपर्क बढ़ाने के लिए, खासकर दूरदराज और पहाड़ी इलाकों में, हेलीकॉप्टरों के इस्तेमाल को बढ़ाने पर जोर दे रहा है.

सिंधिया ने कहा, "सभी नए राजमार्गों के साथ ही हेलीपैड होने चाहिए, ताकि बुनियादी ढांचा तैयार हो."

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर हेलीपैड होने से आपात स्थिति के दौरान तत्काल निकासी में मदद मिलेगी. सिंधिया और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वी के सिंह, दोनों ने हर जिले में हेलीपैड बनाने की वकालत की है. वे राष्ट्रीय राजधानी में नागरिक उड्डयन मंत्रियों के सम्मेलन में बोल रहे थे. सरकार ने एम्स ऋषिकेश में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराने के लिए अगले कुछ हफ्तों में 'प्रोजेक्ट संजीवनी' नाम से एक हेलीकॉप्टर आपातकालीन चिकित्सा सेवा (एचईएमएस) को शुरू करने का फैसला भी किया है.

पुलित्जर विजेता कश्मीरी पत्रकार की विदेश यात्रा पर लगी रोक

जम्मू, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कश्मीरी फोटो पत्रकार सना इरशाद मट्टू ने इस साल का पुलित्जर पुरस्कार जीता है लेकिन उसे हासिल नहीं कर पा रही हैं. उनका कहना है कि उन्हें दिल्ली हवाई अड्डे पर बिना कारण फ्लाइट लेने से रोक दिया गया

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगे उद्धव ठाकरे और शरद पवार, कांग्रेस ने दिया न्यौता

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा अगले महीने नवंबर में महाराष्ट्र में प्रवेश करेगी. जानकारी के मुताबिक उद्धव ठाकरे और एनसीपी प्रमुख शरद पवार भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हो सकते हैं. कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने उद्धव ठाकरे से मुलाकात कर उन्हें यात्रा में शामिल होने का आमंत्रण दिया है. सूत्रों की मानें तो उद्धव ठाकरे ने आमंत्रण स्वीकार कर लिया है. उद्धव ठाकरे के अलावा एनसीपी प्रमुख शरद पवार से भी कांग्रेस के नेताओं ने मुलाकात कर आमंत्रण दिया. राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा तमिलनाडु से 7 सितंबर को शुरू हुई थी जो 150 दिनों तक चलने के बाद श्रीनगर में समाप्त होगी. यह यात्रा 3570 किलोमीटर का सफर पूरा करेगी. यात्रा में ये पहला मौका होगा जब राहुल गांधी की यात्रा में विपक्ष का कोई बड़ा नेता शामिल होगा.

महाविकास अघाड़ी दिखेगी मजबूत?

महाराष्ट्र के दोनों बड़ा नेताओं के यात्रा में शामिल होने और इसके जरिए महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की मजबूती दिखाने की कोशिश की जाएगी. महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में महाविकास अघाड़ी की सरकार बनाने के बाद यह पहला मौका होगा जब उद्धव ठाकरे और राहुल गांधी एक साथ होंगे. उद्धव ठाकरे फिलहाल महाराष्ट्र के सीएम नहीं हैं. आप को बता दें कि कांग्रेस को समर्थन देने के बाद महाराष्ट्र में 2019 को शिवसेना एनसीपी और कांग्रेस की सरकार बनी थी. कहा जाता है कि राहुल गांधी शिवसेना के साथ सरकार बनाने को लेकर तैयार नहीं थे लेकिन सोनिया गांधी की हामी भरने के बाद उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बन सके थे.

बस रोककर करोड़ों रुपये के हीरों की लूट

अहमदाबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अहमदाबाद में चलती बस को रोककर करोड़ों रुपये के कीमती हीरों की लूट किए जाने की घटना सामने आई है. बताया जा रहा है कि लुटेरों ने बस में सफर कर रहे लोगों से हीरे के छोटे बड़े 1000 पैकेट लूटने में कामयाबी हासिल कर ली. इन हीरों की बाजार कीमत करोड़ों रुपयों में आंकी का रही है. खबरों के मुताबिक अमरेली से सूरत जा रही बस में यात्री बनकर कई लुटेरे बैठे थे. देर रात अहमदाबाद के पास अलग-अलग जगहों पर पांच गाड़ियों ने बस को ओवर टेक करके लूट की इस घटना को अंजाम दिया. बहरहाल लूट की घटना की जानकारी मिलने के बाद फौरन अहमदाबाद और आनंद पुलिस ने घेराबंदी करते हुए लूट के 13 आरोपियों को पकड़ लिया.

वैशाली ठक्कर केस में कार्रवाई

दोनों आरोपियों के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी, 5 हजार का इनाम घोषित

भोपाल, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में हुए वैशाली ठक्कर आत्महत्या मामले की जांच को लेकर इंदौर पुलिस जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने आरोपी राहुल और उसकी पत्नी दिशा के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया है। साथ ही दोनों आरोपियों पर 5-5 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया है। इनके विदेश भागने की आशंका के कारण पुलिस ने सभी हवाई अड्डों को सूचना दी है। दरअसल इस मामले को लेकर मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि वैशाली ठक्कर सुसाइड मामले में आरोपी राहुल और दिशा पर 5-5 हजार का इनाम घोषित किया गया है। साथ ही उनके विदेश भागने की आशंका के कारण देश के सभी एयरपोर्ट को सूचना दी जा रही है। पुलिस जल्द उन्हें गिरफ्तार कर लेगी। जानकारी के अनुसार वैशाली ने अपनी शादी से पहले आत्महत्या करके अपनी जान दे थी। ये कदम उठाने के लिए उनके पड़ोसी और एक्स राहुल नवलानी ने मजबूर किया था और इस संबंध में उसने अपने सुसाइड नोट में लिखा था। वैशाली का परिवार चाहता है कि उनकी बेटी की जान लेने वाले राहुल और उसकी पत्नी को कड़ी से कड़ी सजा मिले।

वहीं वैशाली ठक्कर ने आत्महत्या से पहले एक नोट छोड़ा था। उस नोट में उसने अपने एक्स और घर के पास में ही रहने वाले कारोबारी राहुल नवलानी के द्वारा प्रताड़ित की बात कही थी। अपने मंमी पापा को वैशाली ने लिखा था 'प्लीज राहुल और उसकी फैमिली को सजा दिलवाना। मुझे राहुल और दिशा ने 5 साल तक मेंटल टार्चर किया है। वरना मेरी आत्मा को शांति नहीं मिलेगी आपको मेरी कसम है। बता दें कि वैशाली ठक्कर छोटे पर्दे की वो बड़ी स्टार थीं जिसने एक नहीं, कई धारावहिकों में अपनी अदाकारी बिखेरी है। इस पर्दे की चकाचौंध के पीछे उसकी जिंदगी में अंधेरा कुछ इस कदर गहरा गया कि वो बीच मजधार में ही दुनिया से विदा हो गई।

पुलिस क्राइम ब्रांच यूनिट ने फिल्मी स्टाइल में की पॉकेटमारों की धरपकड़

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच यूनिट 12 ने पॉकेटमारों के एक गिरोह को पकड़ा है. बोरीवली नेशनल पार्क के पास हाईवे पर एकदम फिल्मी स्टाइल में इनकी धरपकड़ की गई. एक लड़की ने बहादुरी दिखाते हुए बड़ी फुर्ती से इन्हें पकड़वाने में पुलिस की मदद की. क्राइम ब्रांच यूनिट 12 के सीनियर पी आई विलाश भोसले के मुताबिक उनकी यूनिट के हेड कांस्टेबल को संतोष बने को टिप मिली थी कि नेशनल पार्क के पास ओंकारेश्वर बस स्टॉप के पास 5 पॉकेटमारों का एक गिरोह आने वाला है. पुलिस भी वहां ऑटो से पहुंच गई और जैसे ही खबरी ने उस गिरोह के सदस्य की तरफ इशारा किया पुलिस उसे पकड़ने दौड़ी. जिसके बाद चोर भागने लगा.

सीएम शिवराज यूएस, जापान, समेत अन्य राजदूतों से दिल्ली में आज संवाद करेंगे

भोपाल, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए 11 और 12 जनवरी 2023 को इंदौर में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट होगी। प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान यूएस, यूके, यूएई, जापान, सिंगापूर, इजराइल साउथ कोरिया समेत अन्य देशों के भारत स्थित राजदूतों से 20 अक्टूबर 2022 को संवाद करेंगे। साथ ही उनको इन्वेस्टर समिट में आमंत्रित करेंगे। मुख्यमंत्री राजदूतों से आग्रह करेंगे कि वे अपने-अपने देश के उद्योगपतियों को ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में भाग लेने और मध्यप्रदेश में निवेश के लिए अनुरोध करें।

भारत के बड़े उद्योगपतियों से मुलाकात

मुख्यमंत्री 21 अक्टूबर को भारत के बड़े उद्योगपतियों से पुणे में मुलाक़ात कर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भाग लेने और मध्यप्रदेश में निवेश करने हेतु आमंत्रित करेंगे। बता दें प्रदेश के भोपाल और इंदौर में नए आईटी पार्क का विकास, प्रदेश को खाद्य तेल उत्पादक बनाने की भी कार्ययोजना, नर्मदा एक्सप्रेस-वे और चंबल एक्सप्रेस वे की निकटता वाले क्षेत्रों की औद्योगिक क्षमता का आकलन कर उन क्षेत्रों में प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

आपबीती: धमाके के आधे घंटे बाद खुली आंखें तो दिखाई दिया दिल दहला देने वाला मंजर

दूर तक फैले थे शवों के चिथड़े

जम्मू, कन्नौज, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में आतंकियों के ग्रेनड फेंकने से दो श्रमिकों की हत्या की खबर मिलते ही कन्नौज में चीख-पुकारों से सुबह का सन्नाटा टूटा। पड़ोसी मृतकों के परिजनों को सांत्वना देने में जुटे थे। वहीं जम्मू कश्मीर में फंसे लोगों के परिजन फोन एक घटना की जानकारी और हाल-चाल लेने में जुट गए। ठठिया थाना क्षेत्र के दन्नापुरवा निवासी रामसागर (50), मुनेश (38), मुनेश का भाई रामबाबू, भोला, मोनू, पिंटू और विनय जम्मू कश्मीर के शोपियां में सेब के बागान में सेबों की पैकेजिंग और लोडिंग करते थे। ठेकेदार से हिसाब-किताब कर सभी को मंगलवार सुबह करीब चार बजे घर के लिए निकलना था। इससे रात करीब 11 बजे कपड़े और सामान पैक कर रहे थे। इस दौरान आतंकियों ने ग्रेनेड फेंक दिया। इससे रामसागर और मुनेश की मौके पर मौत हो गई। जबकि ग्रेनेड की चपेट में आकर मुनेश का भाई रामबाबू, भोला और मोनू घायल हो गए। सुबह करीब नौ बजे गांव में आतंकी हमले की सूचना आई। इससे कोहराम मच गया। रागसागर की पत्नी मालती देवी और मुनेश की पत्नी पुष्पा देवी बेसुध हो गई। वहीं कश्मीर में फंसे घायल और अन्य लोगों की जानकारी के लिए परिजन फोन करने में जुट गए। गांव की गलियों से सिर्फ सिसकियां और चीखों की आवाज गूंज रही थी। जानकारी के अनुसार, शोपियां में सेब के बाग में टिन शेड के नीचे सभी श्रमिक सोते थे। रोजाना की तरह सभी ने खाना बनाया और खाया भी। टिनशेड के नीचे रामसागर और मुनेश मौजूद थे जबकि टिनशेड से थोड़ी दूर पर रामबाबू राजपूत, भोला और मोनू आपस में घर निकलने की चर्चा कर रहे थे। पिंटू और विनय ठेकेदार से हिसाबकिताब कराने के लिए दूसरे बागान गए थे। फोन पर हुई बात करने पर भोला ने बताया कि अचानक टिनशेड के अंदर कुछ गिरने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनते ही वह लोग नजदीक जाने लगे तभी तेज धमाका हुआ। वह लोग धमाके से झुलस गए। इसके बाद आंखों से दिखाई देना बंद हो गया। करीब आधे घंटे बाद मंजर दिल दहला देने वाला दिखाई दिया। चारपाई से लेकर कंबल और कपड़े राख हो चुके थे। पास ही दो शवों के चिथड़े-चिथेड़ दूर तक फैले थे। उन लोगों को कुछ समझ में नहीं आया। जानकारी होने पर पहुंचे सेना के जवानों ने अस्पताल में भर्ती कराया। उन लोगों को जवान कुछ नहीं बता रहे थे। रामबाबू ने बताया कि जब छोटे भाई मुनेश से मिलने की जिद की तो सैन्य अफसरों ने बताया कि मुनेश और रामसागर की आतंकी हमले में मौत हो गई है। इसके बाद सैन्य के अफसरों ने कहा कि वह लोग निजी साधन से कन्नौज जा सकते हैं। मुनेश और रामसागर के शवों को हेलीकॉप्टर से लखनऊ भेजा जाएगा। वहां से जिला प्रशासन शवों को गांव लेकर जाएगा।

अपनों के सुरक्षित लौटने की आस, नम हुई आंखें

पड़ोस में रहने वाला विकास राजपूत तीन माह से जम्मू कश्मीर में है। हादसे की जानकारी के बाद पत्नी खुशबू और मां राजरानी अनहोनी की आशंका को लेकर परेशान रही। दोपहर करीब दो बजे खुशबू की पति से फोन पर बात हुई। तो एक दूसरे की आवाज सुनकर रोने लगे।

सुविचार: आदर्श पुरुष सत्कार का सदा समर्थन करता है और दुष्कार्य में कभी शरीक नहीं होता।

पूर्व सांसद बूरा नरसय्या गौड़ भाजपा में शामिल

कुछ दिनों पहले छोड़ा था केसीआर की पार्टी का साथ

हैदराबाद-नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। तेलंगाना में मुनुगोड़े सीट पर उपचुनाव होने हैं। इस उपचुनाव से ठीक पहले टीआरएस के पूर्व सांसद बूरा नरसैय्या गौड़ ने बुधवार (19 अक्टूबर) को बीजेपी का दामन थाम लिया है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और किशन रेड्डी की उपस्थिति में उन्होंने बीजेपी की सदस्यता ली। पूर्व टीआरएस सांसद पार्टी से उपचुनाव में टिकट नहीं मिलने से नाराज थे। आपको बता दें कि वहां के पिछड़े वर्ग के समुदाय से आते हैं और वो एक प्रतिष्ठित डॉक्टर हैं वो मुनुगोड़े में अपना अलग प्रभुत्व रखते हैं।

15 अक्टूबर को टीआरएस छोड़ने के बाद गौड़ ने पहले कहा था कि वह बुधवार को केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में दिल्ली में अपने केंद्रीय कार्यालय में भाजपा में शामिल होंगे। वह पत्रकारों से बात कर रहे थे, जब तेलंगाना के बीजेपी अध्यक्ष और सांसद बांदी संजय कुमार ने मुलाकात की और उन्हें पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने टीआरएस पर आरोप लगाते हुए कहा कि लोगों की समस्याओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए टीआरएस नेतृत्व उनके लिए काफी दुर्गम रहा।

संसदीय क्षेत्र के लिए किए विकास के काम

टीआरएस के पूर्व सांसद ने कहा कि उन्होंने जनता का काम करने के लिए राजनीति में पदार्पण किया था और लोकसभा सदस्य(2014-19) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अपने संसदीय क्षेत्र के लिए राजमार्ग, केंद्रीय विद्यालय और अन्य सुविधाएं मुहैय्या करवाईं। उन्होंने बताया कि उनके क्षेत्र में इन विकास परियोजनाओं को नितिन गडकरी, जेपी नड्डा और हर्षवर्धन जैसे वरिष्ठ केंद्रीय नेताओं के साथ उनके लिए प्रतिनिधित्व करके हासिल किया गया था।

गौड़ के लिए बीजेपी का मंच सबसे बेहतर : संजय कुमार

गौड़ ने कहा कि उन्होंने तेलंगाना में पार्टी मामलों के प्रभारी तरुण चुग जैसे नेताओं के रूप में भाजपा में शामिल होने का फैसला किया और बांदी संजय कुमार ने उन्हें सुझाव दिया कि भाजपा उनके लिए उपयुक्त मंच होगी।

संजय कुमार ने कहा कि गौड़ ने पिछड़े वर्गों और अन्य जातियों (ओबीसी) के गरीबों के लिए भी लड़ाई लड़ी थी, उनके जैसे नेता को बीजेपी में होना चाहिए।

सीमा पर दुस्साहस का देंगे करारा जवाब : मोदी

अहमदाबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर हैं। बुधवार (19 अक्टूबर) को उन्होंने गुजरात के गांधी नगर में डिफेंस एक्सपो का उद्घाटन किया। इस बार के डिफेंस एक्सपो में दुनिया भर के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की झलक दिखाई देगी। इस दौरान पीएम मोदी ने 52 विंग वायु सेना स्टेशन डीसा की आधारशिला भी रखी। अब तक हम जिन हथियारों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर हुआ करते थे वो हमें अब अपने देश में ही मिलेंगे वो भी खुद के बनाए हुए। डिफेंस एक्सपो उद्घाटन के समय पीएम मोदी के साथ केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने इस मौके पर रक्षा क्षेत्र में तेजी से बढ़ते भारत की उत्पादन क्षमताओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ये देश का ऐसा पहला डिफेंसएक्सपो है जिसमें केवल भारतीय कंपनियां ही हिस्सा ले रही हैं। ये डिफेंस एक्सपो केवल मेड इन इंडिया रक्षा उपकरणों के लिए ही है। डेफएक्सपो 22 का ये आयोजन नए भारत की भव्य तस्वीर रेखांकित कर रहा है जिसका हमने अमृतकाल में संकल्प लिया है। इसमें भारत के साथ-साथ विश्व के लिए भी उम्मीदें हैं।

डिफेंस एक्सपो 2022 दिखी न्यू इंडिया की भव्य तस्वीर

पीएम मोदी ने डिफेंस एक्सपो के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में कहा कि डिफेंस एक्सपो 2022 न्यू इंडिया की भव्य तस्वीर दिखा रहा है। उन्होंने कहा इसमें राज्यों की भागीदारी, देश का विकास, युवा शक्ति, युवा साहस और युवा क्षमताएं हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश में पहले भी डिफेंस एक्सपो होते थे, लेकिन यह 2022 अभूतपूर्व है। यह एक नई शुरुआत का प्रतीक है।

साइबराबाद पुलिस ने जलभराव में फंसे तीन को बचाया

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने बुधवार सुबह शमशाबाद में जलजमाव वाली सड़क पर फंसे तीन लोगों को बचा लिया। पुलिस के मुताबिक आउटर रिंग रोड एग्जिट नंबर 15 के पास सर्विस रोड पर लगे बैरिकेड्स को एक ट्रक चालक व दो मजदूरों ने हटाकर सर्विस रोड पर लॉरी को लेकर जाने लगे। रास्ते में भारी जलजमाव के कारण ट्रक रुक गया और तीन लोग वाहन में फंस गए। पास के छोटे तालाबों का पानी सड़क पर बह जाता है। शमशाबाद पुलिस और यातायात पुलिस ने ट्रक में फंसे तीन लोगों को देखा। पुलिसकर्मियों ने साहस का परिचय देते हुए तीन लोगों की जान बचा लिया। रस्सियों की मदद से ट्रैफिक हेड कांस्टेबल जितेंद्र रेड्डी और गश्ती वाहन के पुलिसकर्मियों ने धनराज गौड़, शिव शंकर तथा गणेश को बचा लिया।

अमेरिकी कांग्रेस ने पाक के एफ-16 पैकेज को दी मंजूरी

इस्लामाबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के एफ-16 पैकेज पर भारत की आपत्तियों को नजरअंदाज हुए अमेरिकी कांग्रेस ने लड़ाकू विमान के रखरखाव और रखरखाव सेवाओं के लिए 45 करोड़ डॉलर मूल्य की प्रस्तावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी दे दी। यह जानकारी बुधवार को मीडिया रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट के अनुसार कांग्रेस ने प्रस्तावित बिक्री पर कोई आपत्ति नहीं जताई, इससे पाकिस्तान के लिए पैकेज का रास्ता साफ हो गया, जिसे पिछले महीने राष्ट्रपति जो बिडेन के प्रशासन द्वारा अनुमोदित किया गया था। भारत की आलोचना के बाद एफ-16 पैकेज के सौदे ने सुर्खियां बटोरी। इस्लामाबाद से इसमें कड़ी प्रतिक्रिया आई, जिसने नई दिल्ली से पाकिस्तान-अमेरिका संबंधों पर टिप्पणी करने से परहेज करने का आग्रह किया। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी सैन्य बिक्री का बचाव करते हुए कहा कि पैकेज पाकिस्तान के मौजूदा बेड़े के रखरखाव के लिए था। उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ये पैकेज नए विमान, नई प्रणाली और नए हथियारों के लिए नहीं था।

नर्स के साथ निर्भया जैसी दरिंदगी

भाई के बर्थडे से लौट रही नर्स को अगवाकर 2 दिन गैंगरेप; हैवानियत की हद पार की

गाजियाबाद , 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद में दिल्ली की एक महिला से निर्भया जैसी हैवानियत की गई। 5 युवकों ने उसे अगवाकर 2 दिन तक रेप किया। उसके प्राइवेट पार्ट में रॉड घुसा दी। इसके बाद सड़क किनारे फेंककर भाग गए। युवती सड़क किनारे बोरी में मिली, तब भी रॉड उसके उसके शरीर के अंदर थी।

युवती का इलाज दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में चल रहा है। पीड़िता खुद भी दिल्ली के एक अस्पताल में नर्स है। पुलिस ने इस सिलसिले में दीनू, शाहरुख, जावेद, धोला, औरंगजेब उर्फ जहीर के खिलाफ केस दर्ज किया है। इनमें से 4 से पूछताछ की जा रही है। जीटीबी अस्पताल के प्रवक्ता रजत जांबा ने बताया कि 18 अक्टूबर की सुबह 7 बजे पीड़िता को अस्पताल लाया गया था। सेक्सुअल असॉल्ट किया गया है। अंदरूनी चोटें हैं, जांच की जा रही है। पीड़िता की हालत अभी स्टेबल है। महिला का भाई पेशे से ऑटो ड्राइवर है। उसने बताया- घटना 16 अक्टूबर की है। बहन मेरी बर्थडे पार्टी में आई थी। पार्टी खत्म होने के बाद मैं रात साढ़े 9 बजे दिल्ली आश्रम रोड नंदग्राम हाईवे पर छोड़कर आ गया था, जहां बहन ऑटो का इंतजार कर रही थी। रात साढ़े 11 बजे भांजे ने फोन कर बताया कि मां घर नहीं पहुंची है। इसके बाद खोजबीन की, लेकिन कुछ पता नहीं चला।

महिला का प्रॉपर्टी विवाद चल रहा है

भाई ने कहा, पुलिस प्रॉपर्टी विवाद का जिक्र कर रही है, वह प्रॉपर्टी दिल्ली के दुर्गापुरी शाहदरा में है और आरोपी पक्ष वहां कब्जा नहीं होने दे रहा है। बहन ने कोर्ट में केस फाइल कर रखा है और इस वजह से आरोपी पक्ष उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है।

पुलिस एफआईआर के मुताबिक, पीड़िता को कुछ स्कॉर्पियो सवार युवक बंदूक दिखाकर सड़क से उठाकर ले गए। स्कॉर्पियो में चार लोग थे। वे उसको एक सुनसान जगह पर लेकर गए। उस जगह एक युवक पहले से मौजूद था। पांचों ने उसके साथ दो दिन तक दुष्कर्म किया।

आरटीसी बस कंडक्टर ने यात्री को मारी लात

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल जिले में टीएसआरटीसी बस में एक घटना चौंकाने वाली घटना सामने आई। बस कंडक्टर लगातार टिकट मांगने वाले एक यात्री को टीएसआरटीसी के बस कंडक्टर ने लात मार दी। यह चौंकाने वाली घटना वारंगल के संगम मंडल के चंद्रगोंडा गांव जा रही एक आरटीसी बस में हुई। जानकारी के अनुसार, देवेंद्र नाम के कंडक्टर ने रंगमपेट निवासी यात्री देवदासु को कथित रूप से लात से मार दिया। बताते है कि यात्री मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से पीड़ित है। बस में यात्रा कर रहे यात्रियों ने इस घटना को अपने मोबाइल में कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। नेटिज़ेंस टीएसआरटीसी के अधिकारियों से कंडक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का अनुरोध कर रहे हैं।

वर्तमान में सभी को कैंसर के प्रति जागरूक रहना जरूरी : भगवती बल्दवा

माधव ऑटिज्म फाउंडेशन की सेवा की सराहना की

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। माधव ऑटिज्म फाउंडेशन के द्वारा ब्रेस्ट कैंसर के लिए आयोजित किए गए जागरूकता कार्यक्रम "पार्ट इन पिंक" में बतौर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध उद्योगपति भगवती महेश बल्दवा ने कहा कि माधव ऑटिज्म फाउंडेशन द्वारा अत्यंत ही सराहनीय सेवा कार्य किए जा रहे हैं। अपने विचारों को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि आज के युग में परोपकार हेतु समय निकालना अत्यधिक कठिन कार्य है, ऐसी स्थिति में माधव ऑटिज्म फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया यह कार्यक्रम अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने आश्वासन दिया कि निकट भविष्य में फाउंडेशन के सेवा कार्यों में हर संभव सहयोग देने का प्रयास करेंगी।

इसी क्रम में भगवती बल्दवा ने डॉ. विपिन गोयल द्वारा कैंसर के प्रति जागरूकता संबंधित दी गई जानकारी पर प्रसन्नता जताई। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित तेलुगु फ़िल्म चैम्बर ऑफ कॉमर्स की कार्यकारी सदस्य डॉ. पद्मिनी ने वर्तमान में महिला शक्ति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिला एक बड़ी शक्ति है और किसी भी प्रकार की संभावित पीड़ा से कमजोर पड़ने की बजाए संघर्ष करके इस पर विजय प्राप्त करना चाहिए। इसके पूर्व फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. सुमन सर्राफ ने सभी उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए ऑटिज्म संबंधित जानकारी प्रस्तुत करते हुए लोगों को इस दिशा में जागरूक रहने का आह्वान किया। फाउंडेशन के मंत्री डॉ. दिलीप पंसारी ने फाउंडेशन से संबंधित जानकारी प्रस्तुत करते हुए भविष्य की योजनाओं के बारे में अवगत कराया। अवसर पर कैंसर से संघर्ष करते हुए विजय प्राप्त करने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज तेलंगाना के मंत्री कपूरचंद गुप्ता, संयुक्त मंत्री सतीश अग्रवाल, फार्मा एंड ड्रग्स के संघ के अध्यक्ष डॉ. घीसूलाल जैन, अग्रवाल समाज तेलंगना कोत्तापेट शाखा के अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, सदस्य अशोक जिंदल, दोमलगुड़ा शाखा के उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, सुनील सर्राफ, आलोक टिबरेवाल, राजगोपाल मालू, हनुमान मालू, अग्रवाल समाज तेलंगना की रानी सती दादी महिला शाखा, शिव शक्ति महिला शाखा, सखी सहेली महिला शाखा, सत्य शक्ति महिला शाखा, दिलसुखनगर अग्र महिला मंच, अग्र महिला मंच तेलंगाना, अग्र महिला समिति की पदाधिकारियों व सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल रूप प्रदान करने में डॉ. नीरजा रेड्डी, संयुक्ता, सीमा अग्रवाल, सुमन ऑटिज्म सेंटर के कर्मचारी और अन्य का सराहनीय रहा।

जब तक जिंदा हूं टीआरएस के साथ रहूंगा : पद्मा राव

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा उपाध्यक्ष पद्मा राव ने जल्द ही पार्टी बदलने की अटकलों का खंडन करते हुए कहा कि जब तक वह जीवित हैं, वह टीआरएस में बने रहेंगे। सिकंदराबाद से विधायक पद्मा राव ने बुधवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि वह अब टीआरएस पार्टी नेतृत्व से खुश हैं और उन्हें पार्टी बदलने की कोई जरूरत नहीं है। पद्मा राव ने कहा कि कुछ ताकतें यह कहते हुए मेरे खिलाफ दुर्भावनापूर्ण प्रचार कर रही हैं कि मैं टीआरएस छोड़ रहा हूं। मैं तेलंगाना आंदोलन शुरू होने के बाद से पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव के साथ हूं और मुझे अन्य दलों को देखने की कोई जरूरत नहीं है।

मेरे केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध हैं। मैं किशन रेड्डी के बगल में विधानसभा हॉल में बैठता था, जब वे विधायक थे। मैंने अपनी बेटी की शादी के समय किशन रेड्डी को समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। वह मेरे घर आए और मेरी बेटी को आशीर्वाद दिया। हम इस रिश्ते को राजनीतिक नजरिए से नहीं देख सकते क्योंकि हम एक-दूसरे को सालों से जानते हैं।

महापर्व छठ पर बिहारियों का घर पहुंचना हुआ मुश्किल

दमरे ने छठ पूजा पर नहीं की विशेष ट्रेन की घोषणा

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दुनिया भर में रहने वाले बिहार के लोगों के सबसे बड़े आस्था के पर्व छठ पूजा के लिए तेलंगाना से बिहार जाने वाले लोग काफी मायूस है। यहां से छठ पूजा पर घर जाने वाले हजारों श्रमिक परेशान है। दमरे ने अभी तक विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा नहीं की है। जबकि रेलवे द्वारा तेलंगाना से दूसरे राज्यों और स्थानों के लिए भारी संख्या में विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। हालांकि वर्षो से यूपी और बिहार के लिए नई ट्रेन चलाने की मांग की जा रही है। गौरतलब है कि तेलंगाना में लाखों की संख्या में बिहार के लोग रहते है। परिवार के साथ रहने वाले कुछ लोग तो यहां ही छठ पूजा में भाग ले रहे है। जबकि परिवार से दूर हजारों की संख्या तेलंगाना में रहने वाले लोग अपने परिवार के साथ बिहार पहुंचकर पर्व मनाना चाहते है। छठ पूजा से पहले से ही बिहार के कई संगठन रेल मंत्री को पत्र लिखने के साथ ही दमरे के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलकर बिहार के लिए विशेष ट्रेन चलाने की मांग कर चुके है। सभी राजनीतिक दल चुनावों के मद्देनजर बिहार के लोगों को वोट बैंक बनाने के लिए तरह-तरह के

बिहार के लोगों का रेलवे पर सौतेलापन का आरोप

हथकंडे अपना रहे है। हाल में ही एक दल ने प्रवासियों का सम्मान किया है और दूसरे ने हितैषी होने का दावा करने को लेकर कई बयान जारी किया। बिहार के कई बड़े नेता और केन्द्र सरकार में मंत्री तथा सांसद हैदराबाद विभिन्न कार्यक्रम में भाग लेने आते रहते है। इस दौरान बिहार के लोग अपनी ट्रेनों में जगह न मिलने की समस्या आदि से अवगत कराते रहते है। नेताओं बिहार के लोगों को ट्रेन चलवाने का आश्वासन देते रहते है। यहां के भी नेता बिहार के लोगों के लिए ट्रेन चलवाने में कोई रूचि नहीं ले रहे है। जबकि यहां के सांसद अगर प्रयास करें तो बिहार के लिए नई ट्रेन चलना असंभव नहीं है। मजबूरी में लोग बिहार जाने के लिए लोग दिल्ली, उड़ीसा और हावड़ा के रास्ते जा रहे है। बिहार के श्रमिक लोगों को बहुत अधिक किराया चुकाना पड़ रहा है। बिहार और यूपी के लिए केवल दो ट्रेने जा रही है। एक दिन में और एक रात में जाती है। दोनों ही ट्रेनों का मार्ग है। बिहार का कहना है कि हम लोगों की मांग पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

ट्रेनों में सीट पाना नामुमकिन हो रहा है। ऐसा त्योहार के समय नहीं होता है। आम दिनों में भी यूपी बिहार जाना मुश्किल हो रहा है। बिना नई ट्रेनों के संचालन के समस्या का समाधान नहीं होगा। बिहार के लोगों का कहना है कि रेलवे द्वारा बिहार के लोगों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। सिकंदराबाद और हैदराबाद से दूसरे राज्यों और स्थानों के लिए कई विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। जबकि भारी मांग के बाद भी बिहार के लोगों के लिए विशेष ट्रेनों की घोषणा दमरे द्वारा नहीं की जा रही है। देश के कई राज्यों से छठ पूजा के लिए ट्रेनों का संचालन होता है। इस बारे में दमरे के अधिकारियों का कहना है दमरे पूरी स्थिति पर नजर रखें हुए है। यात्रियों की संख्या आदि को देखते हुए आगे की कार्यवाही की जाएगी।

उधर, बुधवार को सिकंदराबाद से हावड़ा जा रही ट्रेनों में इतनी भीड़ बढ गई है कि ट्रेन में रिजर्वेशन लेने वाले बुजुर्गों व महिलाओं को चढना मुश्किल हो गया है।

बुधवार को सिकंदराबाद से हावड़ा के लिए निकली फलकनुमा एक्सप्रेस (ट्रेन नं 12704) में इतनी भीड़ थी कि एक बुजुर्ग मरीज को ट्रेन में चढने के लिए भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कैसे-कैसे चढ तो गया किंतु उनकी आरक्षित सीट पर 7 से 8 व्यक्ति बैठे हुए थे और वहां पर कदम रखने की जगह नहीं थी। लगभग सभी बिहार के यात्री थे, जो हावड़ा से फिर बिहार के लिए ट्रेन पकड़ने वाले थे।

सवाल उठता है कि जब लोग आरक्षित सीट पूरे भाड़े के साथ ले रहे हैं, तो रेलवे विभाग को उनकी जान की परवाह क्यों नहीं है?खासकर पीएम और रेल मंत्री इस पर क्यों नहीं ध्यान दे रहे हैं?

शी टीम्स को इस साल सितंबर तक 5,125 शिकायतें मिलीं

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस साल सितंबर तक, शी टीमों को तेलंगाना में पीड़ितों से 5125 शिकायतें मिली हैं और लगभग सभी शिकायतों का तुरंत निपटारा कर दिया गया है।

अतिरिक्त डीसीपी (महिला सुरक्षा) स्वाति लकरा ने कहा कि राज्य में 331 टीमें काम कर रही हैं और राज्य में अपनी सभी इकाइयों में महिला पीड़ितों की वॉक-इन और ऑनलाइन शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई शुरू कर रही हैं। इस वर्ष 39 प्रतिशत शिकायतें व्यक्तिगत रूप से और 61 प्रतिशत अप्रत्यक्ष रूप से प्राप्त हुईं। सभी शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की गई है। कुल 4,488 लोगों की काउंसलिंग हुई।

राज्य भर में शी टीमों की इकाइयों ने स्कूलों, कॉलेजों, सामुदायिक स्थानों और हॉटस्पॉट में जनता के लिए 10,836 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। उन्होंने अपने अधिकार क्षेत्र में हर दिन पूर्व-नामांकित हॉटस्पॉट का दौरा किया जहां महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध अक्सर होते हैं।

स्वाति लकरा ने कहा कि शी टीमों ने अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए कई नई पहल की हैं। एक सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन को विशेष रूप से जिलों / आयुक्तालयों में काम करने वाले शी टीम अधिकारियों के लिए यूनिट वार डेटा को अपडेट और स्टोर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

महिला सुरक्षा विंग ने साइबर कांग्रेस नामक एक परियोजना शुरू की, जहां प्रत्येक सरकारी स्कूल से चयनित दो छात्रों को जागरूकता पैदा करने के लिए साइबर सुरक्षा पर प्रशिक्षित किया जाता है। इस परियोजना का उद्देश्य 33 जिलों के 1650 सरकारी स्कूलों के 3,300 किशोर छात्रों को साइबर एंबेसडर के रूप में सक्षम बनाना है।

स्वाति लकरा ने कहा कि परियोजना सफलतापूर्वक पूरी हो गई है और अब हम चरण-II की तैयारी कर रहे हैं, जो तेलंगाना के 33 जिलों के 2,391 सरकारी स्कूलों के 9,564 किशोर छात्रों को साइबर एंबेसडर के रूप में सक्षम बनाता है।

हरि ॐ बैठक हरि ॐ

श्री महारामजी परिहारियां
: सुपुत्र : स्व.श्री नारायणलालजी परिहारियां
: स्वर्गवास : 3 अक्टुबर 2022
मरुधर मे साण्डिया पाली (राज.)

बैठक आज दि.20 अक्टुबर गुरुवार प्रात: 10.15 बजे से हमारे निवास स्थान गणेश हार्डवेयर नादरगुल हैदराबाद पर होगी

: शोकाकुल : रामदयाल, प्रभुराम, भंवरलाल, जगदीश, सोहनलाल, मांगीलाल, बाबुलाल, प्रकाश, मंगलाराम, पुनाराम, गोपाराम, रमेश, श्रवण एवं समस्त परिहारियां परिवार-साण्डिया पाली (राज.)

: फर्म : ✻ मंगल ज्वैलर्स ✻ गणेश हार्डवेयर - नादरगुल
9885801292, 8019195582

P.Solankey

बीएचयू ने बढ़ाई 500% तक फीस

छात्र बोले- रैंकिंग में जेएनयू से 4 नंबर नीचे, मगर फीस है 30 गुना ज्यादा

वाराणसी, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में जल्द ही एडमिशन शुरू होने की डेट आ जाएगी। न्यू एडमिशन लेने वाले अभ्यर्थियों को रिवाइज्ड यानी कि बढ़ी हुई फीस देनी होगी। नए सेशन से नया नियम लागू होने जा रहा है। इसको लेकर बीएचयू के छात्र संगठनों में उबाल है। सबसे ज्यादा 500% की बढ़ोतरी एम.एससी एग्रीकल्चर में हुई है। पहले 3500 रुपए सालाना से बढ़ाकर 18,500 रुपए कर दिया गया है।

अब बीएचयू को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) और इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के छात्रों का भी समर्थन मिल रहा है। छात्रों का कहना है कि बीएचयू रैंकिंग में जेएनयू से 4 नंबर नीचे है, मगर फीस यहां की 30 गुना ज्यादा है।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में फीस वृद्धि का मामला शांत नहीं हुआ था कि बीएचयू में भी छात्र लामबंद हो गए। विश्वविद्यालय में 20 हजार से ज्यादा छात्र फीस वृद्धि के विरोध में हैं। वहीं सड़कों पर रोजाना 5 हजार छात्र 'फीस वृद्धि वापस लो' के नारे लगाते हुए अपने दिन काट रहे हैं।

कैंपस में बीते 10 दिनों में एक अनिश्चितकालीन और 15 एक दिवसीय धरने, 20 घेराव, 10 जुलूस, 5 हस्ताक्षर अभियान और मौन व्रत तक हो चुके हैं। एनएसयूआई, एबीवीपी समेत सभी छात्र संगठन इस मुद्दे पर एक साथ अलग-अलग विरोध कर रहे हैं। जगह-जगह सुरक्षाकर्मियों और छात्रों के बीच नोंकझोक हो रही है। रास्ता रोका जा रहा है। मगर, विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से छात्रों को अभी तक कोई आश्वासन नहीं मिला है।

बता दें कि साल 2014 में फीस वृद्धि की गई थी, जिसे छात्रों के भारी विरोध में वापस लेना पड़ा। उस समय कुलपति प्रो. लालजी सिंह ने खुद धरनास्थल पर आकर फीस वृद्धि वापस लेने की घोषणा की थी। छात्रों का कहना है कि कुलपति अभी तक धरना दे रहे छात्रों का हाल तक नहीं लेने आए। वहीं, दूसरी ओर कुछ प्रोफेसर कुलपति के बचाव में कह रहे हैं कि फीस बढ़ाने का आदेश इस कुलपति के नहीं, बल्कि पिछले कुलपति के कार्यकाल 2019-20 में दिया गया था। कोविड की वजह से छात्रों को राहत देते हुए फीस नहीं बढ़ाई गई। मगर, अब नए सत्र से बीएचयू में रिवाइज्ड फीस देनी होगी। वहीं कुछ का कहना है कि कुलपति सड़क पर नहीं क्लास, ग्राउंड, हॉस्टल और चाय-समोसे की दुकानों पर मिलते हैं।

बिहार के स्कूल के पेपर में कश्मीर को बता दिया अलग देश

बेतिया, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में कक्षा 7 के अंग्रेजी के पेपर में कश्मीर को लेकर पूछे गए विवादित प्रश्न पर सियासी बवाल मच गया है। नीतीश सरकार बीजेपी के निशाने पर आ गई है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के सरकारी अफसर सीमांचल के बच्चों में अलगाववादी मानसिकता का पोषण कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश को चेतावनी देते हुए कहा कि वे बीजेपी से लड़े भारत से नहीं। संजय जायसवाल ने बुधवार को बेतिया में कहा कि बीते शनिवार को अद्धवार्षिक परीक्षा में पूर्णिया, किशनगंज व अररिया में 7वीं के बच्चों से विवादित सवाल पूछा गया था। पेपर में लिखा था कि चीन में रहने वाले को चायनीज तो नेपाल, इग्लैंड, भारत और कश्मीर में रहने वाले को क्या कहेंगे? इसमें कश्मीर को अलग देश बताया गया। 2017 में भी यह सवाल पूछा गया था।

बसपा में शामिल हुए इमरान मसूद

पश्चिमी यूपी का संयोजक बनाया गया, मायावती ने ट्वीट कर किया स्वागत

लखनऊ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी यूपी के नेता इमरान मसूद बुधवार को बसपा में शामिल हो गए हैं। बसपा ने उन्हें पश्चिमी यूपी का संयोजक बनाकर आगे के लिए जिम्मेदारी भी सौंप दी। मायावती ने इमरान मसूद के बसपा में शामिल होने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि ये दिखाता है कि मुस्लिम समाज को यकीन है कि भाजपा की द्वेषपूर्ण व क्रूर राजनीति से मुक्ति के लिए सपा नहीं बल्कि बीएसपी ही जरूरी है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि उत्तर प्रदेश व खासकर पश्चिमी यूपी की राजनीति में इमरान मसूद एक जाना-पहचाना नाम है जिन्होंने आज अपने करीबी सहयोगियों के साथ मुझसे मुलाकात की और वे समाजवादी पार्टी छोड़कर, अच्छी नीयत व पूरी दमदारी से काम करने के वादे के साथ बसपा में शामिल हो गए, जिसका तहेदिल से स्वागत है। मायावती ने कहा कि पार्टी में काम करने के इनके जबर्दस्त जोश व उत्साह को

देखकर आज ही उन्हें पश्चिमी यूपी बीएसपी का संयोजक बनाकर वहां पार्टी को हर स्तर पर मजबूत बनाने व खासकर अकलीयत समाज को पार्टी से जोड़ने की भी विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उन्होंने कहा कि आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव के बाद व अब स्थानीय निकाय चुनाव से पहले इमरान मसूद व अन्य लोगों का बीएसपी में शामिल होना यूपी की राजनीति के लिए इस मायने में शुभ संकेत है कि मुस्लिम समाज को भी यकीन है कि भाजपा की द्वेषपूर्ण व क्रूर राजनीति से मुक्ति के लिए सपा नहीं बल्कि बीएसपी ही जरूरी। मायावती ने कहा कि बसपा ने पार्टी संगठन तथा अपनी सभी सरकारों में गरीबों, महिलाओं व अन्य उपेक्षितों के हित एवं कल्याण को सर्वोपरि रखते हुए अपने कार्यों से यह साबित किया है कि सर्वसमाज का हित, रोजी-रोजगार, सुरक्षा व धार्मिक स्वतंत्रता बसपा में ही संभव, जिसपर विश्वास समय की मांग है।

बाहुबली मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

एससी ने यूपी सरकार को जारी किया नोटिस

लखनऊ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। आर्म्स एक्ट मामले में माफिया मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को निर्देश दिया है कि वह अगले आदेश तक अब्बास अंसारी के खिलाफ कोई कदम न उठाए। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने अंसारी की याचिका पर यूपी सरकार को नोटिस जारी किया है। अब्बास अंसारी पिछले काफी समय से उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ लुका-छिपी का खेल खेल रहे हैं। यूपी पुलिस की कई टीमें अब्बास को ढूंढने में नाकाम रहीं।

अब्बास पिछले काफी समय से फरार चल रहे हैं। यूपी पुलिस लगातार अब्बास की तलाश में धरपकड़ कर रही थी और मुख्तार अंसारी के जितने भी ठिकाने रहे सब पर छापेमारी करती रही। यूपी पुलिस को अब्बास का पता लगाने

में कामयाबी नहीं मिल पाई। वहीं ईडी ने भी अब्बास के खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया है, ताकि वह देश छोड़कर नहीं भाग सके।

अब्बास अंसारी मऊ की सदर सीट से सुभासपा के विधायक हैं। साल 2022 के विधानसभा चुनाव में अब्बास अपने पिता माफिया मुख्तार अंसारी की जगह चुनाव लड़े थे। ऑर्म्स एक्ट मामले में अब्बास अंसारी को 25 अगस्त को सरेंडर करने की तारीख दी गई थी। अब्बास अंसारी ने खुद को सरेंडर नहीं किया था जिसके बाद एमपी-एमएलए कोर्ट ने अब्बास को भगोड़ा घोषित कर दिया था। अब्बास तब से ही फरार है इस बीच उसे ढूंढने के लिए यूपी पुलिस की कई टीमें लगाईं गईं लेकिन अब्बास उनके हाथ नहीं आया।

12 अक्टूबर साल 2019 को अब्बास अंसारी के खिलाफ लखनऊ पुलिस ने शस्त्र लाइसेंस को लेकर ऑर्म्स एक्ट के तहत एक मामला दर्ज किया था। इस मामले में अब्बास अंसारी पर आरोप है कि उसने लखनऊ पुलिस को जानकारी दिए बिना ही लाइसेंस को नई दिल्ली ट्रांसफर करवा लिए। इसके अलावा अब्बास पर एक लाइसेंस पर एक से अधिक हथियार रखने का आरोप भी है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ बिहार सरकार का सख्त रुख

दो आईपीएस अधिकारियों को किया गया निलंबित

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार और जालसाजी को लेकर बिहार की महागठबंधन सरकार सख्ती दिखा रही है। राज्य सरकार ने इसी क्रम में भ्रष्टाचार के आरोपों में दो आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की है। इन दोनों अधिकारियों के नाम क्रमशः आदित्य कुमार और दयाशंकर हैं। इतना ही नहीं, आदित्य कुमार फिलहाल फरार चल रहे हैं उनके ऊपर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। उन्हें फर्जी चीफ जस्टिस बन डीजीपी एसके सिंघल को फोन करने के मामले निलंबित किया गया है।

आदित्य कुमार गया के पूर्व एसएसपी और वर्तमान में पुलिस महानिरीक्षक के सहायक (निरीक्षण) के पद पर थे। आदित्य कुमार वर्ष 2011 बैच के आइपीएस हैं। आरोप है कि जब वे गया के एसएसपी थे तब उनकी शराब माफिया से साठ-गांठ थी। इस मामले में उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई चल रही है। इस कार्रवाई से बचने के लिए ही उन्होंने अपने दोस्त अभिषेक अग्रवाल से मिलकर फर्जी कॉल की साजिश रची थी। उनके खिलाफ जालसाजी का मामला भी चल रहा है। फिलहाल वह फरार हैं।

गौरतलब है कि निलंबन से पहले दयाशंकर पूर्णिया के एसपी थे। उन्हें आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोपी पाया गया था। दरअसल, हाल ही में उनके आवास और पटना के ठिकानों पर एसयूवी ने छापेमारी की थी। छापेमारी में दयाशंकर के ठिकानों से 14 लाख नकद और 72 लाख रुपये का सोना बरामद हुआ था। इतना ही नहीं, उनके कई फ्लैट, दुकान और महंगी गाड़ियां होने का पता भी चला था।

बिहार में शराबबंदी लागू करने में सरकारी मशीनरी फेल

हाईकोर्ट की नीतीश सरकार को फटकार

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पटना हाईकोर्ट ने बिहार में लागू शराबबंदी कानून को लेकर नीतीश सरकार पर तीखी टिप्पणी की है। उच्च न्यायालय ने कहा कि इस कानून से नए तरह के अपराध पैदा हो रहे हैं। शराबबंदी को उसकी वास्तविक भावना से लागू नहीं किया गया। अधिकारी शराब तस्करी को रोकने में लापरवाही बरत रहे हैं। ये सरकारी मशीनरी की विफलता का परिणाम है।

हाईकोर्ट ने इस मामले को मुख्य न्यायाधीश के समक्ष पेश करने का आदेश निबंधक को दिया, ताकि इसपर वृहत रूप से सुनवाई की जा सके। न्यायमूर्ति पूर्णेन्दु सिंह की एकलपीठ ने मंगलवार को जमानत के कई मामलों की सुनवाई के बाद अपने 20 पन्नों के आदेश में आठ बिंदुओं पर चर्चा की।

आदेश में कहा गया कि राज्य मशीनरी की विफलता के कारण प्रदेश के नागरिकों का जीवन जोखिम में है। राज्य के बाहर से शराब की तस्करी धड़ल्ले से हो रही है। नेपाल और कई पड़ोसी प्रदेश से राज्य में शराब की तस्करी हो रही है। टैक्स चोरी के साथ-साथ इस धंधे में नाबालिगों को शराब परिवहन में शामिल किया गया है। शराब की तस्करी में नकली पंजीकरण वाले वाहनों का उपयोग हो रहा है। आदेश के मुताबिक यही नहीं, चोरी के वाहनों का भी उपयोग हो रहा है। कई वाहनों का नंबर, इंजन नंबर और चेसिस नंबर के साथ छेड़छाड़ करने की शिकायत मिली है। शराबबंदी और उसकी तस्करी पर लगाम लगाने के लिए तैनात अधिकारियों की लापरवाही सामने आई है।

जांच अधिकारी तलाशी और जब्ती में कर्तव्य का पालन सही तरीके से नहीं कर रहे हैं। यहां तक कि अनुसंधान में कई खामियां पाई गई हैं। जिसका लाभ अभियुक्तों को मिलना तय है। ऐसे अधिकारियों पर सख्त कदम उठाने में राज्य सरकार विफल रही है। दोषी अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं किए जाने से उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

ज्ञानवापी की याचिका पर सुनवाई 3 नवंबर को

निचली कोर्ट से खारिज हो चुका है दावा

वाराणसी, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। वाराणसी जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में बुधवार को अंजुमन इंतजामिया कमेटी की ओर से ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी प्रकरण में दाखिल निगरानी याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकी। जिला जज के अवकाश पर होने के कारण सुनवाई टल गई। अब इसकी सुनवाई की तारीख तीन नवंबर निर्धारित की गई है।

पिछले दिनों वाद मित्र विजय शंकर रस्तोगी की ओर से वाराणसी कोर्ट में ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी प्रकरण में दिए गए आदेश की प्रमाणित प्रति कोर्ट में दाखिल किया था। कहा था कि पुरातात्विक सर्वेक्षण के प्रकरण में भी अंजुमन इंतजामिया की ओर से मस्जिद को सुन्नी वक्फ बोर्ड की संपत्ति बताते हुए सुनने का क्षेत्राधिकार सिर्फ वक्फ बोर्ड लखनऊ का है।

लोअर कोर्ट ने विधि विरुद्ध आदेश दिया।निचली अदालत के इसी आदेश के खिलाफ जिला जज की कोर्ट में निगरानीकर्ता अंजुमन इंतजामियां की ओर से निगरानी याचिका दाखिल की। इसी याचिका पर बुधवार को सुनवाई होगी।

बिहार में तेजी से बदल रहा मौसम का मिजाज

दिवाली से पहले हो सकती ठंड की एंट्री खतरे के निशान से ऊपर बह रही गंगा

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार से मानसून पूरी तरह से वापस लौट आया है। बिहार में पछुआ हवा चल रही। आइएमडी के आंकड़ों के मुताबिक पूरे राज्य में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे है। लिहाजा रात कुछ ठंडी महसूस हो रही है। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि इस साल सर्दियों में पारा सामान्य से कुछ नीचे रह सकता है।हालांकि अक्तूबर में मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा।

बिहार में पिछले दिनों हुए तेज बारिश के चलते कोसी और गंडक नदी उफान पर है। वहीं अब गंगा नदी का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। बता दें कि पिछले 5 दिनों से गंगा के जलस्तर में वृद्धि दर्ज की जा रही है। वही जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक

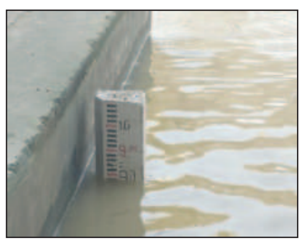

गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर डेंजर लेवल को पार कर चुका है।कलेक्ट्रेट से हाथीदह तक घाटों पर चढ़ा पानी। दीघाघाट पर जलस्तर 49.82 मीटर और गांधीघाट पर 48.70 मीटर मापा गया है। जबकि दीघाघाट पर खतरे का निशान 50.45 मीटर और गांधीघाट पर 48.60 मीटर है।

राज्य के कई जिलों में तापमान में अचानक गिरावट देखी जा रही है मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले महीने में धीरे-धीरे तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। आगामी नवंबर और दिसंबर में ठंड धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ेगी। सोमवार को समस्तीपुर जिला सबसे अधिक ठंडा रहा। जहां का तापमान 19.05 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। बिहार में मानसून की वापसी निर्धारित समय से 10 दिन के बाद हुई लेकिन उसके बाद भी इस बार प्रदेश में 33% कम बारिश दर्ज की गई। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक वर्ष 2022 के दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सत्र में 1 जून से ले कर 30 सितंबर तक बिहार में सामान्य से कम 683.4 मिमी बारिश हुई है।

चचेरे भाई ने लाठी-डंडे से युवक की जमकर की पिटाई

जमीन विवाद में हुई मारपीट, युवक की हालत नाजुक

भागलपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भागलपुर जिले में जमीन विवाद को लेकर एक युवक की लाठी डंडे से जमकर पिटाई को गई, मारपीट की घटना की सूचना मिलते ही मौके पुलिस पहुंचकर गंभीर हालत में युवक को मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है और युवक की हालत नाजुक बनी हुई है। वही जख्मी युवक की पहचान जिले के लोदिपुर थाना क्षेत्र के निवासी स्व राजेन्द्र पासवान के पुत्र गोपाल पासवान के रूप में हुई है।

जख्मी गोपाल पासवान के परिजनों ने बताया कि घर के बगल के पड़ोसी पप्पू पासवान और दीपक पासवान ने जमीन पर कब्जा करने को लेकर गोपाल की

जमकर लाठी डंडे से पिटाई कर दिया और मौके पिटाई से गोपाल गम्भीर होकर बेहोंश हो गया, घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोदीपुर थाना पुलिस पहुंच कर गोपाल को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया है और मामले की जांच में जुट गई है। वेगी जख्मी की मां ने बताई की हमलोगों का गोतिया का जमीन में 8 कट्टा जमीन है जिसको लेकर हमेशा विवाद बना रहता है।

हंगामे की भेंट चढ़ी बोर्ड बैठक, भिड़े सभासद

एक-दूजे पर फेंकी पानी की बोतलें, नगरायुक्त को दौड़ाया

मेरठ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ में आज निगम बोर्ड की बैठक फिर से हंगामे की भेंट चढ़ गई। बैठक में पहुंची महापौर सुनीता वर्मा ने बैठक शुरू करने से पहले मुलायम सिंह के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर मीटिंग शुरू कराई। वहीं बोर्ड की बैठक शुरू होने से पहले ही टाउन हॉल के बाहर नगर निगम के आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों ने धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। महापौर की मौजूदगी में बैठक के दौरान फैसला लिया गया कि यदि मेरठ में कोई भी पिटबुल जैसे खुंखार कुत्ते को पालता है तो उसे इसके लिए अनुमति लेनी होगी। इस पर सभी ने सहमति जताई। वहीं सभासद अहसान अंसारी मीटिंग हॉल में ही अपनी समस्या को लेकर धरने पर बैठ गए। वहीं बैठे के दौरान टिप्पणी करने को लेकर सभासद व पार्षद आपस में भिड़ गए। इस दौरान खूब धक्का मुक्की हुई। फिलहाल कार्रवाई रोक दी गई है। इस दौरान जमकर हंगामा हुआ। मौके पर मौजूद पुलिस ने हंगामा कर रहे पार्षदों को समझाने का प्रयास किया तो वे पुलिस से भी भिड़ गए और खूब धक्का मुक्की हुई। वहीं बैठक खत्म होने के बाद सफाई कर्मियों

ने नगरायुक्त पर हमला बोल दिया और उन्हें दौड़ा लिया। नगरायुक्त ने जैसे-तैसे अपनी जान बचाई।

आपस में भिड़े सभासद व पार्षद, खूब चलीं पानी की बोतलें

निगम की बोर्ड बैठक में सभासद आपस में भिड़ गए। यहां तक कि मारपीट की नौबत आ गई। इस दौरान एक-दूसरे पर पानी की बोतलें फेंक कर मारीं। पुलिस ने बीच बचाव कराने का प्रयास किया तो सभासद पुलिस से भी भिड़ गए। इस बीच खूब धक्का मुक्की हुई।

टाउन हॉल में चल रही मेरठ नगर निगम बोर्ड बैठक में धरना देकर बैठे पार्षद अहसान अंसारी ने कहा-मेरा अपमान किया गया, आखिर उसका जिम्मेदार कौन है? पार्षद होने के बावजूद मुझे जनसुनवाई से धक्के देकर क्यों निकाला गया। विभिन्न मांगों को लेकर सभासदों व पार्षदों के बीच खूब कहासुनी, नोकझोंक व धक्का मुक्की हुई। बताया कि मेयर खेमे के पार्षद और बीजेपी पार्षदों में धक्का-मुक्की हुई। पार्षदों में हाथापाई के बाद पुलिस भी बुलाई गई लेकिन भाजपा पार्षद पुलिस से भी उलझ गए। बताया गया कि भाजपा पार्षदों ने मेयर खेमे को विरोधी बता दिया था जिस पर मेयर खेमे के पार्षद भड़क गए।

मेरठ नगर निगम बोर्ड बैठक में पार्षदों ने जमकर हंगामा किया। आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने को लेकर खूब हंगामा हुआ। पार्षदों ने आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों का 16,500 रुपए वेतन करने की मेयर सुनीता वर्मा और नगरायुक्त अमित पाल शर्मा से मांग की।

स्कॉर्पियों और ट्रक की भिड़ंत

बाल-बाल बचे विधायक, मौके से एमएलए का सुरक्षा गार्ड हुआ फरार

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के सदर थाना क्षेत्र के भगवानपुर गोलंबर के पास मंगलवार को ओवरटेक के चक्कर मे स्कॉर्पियो और ट्रक की टक्कर हो गई। स्कॉर्पियों कार में नगर विधायक विजेंद्र चौधरी सवार थे। ये अपने काफिले के साथ चांदनी चौक की तरफ जा रहे थे। हादसे के दौरान वह बाल-बाल बच गए। घटना के बाद विधायक के सुरक्षा गार्ड ने ट्रक के ड्राइवर के साथ मारपीट कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरु कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, विधायक विजेंद्र चौधरी अपने काफिले के साथ चांदनी चौक की तरफ जा रहे थे। उसी दौरान ओवरटेक के चक्कर में स्कॉर्पियो और ट्रक की भिड़ंत हो गई। हादसे के दौरान स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। उधर,

विधायक के सुरक्षा गार्ड ने ट्रक के ड्राइवर को पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट कर दी। मारपीट होता देख मौके पर जमा भीड़ सुरक्षा गार्ड का विरोध में उतर गई। उग्र हुई भीड़ को देखकर सुरक्षा गार्ड मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। बताया गया है कि विधायक के सुरक्षा गार्ड पर ड्राइवर ने मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मामले की तहरीर दी है। सदर थानेदार सत्येंद्र कुमार मिश्र का कहना है की घटना की जांच की जा रही है।

आगरा के धौर्रा गांव में 'बमों' की खेती

यहां बच्चे मिनटों में तैयार करते हैं सुतली बम यहां घर-घर में बारूद का अवैध स्टोरेज

आगरा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा शहर का एक गांव ऐसा भी है, जहां घर-घर में बारुद रहता है। पटाखा बनता है, फिर चाहे घर के छोटे बच्चे ही क्यों न हो। इस अवैध कारोबार में सभी शामिल रहते हैं। ये लोग सुतली बम तैयार करते हैं। ये गांव है धौर्रा। आगरा शहर से सिर्फ 20 किमी. दूर। दिवाली से ठीक पहले दैनिक भास्कर की टीम यहां पहुंची। तो हर घर में पटाखा बनता मिला।

अहम ये भी है कि इस गांव में 4 परिवार ऐसे भी हैं, जिनके पास पटाखा बनाने का लाइसेंस है। यहां से कुछ दूर पर नगला खरगा इलाका है। कामोबेश वहां भी हर घर में पटाखा तैयार होते हैं।

गांव के अंदर थोड़ा आगे बढ़ने पर खेतों में कुछ बाइक जाती हुई दिखाई दीं। वहां पर कई लोग खडे.थे। खेत में बड़ा से तिरपाल बिछा था और उस पर देसी पटाखे धूप में रखे थे। खेत के एक कोने में महिलाएं और बच्चे पटाखों पर कागज चिपकाने में जुटे हुए थे।

ग्राहक के आने पर बच्चे पटाखे गिनकर भी दे रहे थे। बच्चों के हाथ बारुद से सने थे। बच्चों के साथ महिलाएं भी इस काम में लगी थीं।

सुरक्षा मानक पूरे नहीं

जिस जगह पर पटाखे तैयार किए जा रहे थे। वहां पर सुरक्षा के मानक भी पूरे नहीं थे। एक कमरे में पटाखे भरे थे। कमरे के अंदर ही सुतली बम तैयार हो रहे थे। कमरे के बाहर महिलाएं पटाखों पर कागज चिपका रही थीं। दुर्घटना होने की स्थिति में बचाव के लिए तीन-चार बल्टियों में मिट्टी भरी रखी थी। एक आग बुझाने वाला सिलेंडर रखा था। खेत में तिरपाल पर सुतली बम बिखरे पडे.थे। यहां बातचीत में लोगों ने बताया कि प्रशासन से उन्हें आतिशबाजी तैयार करने की ट्रेनिंग भी नहीं दी गई है।

सख्ती के चलते चोरी-छिपे हो रहा काम

गांव वालों का कहना है कि इस बार सख्ती ज्यादा होने के चलते बहुत कम लोग काम कर रहे हैं। जिन लोगों को प्रशासन से लाइसेंस मिला है, उन्होंने तीन दिन पहले से माल बनाना शुरू किया है। हालांकि बहुत से लोग चोरी-छिपे काम करते हैं। मगर, उनकी डीलिंग सीधे दुकानदारों से है। दुकानदारों को चुपके से माल की सप्लाई की जा रही है।

तमिलनाडु विधानसभा में हड़ताल की कोशिश

पुलिस हिरासत में ई पलानीस्वामी सहित कई विधायक

चैन्नई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में पुलिस ने विपक्ष के नेता एडापड्डी के पलानीस्वामी (ईपीएस) और अन्नाद्रमुक के अन्य विधायकों को हिरासत में ले लिया है. यह सभी विधानसभा के बाहर भूख हड़ताल पर बैठने की कोशिश में थे. दरअसल, विधानसभा अध्यक्ष ने विरोधी गुट के नेता और अन्नाद्रमुक उप प्रमुख ओ पनीरसेल्वम (ओपीएस) की विधानसभा में सीट नहीं बदली. इसी को लेकर यह सभी नेता रोष जता रहे थे. दरअसल, ईपीएस गुट ने एक नया उप प्रमुख चुना है और विधानसभा अध्यक्ष को कई पत्र लिखकर ओपीएस को विधानसभा में ईपीएस के बगल वाली सीट से हटाकर कहीं और बैठाने की मांग की है. साथ ही इन नेताओं को इस मुद्दे पर कार्यवाही बाधित करने के लिए कल सदन से बेदखल कर दिया गया था. स्पीकर एम अप्पावु ने कहा है कि वह इसकी जांच कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि कोई उन्हें आदेश नहीं दे सकता है.

ईपीएस और ओपीएस की लड़ाई

ईपीएस और ओपीएस दोनों ही पूर्व मुख्यमंत्री हैं, जिनके बीच की लड़ाई खत्म होने का नाम नहीं ले रही है. जे जयललिता की मौत के बाद दोनों ने संयुक्त रूप से अन्नाद्रमुक का नेतृत्व किया था, लेकिन इस साल की शुरुआत में दोनों ने अपनी अंदरूनी लड़ाई को सार्वजनिक कर दिया है. अब ईपीएस गुट की पकड़ मजबूत हो गई है. ईपीएस ने दावा किया कि अध्यक्ष ने विधानसभा में पार्टी के उपनेता के रूप में ओपीएस की जगह आरबी उदयकुमार को चुनने में अन्नाद्रमुक में बहुमत के फैसले का पालन नहीं किया.

पूरे मामले में शांत है ओपीएस

इस पूरे हंगामे के दौरान प्रतिद्वंद्वी अन्नाद्रमुक धड़े का नेतृत्व करने वाली ओपीएस शांति से ईपीएस के बगल में बैठे रहे. अध्यक्ष ने प्रश्नकाल के दौरान बैठने पर किसी भी चर्चा की अनुमति नहीं दी, जो विशेष रूप से लोगों के मुद्दों के लिए है. उन्होंने ईपीएस से कहा कि उन्हें बाद में इस मुद्दे को उठाने का मौका मिलेगा, लेकिन विपक्ष के नेता ईपीएस नहीं माने.

पंजाब में विपक्षी दलों का आरोप

राज्यपाल को अपमानित कर रही है राज्य सरकार

चंडीगढ़, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब में विपक्षी दलों ने कुलपतियों की नियुक्ति से संबंधित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करने में कथित तौर पर विफल रहने को लेकर आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा. राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) के कुलपति पद पर सतबीर सिंह गोसल की नियुक्ति को 'पूरी तरह अवैध' करार देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान से उन्हें हटाने के लिए कहा है, जिसके बाद विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया आई है.कांग्रेस की पंजाब इकाई के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने एक बयान में कहा, 'अब तक, इस सरकार को यह समझ लेना चाहिए था कि प्रशासनिक नियुक्तियां, राज्यसभा के नामांकन के विपरीत, शाही आदेशों के माध्यम से नहीं, बल्कि नियमों व विनियमों का पालन करने के बाद एक उचित प्रक्रिया के तहत की जाती हैं.' उन्होंने राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच बढ़ते टकराव पर 'गंभीर चिंता' व्यक्त करते हुए कहा कि यह राज्य के लिए अच्छा नहीं है और दोनों को करीबी तालमेल के साथ काम करना चाहिए. वडिंग ने बताया कि यह एक सप्ताह के भीतर इस तरह की दूसरी घटना है. इससे पहले बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जी. एस. वांडर की नियुक्ति को राज्यपाल ने अनुमोदित नहीं किया था।

कर्नाटक सीएम बसवराज बोम्मई को घेरने में लगी कांग्रेस

'पे सीएम' के बाद अब शुरू किया 'पे सीएम' अभियान

बेंगलुरु, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अपने 'पे सीएम' अभियान की सफलता के बाद, कांग्रेस ने 'पे सीएम' अभियान शुरू किया है. कर्नाटक कांग्रेस ने 2018 में किए गए 600 घोषणापत्र वादों में से 90% को पूरा करने में विफलता के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए आज पे सीएम कॉम. वेबसाइट लॉन्च की है. वेबसाइट में वह सब सवाल हैं,

जो कांग्रेस ने बीजेपी से अब तक पूछे हैं. कांग्रेस का कहना है कि बीजेपी, जिसने अब तक 50 सवालों में से किसी का भी जवाब नहीं दिया है, उसने अपनी चुप्पी के माध्यम से अपराध स्वीकार कर लिया है. कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, कर्नाटक कांग्रेस कम्युनिकेशंस डिवीजन के प्रमुख प्रियांक खड़गे ने सत्तारूढ़ बीजेपी को चेतावनी दी थी कि, यदि केवल पे सीएम ही आपको बोलने के लिए प्रेरित करती है, तो हम आपकी विफलताओं का जवाब देने के लिए पे सीएम लॉन्च करेंगे. वहीं आज कांग्रेस ने क्यूआर कोड लॉन्च किया है, जो पे सीएम के समान दिखता है, लेकिन उपयोगकर्ता को पे सीएम कॉम पर ले जाएगा. दरअसल कर्नाटक कांग्रेस ने पहले पे सीएम के साथ बीजेपी पर निशाना साधा था. कांग्रेस ने सार्वजनिक स्थानों पर 'पे-सीएम' के पोस्टर लगाए थे. भुगतान ऐप पेटीएम के विज्ञापन की तर्ज पर बनाए गए इस पोस्टर पर मुख्यमंत्री की तस्वीर प्रकाशित की गई थी और उसके बीच में एक क्यूआर कोड दिया गया था,

जिसे स्कैन करने पर एक पोर्टल का लिंक खुलता है. उक्त पोर्टल पर कांग्रेस ने राज्य सरकार में कई घोटाले होने का दावा करते हुए आरोप लगाया कि सरकारी ठेका प्राप्त करने के लिए ठेकेदार को मुख्यमंत्री को 40 प्रतिशत रिश्वत का भुगतान करना होता है. वहीं कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कांग्रेस पार्टी के 'पे-सीएम' अभियान को 'गंदी राजनीति' करार दिया था.

चमचागिरी करने वालों पर कार्रवाई करें नवनिर्वाचित अध्यक्ष

चापलूसों पर भड़के कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सिंह

भोपाल, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की तैयारी जारी है। लेकिन इस यात्रा से पहले कांग्रेस नेताओं के बयान आए दिन प्रदेश में चर्चा का विषय बन रहे हैं। अपने बयानों से अक्सर सुर्खियों में रहने कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सिंह ने एक बार फिर बयान दिया है। और इस बार उन्होंने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर कार्रवाई करने की बात कह डाली है। दरअसल कांग्रेस नेता और राजस्थान सरकार के मंत्री परसादी लाल मीणा ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की तुलना भगवान श्री राम की यात्रा से की थी। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने राहुल गांधी और भगवान राम के नाम का पहला अक्षर 'रा' होने को एक संयोग बताया है। इससे पहले कांग्रेस विधायक पीसी शर्मा ने भी राहुल गांधी की तुलना भगवान श्रीराम से की थी। इन बयानों के बाद कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सिंह अपनी ही पार्टी के नेताओं के खिलाफ भड़क गए। उन्होंने भगवान श्रीराम से राहुल की तुलना पर नाराजगी जताई है। उन्होंने बताया कि प्रभु श्री राम की तुलना राहुल गांधी से कर चमचागिरी के सारे रिकॉर्ड कुछ पार्टी के नेताओं ने तोड़ दिए हैं। इस तरह के नेताओं से पार्टी उपहास का केंद्र बिंदु बन जाती है। नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष से अपेक्षा है वो ऐसे नेताओं के विरुद्ध कार्यवाही करेंगे।

इस मामले में प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि राम के बारे में लक्ष्मण से ज्यादा अच्छा कौन जानता होगा। कांग्रेस के लोग अपने आप को बदलने को राजी नहीं है। एक देवकांत बरूआ जी कहते थे इंदिरा है तो भारत है। भारत है तो इंदिरा है। अब इंदिरा जी नहीं है, लेकिन भारत तो है। ऐसे ही चापलूसों की फौजे जो लक्ष्मण सिंह ने बताई है। उनको सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि केरल के प्रदेश अध्यक्ष ने भी भगवान के ऊपर इसी तरह के सवाल उठाए है। राहुल गांधी ने एक शब्द नहीं बोला है।

जापान की मदद से अच्छी आदतें सीखेंगे सरकारी स्कूल के बच्चे

दिल्ली सरकार का बड़ा प्लान

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के सरकारी स्कूलों के बच्चे अच्छी आदतों के गुर सीखेंगे। इसके लिए दिल्ली के दक्षिण और दक्षिण पूर्वी जिला के स्कूलों को नामित किया गया है। शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों में अच्छी आदत अभियान चलाने को लेकर जापान सरकार की जापान इंटरनेशनल कॉरपोरेशन एजेंसी (जेआईसीए) को मंजूरी दी है। निदेशालय के मुताबिक, अभियान का मकसद बच्चों को साफ-सफाई की महत्व के बारे में बताना है, जिसमें साबुन से हाथ धोना, नाखूनों को साफ रखना और दूसरे स्वच्छता अभ्यास शामिल है। स्कूली बच्चों को कुछ सामग्री भी वितरित की जाएगी। इसमें नेल क्लिपर से लेकर हाथ धोने से जुड़ी सामग्री, हैलो किट्टी और पोस्टर भी है। इसकी लागत जापानी एजेंसी वहन करेगी। स्कूल प्रमुख शिक्षक नामित करेंगे इसे लेकर स्कूल प्रमुखों को इस संबंध में शिक्षक नामित करने के निर्देश दिए गए है। इसके अलावा जिला स्तर पर भी समन्वयक नियुक्त किया जाएगा। अभियान के क्रियान्वयन को लेकर स्कूलों को दिशा-निर्देश भी जारी किए है। निदेशालय किसी संगठन और व्यक्ति को कोई वित्तीय सहायता नहीं देगा। साथ ही सोशल मीडिया पर बच्चों की तस्वीरे, वीडियो का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। बतादें कि कोरोना महामारी के बाद से ही साफ सफाई का महत्व पर सभी विशेष ध्यान दे रहे हैं। थोड़ी सी सावधानी बरतकर बीमारियों को दूर रखा जा सकता है। निदेशालय की शारीरिक शिक्षा शाखा ने दिल्ली के सभी सरकारी से लेकर निजी स्कूलों में क्लीन इंडिया 2.0 अभियान चलाने को लेकर निर्देश दिए हैं। 31 अक्तूबर तक स्कूलों में यह अभियान चलेगा। जिसको लेकर स्कूलों को एटीआर देनी होगी। इस अभियान के तहत एकल उपयोग प्लास्टिक, ई-कचरा और दूसरे प्रकार के कचरे का एकत्रित और निस्तारण किया जाना है। सभी स्कूल प्रमुखों से अनुरोध किया गया है वह गतिविधियों का आयोजन सफलतापूर्वक करें।

डॉक्टर ने शादी का वादा करके मरीज की बेटी के साथ बनाए शारीरिक संबंध

पिता की शिकायत के बाद हुई गिरफ्तारी

भुवनेश्वर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओडिशा के भुवनेश्वर में एक सरकारी अस्पताल में इलाज करवा रहे मरीज की बेटी को शादी का झांसा देकर कथित तौर पर ठगने के आरोप में एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि आरोपी डॉक्टर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का छात्र है, उसे मंगलवार को भुवनेश्वर-कटक आयुक्तालय महिला पुलिस ने गिरफ्तार किया था। डॉक्टर की गिरफ्तारी 26 साल की युवती के पिता द्वारा शिकायत दर्ज करवाने के बाद की गई थी। पिता ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया गया था कि डॉक्टर ने शादी का वादा करके उसकी बेटी के साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में पश्चिम बंगाल की एक अन्य महिला से सगाई कर ली। पुलिस अधिकारी ने शिकायत का हवाला देते हुए कहा कि कथित पीड़िता दो साल पहले डॉक्टर से मिली थी, जब उसके पिता का अस्पताल में इलाज चल रहा था। उन्होंने बताया, 'आरोपी ने एम्स, भुवनेश्वर से पिता को इलाज के बाद छुट्टी देते समय युवती का फोन नंबर ले लिया था और बाद में कई बार उसे छात्रावास पर बुलाया करता था।' अधिकारी ने बताया कि डॉक्टर पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला	में	तुला -	06-04 बजे
चंद्र-	कर्क	में	वृश्चिक	08-14 बजे
मंगल	मिथुन	में	धनु---	10-27 बजे
बुध-	कन्या	में	मकर-	12-33 बजे
गुरु-	मीन	में	कुंभ -	14-24 बजे
शुक्र-	कन्या	में	मीन...	16-02 बजे
शनि-	मकर	में	मेष--	17-38 बजे
राहु-	मेष	में	वृष--	19-22 बजे
केतु-	तुला	में	मिथुन..	21-23 बजे
			कर्क...	23-35 बजे
			सिंह...	01-48 बजे
			कन्या...	03-58 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् -**1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् -**5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् -**1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् -**2548,**हिजरी सन् -**1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल- उत्तर • दक्षिण •जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी • **16-04** तक उपरान्त,एकादशी
मास -कार्तिक कृष्ण पक्ष ,गुरुवार, **20 Oct**
नक्षत्र -आश्लेषा • **10 -29** • तक उपरान्त मघा
योग • शुभ • **17 • 51** • तक उप- शुक्ल
करण-विष्टी -**16 • 04** • तक,उप- बव
विशेष:- भद्रा-**16-04** तक
व्रत -त्योहार • गण्ड मूल नक्षत्र

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:28 से 14:55 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:14 - 07:39	शुभ	अमृत	17:50 - 19:23	शुभ
रोग.	07:39 - 09:06	अशुभ	चंचल.	19:23 - 20:55	शुभ
उत्पात	09:06 - 10:33	अशुभ	रोग	20:55 - 22:28	अशुभ
चंचल	10:33 - 12:01	शुभ	काल.	22:28 - 00:01	अशुभ
लाभ	12:01 - 13:28	शुभ	लाभ.	00:01 - 01:34	शुभ
अमृत	13:28 - 14:55	शुभ	उत्पात	01:34 - 03:06	अशुभ
काल	14:55 - 16:23	अशुभ	शुभ	03:06 - 04:39	शुभ
शुभ	16:23 - 17:47	शुभ	अमृत	04:39 - 06:14	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — दिन कुछ अजीब सा रहेगा।कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी।आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं।जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा।इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा।योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं।फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी।आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी। समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं।लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे। रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों।आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है।अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें।आपके परिजनों दोस्तों और सहकर्मियों सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें।आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा।घर में कुछ बदलाव होने ही हैं शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेह्तर अवसरों के लिए किसी नई जगह जाना चाहते हैं।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें।इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे।दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें।तर्कशक्ति से काम लें।अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें।निवेश के लिए अच्छा दिन है।अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) — आज आपके मुख्य शब्द आराम और राहत रहेंगे।आप पिछले कुछ दिनों से बहुत मेहनत कर रहे हैं और अब इस मेहनत का आनंद लेने की बारी है ,बहुत बड़ी पार्टी ना रखें।आज छुट्टी ले कर दिन शांति से बिताएं। अपने किसी विशेष प्रियजन से बात कर लेने से आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — आज का दिन सृजनात्मक प्रवृति के लोगों के लिए बहुत अच्छा साबित होगा।आपके हुनर और कार्यों दोनों की ही प्रशंसा होगी।अपने कार्य के लिए धन प्राप्ति भी संभव है। अगर आप विद्यार्थी हैं तो आपके लिए समय अच्छा है और परीक्षा से डरने के स्थान पर उसका सामना करना बेहतर होगा।

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है।अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी।हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी।अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें।आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं।आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — आज आपके लिए बहुत सारा काम है व्यस्त रहेंगे।जल्दी के चक्कर में अपने किसी शुभचिन्तक को नाराज ना करें। नम्र बने रहें।आपकी सकारात्मकता के कारण नए अवसर मिलेंगे।धीरज रखें परिवर्तन ही शाश्वत नियम है व इसलिये बदलाव तो आपके जीवन में भी होना ही है।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

75वें वार्षिक निरंकारी संत समागम का भव्य आयोजन 16 से 20 नवंबर तक

समागम की तैयारियां जोरों पर

पानीपत 19 अक्टूबर(स्वतंत्र वार्ता)। अध्यात्म और मानवता का दिव्य संगम से जुडे 75वें वार्षिक निरंकारी संत समागम का भव्य आयोजन 16 से 20 नवंबर तक किया जा रहा है। इस समागम के लिए तैयारियां जोरों पर जारी है। इस संदर्भ में, निरंकारी संत समागम के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, इस विशाल 75वें वार्षिक निरंकारी संत समागम का आयोजन अगले माह नवंबर 16 से 20 तक पवित्र स्थल संत निरंकारी स्पिरिच्युएल काम्प्लेक्स, समलखा, हरियाणा राज्य में किया जा रहा है। इस विशाल समागम का आयोजन सतगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज की पवित्र उपस्थिति में हो रहा है तथा इस समागम में असंख्य भक्तों व गणमान्य व्यक्तिगण भाग ले रहे हैं।

यह वार्षिक निरंकारी संत समागम भक्ति का एक अनूठा रूप है । यह 75वां वार्षिक निरंकारी संत समागम जो दया एवं मानवता ; विषय पर आधारित है। इस विशाल समागम में जीवन में आध्यात्मिकता और मानवता एकत्रित संगम से सभी अवगत होंगे। ।इस विशाल समागम में सभी भक्तगण और भगवान से स्नेह रखनेवाले आम जन तत्संबंधित तैयारी प्रक्रिया में शामिल होते हैं। इस सतगुरु माता जी का हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 75वां वार्षिक निरंकारी संत समागम का आयोजन हो रहा है। जिसमें सभी को विभिन्न राज्यों और संस्कृतियों का एक अनूठा संगम देखने का सौभाग्य प्राप्त होगा। इस वार्षिक निरंकारी संत समागम के लिए हर निरंकारी भक्तगण एक वर्ष से प्रतीक्षा कर रहे है। यही नहीं हर वर्ष भक्तगण इन दिव्य आध्यात्मिक सभाओं में भाग लेने के लिए उत्सुक रहते हैं, ताकि वे आध्यात्मिक शक्ति को प्राप्त कर सकें। इन सेवाओं में अपना नगण्य योगदान देकर सच्चा आनंद मिलता है।

इस वर्ष का संत समागम जो अपने आप में एक विशेष आयोजन है क्योंकि पिछले दो वर्षों के दौरान कोविड महामारी काल चलते असंख्य भक्तों ने तत्संबंधित दिव्य संत समागमों में ऑनलाइन माध्यम से ही भाग लिया गया ।पर कोविड महामारी के खत्म होने के चलते इस वर्ष, भक्तों को इस दिव्य संत समागम में व्यक्तिगत रूप से भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। जोकि सचमुच में ही हर्ष का विषय है। इस नेक समागम कार्य के आयोजन में निश्चित ही सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की कृपा है। निःसंदेह माताजी की पवित्र वाणी व वचनों से जुडा यह समागम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा गौरतलब है कि इस विशाल समागम परिसर में सेवाएं (समागम सेवा) शुरू हो गई हैं और इसके आसपास के क्षेत्र; दिल्ली एनसीआर के भक्तों के अलावा और भक्तों की भी सहभागिता होगी। कई राज्य भी इन सेवाओं में अपना योगदान दे रहे हैं। चाहे वह जमीन की सफाई हो या कोई और। इस शुभावसर पर सभी भक्तों में एक नया जोश और उत्साह देखा जा रहा है। वर्तमान में युवा जीवन इसी दौड़ में व्यस्त है और ऐसे समय में निरंकारी मिशन द्वारा सभी को भक्ति धारा का रसास्वादन करवाने हेतु सतत प्रयासरत है। जिसमें ब्रह्मज्ञान के दिव्य ज्ञान द्वारा अपनी ऊर्जा को आध्यात्मिकता के साथ प्रसारित करना। सभी भक्तों को वैश्विक भाईचारा या यूनिवर्सल ब्रदरहुड के बैनर के तले समाज, जाति और धर्म के वर्गों को एक साथ देखा जाता है। इस विशाल समागम में समस्त विश्व के कई प्रमुख वक्ता, गीतकार और कवि अपनी प्रेरणा व्यक्त करेंगे।

जिसमें भक्ति भाव व मानवता की भावना व आध्यात्मिकता की भावना निहित है।इस समागम में जब हम वास्तविक रूप, निराकार ईश्वर से समर्पित रूप में जुड़ते हैं, तो स्वयं ही परमात्मा व मानवता के गुण हमारे हृदय के भीतर प्रकट होने लगते हैं। परिणामस्वरूप केवल परोपकार और प्रेम की अनुभूति होती है। सभी के लिए आध्यात्मिक प्रेम भावना उत्पन्न होती है। सतगुरु माता जी का भी यही दिव्य सन्देश है कि जिसका होना अत्यावश्यक है। इसके चलते सभी ईश्वरप्रेमी को इस विशाल समागम से जुडकर माता सुदीक्षा महाराज के पवित्र वचनों को सुनकर अपने जीवन धन्य बनाने की प्रेरणा दी जाती है।

पत्नी को तीन तलाक देने वाले पति पर केस

परिवार के लोगों को भी बनाया आरोपी

खरगोन, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में तीन तलाक का मामला सामने आया है। पति और उसके परिवार के पांच सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दहेज के लिए आरोपियों ने महिला का घर से निकाल दिया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुतबिक खरगोन की रहने वाली 23 वर्षीय महिला ने मंगलवार को कोतवाली पुलिस से शिकायत की है। उसने बताया कि पति ने तीन तलाक और दहेज प्रताड़ना के नाम पर घर से निकाल दिया है। कोतवाली थाना प्रभारी बीएल मंडलोई ने कहा कि महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि उसकी शादी करीब 10 महीने पहले दूध बेचने वाले 26 वर्षीय व्यक्ति से हुई थी। दहेज की मांग करने पर उसे मई में उसके ससुराल से निकाल दिया गया था। जब वह अगस्त में अपने ससुराल लौटी, तो उसके पति ने कथित तौर पर उसे तुरंत तीन तलाक दे दिया।

मंडलोई ने कहा कि उसकी शिकायत के आधार पर महिला के पति, उसके सास-ससुर और तीन अन्य रिश्तेदारों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम तत्काल तीन तलाक की प्रथा पर प्रतिबंध लगाता है। अधिनियम के तहत अपराध करने पर तीन साल की कैद हो सकती है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 20 अक्टूबर, 2022

जानलेवा हेलीकाप्टर सेवा

मंगलवार दोपहर मनहूस खबर आई कि उत्तराखंड के केदारनाथ धाम से श्रद्धालुओं को ले कर उडा हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें पायलट सहित सात लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पडा। दुर्घटना की वजह खराब मौसम और घना कोहरा बताया जा रहा है। इस दुर्घटना ने साबित कर दिया है कि पहाड़ी इलाकों में चलाई जा रही हेलिकाप्टर सेवाओं की सुरक्षा व्यवस्था में कहीं न कहीं कोई चूक जरूर हो रही है। बता दें कि पूर्वोत्तर के कई राज्यों सहित देश के अनेक धार्मिक स्थलों पर हेलिकाप्टर सेवाएं चलाई जाती हैं, ताकि दुर्गम रास्तों और ऊंची चढ़ाई की वजह से बुजुर्ग और शारीरिक रूप से अक्षम लोग सुगमता से यात्रा कर सकें। अधिक मुनाफे की ये सेवाएं ज्यादातर निजी कंपनियां ही चलाती हैं। फिर भी यह कहने में कोई गुरेज नहीं कि कोई भी कंपनी अपनी संपत्ति, साख और अपने यात्रियों की सुरक्षा की कीमत पर कमाई करने का दुस्साहस करेंगी। लेकिन ऐसे मामलों में उनकी बुनियादी तकनीकी पहलुओं की अनदेखी जरूर की जाती है। जाहिर है पहाड़ी इलाकों में कई बार मौसम अचानक खराब हो जाता है, जो हवाई उड़ानों के लिए मुश्किलें खडी कर देती है। इसके बावजूद हवाई सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों के पास मौसम के पूर्वानुमान का तंत्र भी होता है। जब मौसम के पूर्वानुमानों के आकलन में लापरवाही या गड़बड़ी होती है, तभी इस तरह के हादसे में लोगों को बहुमूल्य जान की कीमत चुकानी पडती है। केदारनाथ में जिस जगह ताजा हादसा हुआ, वहां पहले भी हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। पिछले नौ सालों में उसी इलाके में पांच हेलिकाप्टर अपनी सेवाएं देते हुए दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। उनमें से चार तो सिर्फ मौसम की खराबी की वजह से हुर्ड़ं हैं। सवाल है कि जिस हेलिकाप्टर ने यात्रियों को लेकर उड़ान भरी, उसने इस जोखिम को गंभीरता से क्यों नहीं लिया? बताया जा रहा है कि घने कोहरे की वजह से रास्ता साफ नहीं दिखा और उड़ान भरने के पंद्रह मिनट बाद हेलिकाप्टर जमीन से टकरा कर ध्वस्त हो गया। ऐसा नहीं माना जा सकता कि घने कोहरे का अनुमान उस पायलट को नहीं रहा होगा या उसे मौसम संबंधी जानकारियां उपलब्ध नहीं कराई गई होंगी। उड़ान भरने से पहले हर पायलट को सबसे पहले मौसम संबंधी सूचनाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, ताकि वह उड़ान भरने से पहले और बाद में अपनी रणनीति तैयार कर सके। अगर वातावरण में दृश्यता कम है, तो आमतौर पर चालक उड़ान नहीं भरते। पहाड़ी इलाकों में वैसे भी दृश्यता कम होना जोखिम भरा होता है, क्योंकि वहां पहाड़ों की ऊंचे-नीचे होने का अंदाजा न होने से दुर्घटना की संभावना हमेशा बनी रहती है। हेलिकाप्टर और विमानों में कंप्यूटरीकृत प्रणाली से पता चलता रहता है कि वह कितनी ऊंचाई पर उड़ रहा है, मगर पहाड़ों पर वह प्रणाली आगे के रास्ते का सटीक अनुमान नहीं दे सकती। इसलिए पहाड़ी स्थानों पर चलाई जा रही ऐसी निजी हेलिकाप्टर सेवाओं को और अधिक भरोसेमंद बनाने की जरूरत है। ऐसी जगहों पर अधिक दक्ष चालकों की जरूरत होती है। कई बार कुछ चालक अधिक आत्मविश्वास की वजह से भी मौसम की परवाह नहीं करते और उड़ान भर लेते हैं। कई बार कंपनियां लगातार सेवाएं देने और अधिक कमाई करने के दबाव में हेलीकाप्टरों के रखरखाव पर उचित ध्यान भी नहीं दे पातीं। इससे पायलट पर भी अतिरिक्त दबाव पडता है। ऐसी प्रवृत्तियां ही अंततः जानलेवा साबित होती हैं। अब घटना की असली वजहों की जांच की औपचारिकता निभाई जा रही है, लेकिन जांच में अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि हेलिकाप्टर सेवाओं के संचालन संबंधी नियमों में सुरक्षा मानकों पर नए सिरे से विचार की जरूरत है। अगर इस तरह के हादसे बार-बार होते रहे तो उनकी खामियों की पहचान कर उनका समाधान जरूरी हो गया है। अन्यथा इस तरह की अनहोनी रोक पाना असंभव हो जाएगा।

अपने ही जाल में फंस गईं ब्रिटेन की पीएम

ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में लिज ट्रस की पारी की खराब शुरुआत हुई है। इसे ब्रिटेन के लोग भी मानेंगे। यह शुरुआत आर्थिक और राजनीतिक ही नहीं, कूटनीतिक स्तर पर भी खराब रही है। लिज ट्रस के प्रधानमंत्री पद संभालने के दो महीने के अंदर उनके वित्त मंत्री को कुर्सी खाली करनी पड़ी। यह कुर्सी फिर उस शख्स को मिली, जिनका आर्थिक दर्शन एकदम अलग माना जाता रहा है। पिछले हफ्ते क्वासी क्वार्टेंग की जगह लेने वाले जेरेमी हंट हालांकि यह बात दोहराते रहे हैं कि लिज ट्रस के नेतृत्व में ही सारे फैसले लिए जा रहे हैं, फिर भी उन्होंने टैक्स को लेकर प्रधानमंत्री के वादे को पलट दिया है।

नई पीएम की मुसीबतें

इसके बाद सत्ता के गलियारों में पूछा जा रहा है कि लिज ट्रस और कितने दिन अपने पद पर रहने वाली हैं। उनके सामने मुसीबतें भी कम नहीं हैं:

बैंक ऑफ इंग्लैंड ने आगाह किया है कि ब्याज दरों में अपेक्षा से अधिक बढ़ोतरी करने की जरूरत पड़ सकती है क्योंकि महंगाई पिछले 40 वर्षों में सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी लिज ट्रस की मूल आर्थिक नीतियों को गलती करार देते हुए कहा कि सरकार के मिनी बजट के बाद जो खलबली मची, वह मचनी ही थी। यहां तक कि ब्रिटिश सुपर मार्केट चेन टेस्को के प्रमुख ने भी कहा कि कंजर्वेटिव्स के पास विकास की कोई योजना ही नहीं है। प्रधानमंत्री बनने की रेस में ऋषि सुनक को हराकर ट्रस ने जो रुतबा हासिल किया था, वह इन वजहों से देखते-देखते गायब हो गया। सुनक ने तब आर्थिक मामलों में ट्रस के उतावलेपन को लेकर आगाह किया था, लेकिन टैक्स कटौती पर उनकी वैचारिक प्रतिबद्धता से प्रभावित कंजर्वेटिव पार्टी के आम कार्यकर्ता उनके समर्थन में आ गए:

सत्तासीन होने के बाद ट्रस ने इन विचारों को अमल में लाने की कोशिश शुरू की और नतीजा सबके सामने है। नए वित्त मंत्री जेरेमी हंट ने माना कि पिछले फाइनैंस मिनिस्टर का 'मिनी बजट' 'बहुत तेजी से, बहुत आगे तक' चला गया।

ट्रस को बचाने के लिए क्वार्टेंग को बलि का बकरा बनना ही था, लेकिन उनके जाने के बाद भी कंजर्वेटिव पार्टी में जिस तरह की निराशा दिख रही है, उससे साफ है कि ब्रिटेन इस वक्त शासन के मोर्चे पर किस तरह की गंभीर मुश्किलों का सामना कर रहा है।

साख पर सवाल

ब्रिटेन हमेशा से गंभीर नीतियों वाला देश रहा है। सबसे बुरे दौर में भी ब्रिटिश नीति-निर्माताओं ने धैर्य और दृढ़ता के साथ संकट का सामना किया और नतीजे हासिल किए। इसी की बदौलत यह वैश्विक राजनीतिक में अपने कद से ज्यादा हैसियत हासिल कर पाया। लेकिन आज यह सवाल पूछा जा रहा है कि नीतियां सावधानी से हर पहलू पर सोच-विचार कर बनाने के बजाय पूरी तरह से विचारधारा के आधार पर बनाई जा रही हैं:

पिछले कुछ वर्षों से ब्रिटेन एक के बाद मुसीबत में फंसता गया। ब्रेग्जिट उसके लिए जबर्दस्त झटका था और यूरोपियन यूनियन से बाहर आने की वजह से हुए नुकसान से ब्रिटेन अभी तक उबर नहीं पाया है। इसे लेकर राजनीतिक दलीलें जो भी हों, आर्थिक तर्क बेहद कमजोर दिखते हैं। लगता यही है कि ब्रिटिश नीति-निर्माता अभी तक इस बड़े बदलाव को पचा नहीं पाए हैं।

जनसंख्या में संतुलन अपरिहार्य

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

जनसँख्या की द्रष्टि से भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है. अनुमान है कि अगले कुछ दशक में भारत की जनसंख्या चीन से भी अधिक हो जाएगी जबकि क्षेत्रफ़ल के हिसाब से भारत बहुत पीछे रहेगा.प्राकृतिक संसाधनों की भी एक सीमा होती है.ऐसे में भारत को जनसँख्या नियन्त्रण और संतुलन की नीति बनानी होगी.देश और भावी पीढ़ी का भविष्य इससे जुड़ा हुआ है. जनसंख्या नियंत्रण का संबन्ध विकास व संसाधनों से जुड़ा है। जनसंख्या व संसाधनों के बीच एक संतुलन होना चाहिए। अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि से संसाधनों का अभाव होने लगता है। सबसे पहले इसका प्रतिकूल प्रभाव गरीबों पर पड़ता है। जिस वस्तु का अभाव होता है, उसकी कीमत बढ़ जाती है। धनी वर्ग उनको खरीद सकता है। जबकि गरीबों को मुसीबत का सामना करना पड़ता है।

राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने विजय दशमी संबोधन में यह विषय उठाया था

उनका कहना था कि जनसँख्या में संतुलन की जरूरत होती है। हमने जनसंख्या असंतुलन के दुष्प्रभाव पहले भुगते हैं। जनसंख्या में पंथ और संप्रदायों के असंतुलन के कारण देश टूट गया। घुसपैठ के जरिए भी असंतुलन जैसी चीजें होती हैं। इस संतुलन पर ध्यान देना होगा.इसलिए जनसंख्या नियंत्रण पर एक व्यापक नीति तैयार की जानी चाहिए और उसे सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। इससे किसी को भी छूट नहीं मिलनी चाहिए। जब जनसंख्या बढ़ती है तो बोझ बढ़ता है, लेकिन अगर जनसंख्या को सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो वही जनसंख्या ताकत बन जाती है। दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाले देश चीन की सरकार ने अपने देश में परिवार नियोजन को कड़ाई से लागू किया था। आजकल चीन में बूढ़े लोग ज्यादा और युवा कम हैं। अब उसी चीनी सरकार को दो बच्चों के लिए आह्वान करना पड़ रहा है। यदि जनसंख्या घटती है तो समाज और कई भाषाओं के विलुप्त होने का डर भी रहता है। किसी भी आबादी में जाति, धर्म और पंथ के संतुलन की जरूरत होती है। भारत में जनसंख्या नियंत्रण का विषय दशकों पुराना है। पहले भी ये विषय उठता रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस विषय को उठाया था। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार इस संबन्ध में एक मसौदा लेकर आई थी। संविधान की समवर्ती सूची में जनसंख्या नियंत्रण एवं परिवार नियोजन का विषय शामिल है। ऐसे में केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा इससे संबंधित अधिनियम बनाने में कुछ भी अनुचित नहीं है। करीब दो दशक पहले भी सविधान समीक्षा आयोग ने केंद्र सरकार को इससे संबंधित निर्देश देते हुए कहा था कि वह जनसंख्या नियंत्रण संबंधी कानून बनाए।जनसंख्या की अनियंत्रित वृद्धि विकास में बाधक भी साबित हो सकती है। इससे संसाधनों पर दबाव बढ़ता है। लोगों के जीवन स्तर में खराबी आती है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। भारत के पास विश्व का मात्र दो प्रतिशत भूभाग है जबकि यहां पर विश्व की बीस प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। भारत की जनसंख्या वर्तमान में एक सौ पैंतीस करोड़ से अधिक है। संयुक्त राष्ट्र संघ की एक रिपोर्ट के अनुसार अगले कुछ वर्षों में जनसंख्या के मामले चीन भी भारत से पीछे हो जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण के लिए विधि आयोग के परामर्श से जो कदम उठाए,वह सर्वथा उचित हैं। जिस गति से जनसंख्या बढ़ रही है, उसके अनुरूप संसाधनों की व्यवस्था संभव ही नहीं है। विपक्ष के राजनीतिक दल चाहे जो दावा करें, वह संसाधनों का सृजन नहीं कर सकते। जो लोग जनसंख्या नियंत्रण का विरोध करते है, उन्हें संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता के संबन्ध में भी विचार व्यक्त करना चाहिए। जनसंख्या का स्थिरीकरण होना अपरिहार्य है। 1951 से 1991 के बीच उत्तर प्रदेश की आबादी 120 प्रतिशत बढ़ी थी। आगे भी उत्तर प्रदेश की जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। तब प्रदेश की आबादी तेरह करोड़ थी। अब यह बढ़कर पच्चीस करोड़ से अधिक हो गई है। यह स्पष्ट है कि बढ़ती जनसंख्या से विकास व संसाधनों से संबंधित अनेक प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। हालांकि अभी समाज में दो वर्ग हैं। एक वर्ग ने स्वेच्छा से जनसंख्या नियंत्रण को स्वीकार किया है। यह उनका समाज व देश के प्रति सहयोग भी है। दूसरे वर्ग ने जनसंख्या नियंत्रण को स्वीकार नहीं किया है। इस कारण संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है। सहयोग करने वालों को प्रोत्साहन देना चाहिए जबकि ऐसा ना करने वालों को उन्हीं सीमित संसाधनों से सुविधा प्रदान करते रहने का औचित्य नहीं है। जनसंख्या नियंत्रण परिवार नियोजन से अलग है। सरकारी संसाधन और सुविधाएं उन लोगों को उपलब्ध हों, जो जनसंख्या नियंत्रण में सहयोग कर रहे हैं। योगी सरकार की नई नीति में जनसंख्या नियंत्रण में सहयोग करने वालों को प्रोत्साहन देने का प्रावधान है। योगी आदित्यनाथ ने इसका मसौदा जारी करते हुए कहा कि बढ़ती जनसंख्या समाज में व्याप्त असमानता समेत प्रमुख समस्याओं का मूल है। समुन्नत समाज की स्थापना के लिए जनसंख्या नियंत्रण प्राथमिक शर्त है। नई नीति में जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए जागरूकता प्रयासों के क्रम में स्कूलों में हेल्थ क्लब बनाये जाने का अभिनव प्रस्ताव है। डिजिटल हेल्थ मिशन की भावनाओं के अनुरूप नवजातों, किशोरों और वृद्धजनों की डिजिटल ट्रैकिंग की व्यवस्था की भी बात है। सभी समुदायों में जन सांख्यकीय संतुलन बनाये रखने, उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं की सहज उपलब्धता, समुचित पोषण पर भी जोर दिया गया है। इसे राज्य विधि आयोग ने तैयार किया है। इसमें जिनके दो ही बच्चे हैं, उन्हें प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव है। यह नीति कानून बनकर लागू हुई तो एक साल के भीतर सभी सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय निकायों में चयनित जनप्रतिनिधियों को शपथपत्र देना होगा कि वह इस नीति का उल्लंघन नहीं करेंगे। उल्लंघन पर निर्वाचन रद्द होगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि समाज के विभिन्न वर्गों को ध्यान में रखकर प्रदेश सरकार इस जनसंख्या नीति को लागू करने का काम कर रही है। जनसंख्या नीति का संबंध केवल जनसंख्या स्थिरीकरण के साथ ही नहीं है बल्कि हर एक नागरिक के जीवन में खुशहाली और समृद्धि का रास्ता उसके द्वार तक पहुंचाना भी है। जनसंख्या असंतुलन के खतरे से सरकार के साथ-साथ जन सामान्य को आगाह करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रयागराज में चल रही अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में प्रस्ताव पास कर सकता है। सरसंघचालक डॉ मोहन राव भागवत ने जनसंख्या असंतुलन पर चिंता जाहिर की थी। सरसंघचालक ने कहा था देश में उपलब्ध संसाधनों तथा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए देश की जनसंख्या नीति का निर्धारण करना होगा। उन्होंने यह भी कहा था की जनसंख्या का असंतुलन पर्यावरण को भी प्रभावित करता है। इसलिए जनसंख्या नीति समग्र रूप से संपूर्णता से विचार करते हुए बननी चाहिए और यानी सभी पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वर्ष 2015 में रांची में संपन्न अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में जनसंख्या असंतुलन पर प्रस्ताव पास कर चुका है। प्रस्ताव के माध्यम से समाज को जनसंख्या असंतुलन के नुकसान से अवगत कराया था। डॉ मोहन भागवत लगातार दो वर्षों से जनसंख्या असंतुलन का विषय उठा रहे हैं। सरसंघचालक ने गत वर्ष और वर्ष इस वर्ष के विजयदशमी कार्यक्रम में जनसंख्या असंतुलन पर चिंता जाहिर कर चुके हैं।

सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसंख्या के अनुपात में असंतुलन पैदा हो गया है। विशेषकर असम पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों में मुस्लिम जनसंख्या की वृद्धि दर औसत से कहीं अधिक है।

चुनावी मौसम में नफरती भाषण

चुनावी मौसम के नजदीक आते ही देश में नफरती भाषणों, यानी हेट स्पीच का सिलसिला फिर शुरू हो गया है। पिछले दिनों राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मनीष नामक युवक की हत्या के विरोध में पिछले दिनों आयोजित कार्यक्रम के कथित वीडियो में पश्चिमी दिल्ली से भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा को यह कहते सुना और देखा जा सकता है कि 'जहां कहीं भी ये लोग दिखें, तो उनका दिमाग और तबीयत ठीक करने का एक ही तरीका है, और वह है उनका संपूर्ण बहिष्कार।' वहीं, दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के लोनी से भाजपा के ही विधायक नंद किशोर गुर्जर ने एक सार्वजनिक मंच से कहा कि 'हम लोग किसी को छेड़ते नहीं, लेकिन हमारी बहन-बेटी को कोई छेड़े तो उसे छोड़ते भी नहीं। दिल्ली के अंदर सीएए पर दंगा हुआ, तब ये जिहादी हिंदुओं को मारना शुरू किया, तो आप लोग थे? आपने घर में घुसा दिया? हमारे ऊपर आरोप लगे कि हम ढाई लाख लोग लेकर दिल्ली में घुस गए। हम तो समझाने के लिए गए थे, लेकिन हम पर पुलिस ने मुकदमा कर दिया कि हमने जिहादियों को मारने का काम किया, हम जिहादियों को मारेंगे, हमेशा मारेंगे, सहमत हैं?'

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बावजूद नफरती भाषण देने वाले यति नरसिंहानंद ने हिमाचल प्रदेश के ऊना में धर्म संसद का आयोजन किया, जहां से एक समुदाय के खिलाफ जमकर नफरत भरे भाषण दिए गए। इस दौरान प्रशासन नदारद रहा। यही नहीं, जमानत पर बाहर चल रहे नरसिंहानंद ने खुलेआम जमानत की शर्तों को तोड़ा। वहीं, सीतापुर में भगवा वस्त्र पहने बजरंग मुनी का एक वीडियो 7 अप्रैल को सामने आया था, जिसमें उन्हें यह कहते सुना गया कि 'मैं आपको प्यार से कह रहा हूं कि अगर खैराबाद में एक भी हिंदू लड़की को आपके द्वारा छेड़ा गया तो मैं आपकी बेटी-बहू को बाहर लाऊंगा और उसके साथ बलात्कार करूंगा।'

ये तो चंद उदाहरण हैं, यदि इस प्रकार के नफरती लोगों की और नफरती भाषण देने वालों की सूची देखेंगे तो वह काफी लंबी है, जो केवल राजनीति चमकाने और मीडिया की सुर्खियां पाने के लिए इस प्रकार की बातें करते हैं और समाज में विष वमन करके अशांति फैलाना चाहते हैं। भारत पर मुगलों का पहला सफल आक्रमण 20 जून, 712 ई. में मोहम्मद बिन कासिम ने सिंध प्रांत पर किया था। इससे पहले 711 ई. में उसने पश्चिमोत्तर भारत पर आक्रमण किया था। उसने बलूचिस्तान और मुल्तान में भी सफल अभियान चलाए।

बगदाद के गवर्नर हुज्जाज बिन यूसुफ के आदेश पर उसके भतीजे और 17 वर्षीय जवान सिपहसालार मोहम्मद बिन कासिम ने सिंध पर हमला करके राजा दाहिर को शिकस्त दी और यहां हुकूमत कायम की थी। उस काल में आज की तरह का लोकतंत्र और अस्त्र-शस्त्र विश्व में किसी के पास नहीं थे। हम जातियों में बटे हुए थे, कस्बाई हुआ करते थे। इसलिए जब जिसने चाहा, हम पर आक्रमण किया, हमें लुटा और हम उसके गुलाम हो गए। हम तब से अब तक एक-दूसरे नीचा दिखाने में लगे हैं और हर वर्ष इस कुंठा को शांत करने के लिए हजारों की संख्या में दोनों (हिंदू-मुसलमान) जातीय हिंसा में अपनी आहुति देते रहते हैं।

आज तक कभी दिल से हम दोनों ने इस बात को हृदय से स्वीकार ही नहीं किया कि अब तक वे हमारे हो चुके हैं और वह भी भारतीय हैं। उसमें भी कोढ़ में खाज करे मुहावरा चरितार्थ हुआ जब अंग्रजों ने अपना कब्जा भारत पर किया। उसने हमारे बीच की दूरी का भरपूर लाभ उठाया और मैकाले नामक अपने विश्वस्त को यह हिदायत दी कि हिंदू और मुसलमानों का यह आपसी बैर कभी खत्म न हो, उनके बीच की दूरी पटने न पाए, इसके लिए वह ऐसी नीति बनाए जिसके जरिये दोनों रेल की पटरियों की तरह हो –जो चले तो साथ-साथ, लेकिन आपस में मिलें कभी नहीं।

नफरती भाषणों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि विजुअल मीडिया का विनाशकारी प्रभाव हुआ है। किसी को भी इस बात की परवाह नहीं है कि अखबारों में क्या लिखा है, क्योंकि लोगों के पास (अखबार) पढ़ने का समय नहीं है। टीवी बहस के दौरान प्रस्तोता की भूमिका का उल्लेख करते हुए न्यायालय ने कहा कि यह प्रस्तोता की जिम्मेदारी है कि वह किसी मुद्दे पर चर्चा के दौरान नफरती भाषण पर रोक लगाए।

न्यायमूर्ति के. एम. जोसेफ और न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय की पीठ ने कहा कि नफरत फैलाने वाले भाषणों से निपटने के लिए संस्थागत प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता है। न्यायालय ने इस मामले में सरकार की ओर से उठाए गए कदमों पर असंतोष जताते हुए मौखिक टिप्पणी की, 'सरकार मूकदर्शक क्यों बनी बैठी है?' शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को इस मामले में अपना रुख स्पष्ट करने को भी कहा कि क्या वह नफरत फैलाने वाले भाषण पर प्रतिबंध के लिए विधि आयोग की सिफारिशों के अनुरूप कानून बनाने का इरादा रखती है?

इस बीच पीठ ने भारतीय प्रेस परिषद और नेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्रॉडकास्टर्स (एनबीए) को अभद्र भाषा और अफवाह फैलाने वाली याचिकाओं में पक्षकार के रूप में शामिल करने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने मामलों की सुनवाई के लिए 23 नवंबर की तारीख तय की है।

सुप्रीम कोर्ट ने 10 अक्टूबर को नफरत भरे भाषण का मुद्दा उठाने वाले एक याचिकाकर्ता से कहा कि वह जांच के दौरान उठाए गए कदमों समेत विशेष घटनाओं का ब्योरा दे। प्रधान न्यायाधीश यूयू ललित और न्यायमूर्ति एसआर भट ने कहा कि शायद आपका यह कहना सही है कि नफरत भरे भाषणों के परिणामस्वरूप पूरा माहौल खराब हो रहा है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि शायद आपके पास यह कहने के लिए उचित आधार है कि इस पर अंकुश लगाने की जरूरत है, लेकिन न्यायालय ने कहा कि किसी मामले का संज्ञान लेने के लिए तथ्यात्मक आधार होना चाहिए।

हालांकि, अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता एक या दो मामलों पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। इस मामले की सुनवाई अब 31 अक्टूबर को होगी।

आओ चीन को सबक सिखाएं

डॉ उमेश वत्स

निसंदेह भारत एक ऐसा अलौकिक, अद्भुत, आध्यात्मिक देश है जहां प्रत्येक मास, प्रत्येक ऋतु में कोई न कोई पर्व-त्यौहार मनाया जाता है। इन त्यौहारों में दीवाली सर्वाधिक मान्यता का त्यौहार है जो देश के अधिकतम स्थानों पर अधिकतम लोगों द्वारा मनाया जाता है। देश-विदेश में रहने वाले परिवार के सदस्य किसी त्यौहार पर अपने घर आये या न आये किंतु दीवाली पर प्रत्येक सदस्य अपने घर आने का भरसक प्रयास करता है। देश के प्रत्येक शिक्षक संस्थानों, व्यवसायिक केंद्रों, कार्यालयों आदि में दीवाली के उपलक्ष्य पर तीन-चार दिनों का अवकाश रहता है। हर वर्ग का व्यक्ति दीवाली से पहले घरों की मरम्मत, रंग-रोगन, सफाई आदि में व्यस्त रहता है। घरों को रंगोली, बंदरवार, लड़िया, पुष्पबेल आदि से सजाया जाता है। अपनी-अपनी परम्पराओं के अनुसार परिवार के सदस्य दीवाली पूजन की तैयारी करते हैं। दीवाली से पहले अहोई के त्यौहार पर माताएं अपने बेटे के खुशहाल जीवन के लिए दिनभर भूखी रहकर उपवास करती हैं, बच्चों के नाम की हांडी फलों व खाद्यपदार्थों से भर्ती है, जो माँ-बेटे के अटूट, निश्छल प्रेम को दर्शाता है। बहुएं अपने सास-ससुर को बैना के रूप में नये कपड़े आदि प्रदान करती है जो कि बुजुर्गों के ध्यान रखने के संस्कार को पोषित करता है। दीवाली से पहले ही धनतेरस पर गरीब से गरीब व्यक्ति भी बाजार में अपनी क्षमतानुसार बर्तन आदि कुछ न कुछ खरीदने का प्रयास करता है जो परिवार व घर की समृद्धि से जुड़ा है। दीवाली के बाद भी विश्वकर्मा दिवस पर हर कारीगर, निर्माण कार्य से जुड़ा व्यक्ति अपने व्यवसायिक केंद्रों, कार्य स्थलों एवं औजारों का पूजन करता है। गोवर्धन व भैयादूज पर भी अपने रीति-रिवाजों के अनुसार सभी आस्था व श्रद्धा से इन त्यौहारों को मनाते हैं। पंच त्यौहारों के इस समूह को दीवाली त्यौहार में ही समावेश किया जाता है।

वर्तमान में भारत विश्व पटल पर तीव्रगति से विकास की ओर बढ़ने वाला देश है। भारत की बढ़ती विकास गति से विश्व के प्रमुख देश भयभीत भी है और ईर्ष्या भी करते हैं। विशेष रूप से हमारे पूर्व नेताओं की अदूरदर्शिता से निर्मित पाकिस्तान और जनसंख्या व क्षेत्रफल के साथ-साथ आर्थिक रूप से से सुदृढ़ चीन हमारी विकासगति में समय-समय पर बड़ा अवरोध उत्पन्न करते रहते हैं और बाकि ईर्ष्यालु देश इन्हें भारत के विरुध्द भड़काने का कार्य करते रहते हैं। 2014 के बाद भारत ने अपनी गजब की विदेश नीति व कूटनीति से पाकिस्तान के हौसले तो पस्त कर दिये हैं किंतु ड्रैगन चीन अभी भी एक समस्या के रूप में भारत की अस्मिता को ललकारने का कुत्सित प्रयास करता रहता है। यद्यपि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सदैव पाकिस्तान के साथ विटो पॉवर का प्रयोग कर भारत से दुश्मनी निभाने वाले चीन आर्थिक रूप से भारत के विशाल बाजार पर काफी हद तक निर्भर है।

2014 से पूर्व संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत का साथ केवल रूस देता था और पाकिस्तान के साथ पूरा विश्व खड़ा रहता था जबकि 2014 के बाद भारत की कूटनीति के कारण आज पाकिस्तान के साथ केवल चीन खड़ा है और भारत के साथ पूरा विश्व।

इस बार की दीवाली पर चीन को छठी का दूध याद दिलाने का समय आ गया है। पिछले पंद्रह-बीस वर्षों से चाइनीज़ लाइटिंग, चाइनीज़ लड़िया, चाइनीज़ सामान की देश के बाजारों में भरमार रही और हम विश्व के सर्वाधिक ग्राहक के रूप में उसके सामानों को खरीदकर चीन रूपी साँप को दूध पिलाते रहे। वह हमारे बाजार से मजबूत होकर कभी डोकलाम में कभी गलवान में हमें ही आँख दिखाता रहता है। अरुणाचल से लद्दाख तक भारत की सीमा पर चीन का व्यवहार दुश्मन देश जैसा है। उसकी इस गिद्ध हरकत पर भारत के नागरिकों ने पहले भी चाइनीज़ सामान का बहिष्कार कर उसे सबक सिखाया है किंतु वर्तमान में चीन की कमर तोड़ने के लिए हर भारतवासी को कमर कसनी पड़ेगी। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब अपनी पहली दिवाली साल 2014 में सियाचीन में सेना के जवानों के बीच जाकर मनाई थी और वहां दीपावली के मौके पर उन्होंने जवानों का हौसला बढ़ाया था जहां सियाचिन में सबसे कठिन परिस्थितियों में रहकर भारतीय जवान सीमा की रक्षा करते हैं। तब से यह स्पष्ट हो गया था कि अब भारत के भाग्योदय का समय आ गया है। तभी से चीन का सामना एक सशक्त भारत से होने लगा। 2015 में तब पीएम मोदी दीवाली मनाने के लिए पंजाब के अमृतसर के डोगराई युद्ध स्मारक पहुंचे थे। सैनिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि "मैं यहां आपके साथ दीपावली मनाने आया हूं और यह अवसर पाने से मैं काफी खुश हूं और इसके साथ ही उन्होंने सैनिकों की प्रशंसा भी की तथा आह्वान किया था कि पड़ोसी दुश्मन देश को सबक सिखाने के लिए हमें बाजार में उनकों अपना दम-खम दिखाना पड़ेगा। चाइनीज़ सामान का बहिष्कार कर उसको हमारे नागरिक ही घुटनों पर ला सकते हैं।

बुत खड़ा करना दीर्घवर्षीय योजना का हिस्सा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक जमाना था जब सरकारें आती ही जाने के लिए थीं। सरकार तोप ने सिर्फ दो काम किये थे। वसूली और बुत खड़े करना। बुत खड़ा करना दीर्घवर्षीय योजना का हिस्सा था। विकास कार्य एकदम ठहर गए, समस्याएँ सुरसा हो गईं, गरीब ज्यादा गरीब हो गए। अगली सरकार आयी। उसके संकल्प थे- पिछली सरकार से दोगुनी कमाई करना और दोगुने बुत बनवाना। प्रतियोगिता प्रदेश के विकास को लेकर नहीं, घूस और बुत को लेकर सरकार ने चौराहों पर, पार्कों में, फुटपाथों पर, ओनो-कोनों में सार्वजनिक भवनों के सामने और भीतर भी इतने बुत बनवा डाले कि महापुरुषों की किल्लत पड़ गयी। तब उसने मृत छुटभइयों के बुत खड़े करने शुरू कर दिये। बुत टन-दो-टन हैसियत वालों के नहीं, किलो-दो किलो हैसियत वाले, अनजाने, अनचीन्हे, अबूझ, अनाम भूतों तीसरी सरकार आयी। उसका संकल्प पिछली सरकार से तिगुनी कमाई करना और तिगुने बुत बनवाना था। सरकार जितनी ऊपरी कमाई करती थी, उसी अनुपात से बुत बनवाती थी यानी बुत की गणना कर ऊपरी कमाई का अंदाज लगाया जा सकता था या यों कहें ऊपरी कमाई की जानकारी होने पर बुतों का अंदाज लगाया जा सकता था। अंकगणित बहुत आसान। सरकार का चाल-चरित्र-चिंतन ऐसा कि लोगों में भय व्याप्त हो गया। जाने कब गोली मारकर कह दिया जाए कि 'अमुक जी' ने देश-समाज के लिए शहादत दी है और जीता-जागता व्यक्ति किसी चौराहे, पार्क, ओने-कोने या सार्वजनिक भवन में बुत में तब्दील हो जाए। लोग अंधेरे-उजेले निकलने में घबराने लगे। बुत देखकर काँप जाते कल मेरा भी यही हश्र न हो। कुछ बात तो है मोमिन जो छा गयी खामोशी, किसी बुत को दे दिया दिल जे बुत बन गए। सरकार जीवित व्यक्तियों के लिए कुछ न करती, पर मृत व्यक्तियों की प्रतीक पूजा के लिए सदैव तत्पर रहती। वह लोगों से कहती, 'बुतों को देखो, इनसे प्रेरणा ग्रहण करो।' लोग कहते, 'हमें बुत के भूत नहीं रोटी चाहिए। हमारी खुद की जिंदगी बुत सरीखी हो गयी है।' सरकार कहती, 'रोटी? यह तो बहुत सामान्य चीज है। उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण मरे लोगों के बुत हैं, जिनमें भावना का मौन दर्शन होता है। इन्हें नमन करो, चरणवंदन करो, फूल-माला अर्पित करो। इनसे प्रेरणा ग्रहण करो, प्रेरणा से चेतना जागृत होगी, चेतना से सामाजिक न्याय मिलेगा, सामाजिक न्याय से....!'

फेंगशुई नियमों के अनुसार करें महालक्ष्मी का स्वागत

हिंदू धर्म में दिवाली को प्रमुख पर्वों में से एक माना जाता है अब दिवाली आने में बस कुछ ही दिन बचे हुए है ऐसे में चारों ओर दिवाली की तैयारियां शुरू हो चुकी है हर कोई अपने घर को साफ सुथरा और सुंदर बनाने में लगा हुआ है दिवाली का त्योहार धन की देवी मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने का उत्तम दिन माना जाता है इस साल दिवाली 24 अक्टूबर दिन सोमवार को देशभर में धूमधाम से मनाई जाएगी दिवाली पर लोग अपने घरों को दीपक की रोशनी से रौशन करते हैं घर के हर कोने में दीपक जलाया जाता है इस दिन पूरा देश दीपक की रौशनी से जगमगा उठता है।

इस पवित्र दिन पर लक्ष्मी गणेश की पूजा का विधान होता है मान्यता है कि माता लक्ष्मी उन्हीं घरों में प्रवेश करती है जहां साफ सफाई का पूरा ध्यान रखा जाता है ऐसे में दिवाली आने से पहले घरों की अच्छी तरह से साफ सफाई और सजावट कर लेना बेहतर होता है। अगर आप दिवाली पर घर की सजावट करने की सोच रहे हैं तो इस बार

कुछ नया आजमाना बुरा नहीं होगा

ऐसे में आप दिवाली की सजावट और मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए फेंगशुई के कुछ नियमों का पालन जरूर करें इन नियमों को ध्यान में रखते हुए अगर सजावट की जाए तो माता लक्ष्मी प्रसन्न होकर अपनी कृपा पूरे परिवार पर बरसाएंगी जिससे घर में सुख समृद्धि का वास होगा तो आज हम आपको फेंगशुई के नियम बता रहे हैं तो आइए जानते हैं।

जानिए फेंगशुई से जुड़े उपाय–

अधिकतर लोग घर की साफ सफाई के बाद कालीन बिछाते हैं और कुर्सी को कालीन के ऊपर रखते हैं लेकिन फेंगशुई की मानें तो कुर्सी के दो पैरों को ही कालीन के ऊपर रखना चाहिए ऐसा करने से धन आगमन होता है और आर्थिक परेशानियां दूर हो जाती है। दिवाली पर माता लक्ष्मी के स्वागत के लिए साज सजावट का सामान खरीदते वक्त इस बात का जरूर ध्यान रखें कि घर पर हर चीज दो रखें। ऐसा करने से घर की दरिद्रता दूर होती है और धन लक्ष्मी का स्थायी निवास होता है।

फेंगशुई अनुसार घर में परिवार की एक तस्वीर हंसती हुई लगा लें इससे आय प्राप्ति के स्तोत्र में वृद्धि होती है और धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती है। घर की डाइनिंग टेबल को साफ रखना जरूरी होता है साथ ही परिवार के सभी सदस्यों को यहां एक साथ बैठकर ही भोजन करना चाहिए इसे अच्छा माना जाता है भूलकर भी बेडरूम में टीवी नहीं रखनी चाहिए इससे पति पत्नी के बीच प्रेम की कमी होती है और तनाव व दूरियां बढ़ने लगती है।

दिवाली से पहले समृद्धि देने वाला व्रत

21 अक्टूबर को रमा एकादशी, इस दिन भगवान विष्णु–लक्ष्मी की पूजा से बढ़ती है सुख–समृद्धि

दीपावली के चार दिन पहले आने वाली एकादशी को लक्ष्मी जी के नाम पर रमा एकादशी कहा जाता है। जो कि इस बार 21 अक्टूबर को रहेगी। ये कार्तिक महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी होती है। इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर तीर्थ स्नान करने के बाद भगवान विष्णु की पूजा और व्रत किया जाता है। पद्म पुराण में कहा गया है कि इस व्रत को करने से सौभाग्य और समृद्धि बढ़ती है। जाने-अनजाने में हुए पाप भी खत्म हो जाते हैं।

व्रत और पूजा की विधि

सुबह जल्दी उठकर तीर्थ स्नान करें। ऐसा न कर पाएं तो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर नहाएं। इसके बाद उगते हुए सूरज को अर्घ्य दें। फिर एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने का संकल्प लें। फिर भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी का अभिषेक और पूजा करें या किसी ब्राह्मण से करवाएं। गीता पाठ भी करवा सकते हैं। भगवान को केले या किसी ओर मौसमी फल का भोग लगाएं और प्रसाद बांटे। इसके बाद ब्राह्मण भोजन करवाएं और जरुरतमंद लोगों को दान दें।

रमा एकादशी का महत्व

पुराणों के अनुसार रमा एकादशी व्रत कामधेनु और चिंतामणि के समान फल देती है। ये व्रत करने से समृद्धि और संपन्नता बढ़ती है। इस व्रत को करने से लक्ष्मीजी प्रसन्न होती हैं। पद्म पुराण के अनुसार रमा एकादशी का व्रत करने से भगवान विष्णु की कृपा भी प्राप्त होती है। जिसके प्रभाव से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। मृत्यु के बाद विष्णु लोक मिलता है।

पद्म पुराण के अनुसार व्रत कथा

मुचुकुंद नाम का धार्मिक और सत्य बोलने वाला राजा था। उसकी दोस्ती इंद्र, यम, वरुण, कुबेर और विभीषण से थी। उसके राज्य में सभी सुखी थे। उनकी चंद्रभागा नाम की बेटी थी। जिसकी शादी राजा चंद्रसेन के बेटे शोभन के साथ हुई। एक दिन शोभन अपने ससुराल आया तो उस दिन एकादशी थी। शोभन व्रत करने का मन बनाया। चंद्रभागा को चिंता हुई कि उसका पति भूखा कैसा रहेगा? उसके पिता के राज्य में सभी एकादशी का व्रत रखते। कोई अन्न नहीं खाता था।

शोभन ने पत्नी से ऐसा उपाय जानना चाहा, जिससे व्रत भी पूरा हो जाए और तकलीफ भी न हो, लेकिन उपाय नहीं मिला। शोभन किस्मत के भरोसे व्रत

रख लिया। लेकिन वो भूखा-प्यासा नहीं रह सका और उसकी मृत्यु हो गई। इससे चंद्रभागा बहुत दुःखी हुई। पिता के विरोध की वजह से वो सती नहीं हुई।

मरने के बाद रमा एकादशी व्रत के प्रभाव से शोभन को मंदराचल पर्वत के शिखर पर बहुत अच्छे देवनगर मिला। वहां बहुत सुख था। एक दिन जब राजा मुचुकुंद मंदराचल पर्वत पर आए तो उन्होंने अपने दामाद का वैभव देखा। वापस अपनी नगरी आकर चंद्रभागा को बताया तो वो बहुत खुश हुई और अपने पति के पास चली गई। अपनी भक्ति और रमा एकादशी के प्रभाव से शोभन के साथ सुखपूर्वक रहने लगी।

रमा एकादशी पर करना चाहिए ये शुभ काम

रमा एकादशी की सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद पूरे घर में गौमूत्र का छिड़काव करें। दीपावली से पहले घर की साफ-सफाई करें, इसके बाद पूरे घर में पवित्रता बनाने के लिए घर में गौमूत्र का छिड़काव किया जाता है।

घर के मंदिर में विष्णु जी और लक्ष्मी जी के सामने एकादशी पर व्रत-पूजा करने का संकल्प लें। संकल्प के साथ ही पूजा करें। दक्षिणावर्ती शंख में केसर मिश्रित दूध भरकर अभिषेक करें।

जो लोग इस तिथि पर व्रत करते हैं, उन्हें दिनभर निराहार रहना चाहिए। अगर पूरी तरह से भूखे नहीं रह सकते हैं तो फलाहार कर सकते हैं। साथ ही दूध का सेवन भी किया जा सकता है।

पूरे दिन भगवान के मंत्र ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय का जप मानसिक रूप से करते रहना चाहिए।

शाम को सूर्यास्त के बाद तुलसी के पास दीपक जलाएं और तुलसी को लाल चुनरी ओढ़ाएं। लक्ष्मी जी और विष्णु जी की पूजा करें।

अगले दिन यानी 22 तारीख को सुबह जल्दी उठकर स्नान के बाद एक बार फिर से लक्ष्मी-विष्णु की पूजा करें। इसके बाद जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं और फिर खुद भोजन ग्रहण करें। इस तरह एकादशी का व्रत पूरा होता है।

एकादशी पर भगवान श्रीकृष्ण की भी पूजा करनी चाहिए। पूजा में भगवान का अभिषेक करें और माखन-मिश्री का भोग तुलसी के साथ लगाएं। आप चाहें तो इस दिन श्रीमद्भागवत या गीता का पाठ कर सकते हैं। श्रीकृष्ण के मंत्र कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप कर सकते हैं।

क्या आप जानते हैं साईं बाबा के पैरों का ये चौकाने वाला रहस्य

साईंबाबा को भारतीय गुरु, संत एवं फ़क़ीर माना जाता है। कहा जाता है उन्होंने जीवन में कई चमत्कार किये हैं। जी हाँ और अगर आप हर साल शिरडी के साईंबाबा के दर्शन के लिए जाते हैं, तो आपको इस मंदिर से जुड़ी कुछ बातों को जरूर जानना चाहिए। आज हम आपको उन्ही के बारे में बताने जा रहे हैं।

जी दरअसल शिरडी देश में देखे जाने वाले सबसे प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है और हर साल लाखों लोग शिर्डी के साई बाबा के दर्शन करने पहुंचते हैं। जी दरअसल साईंनाथ पर लोगों की आस्था इस कदर है, कि उनके दर्शन के लिए लोग 7-8 घंटे भी लाइन में खड़े रहकर इंतजार करते हैं। जी दरअसल मुंबई से लगभग 300 किमी दूर स्थित शिरडी का साईं बाबा का घर माना जाता है। आप सभी को यह भी बता दें कि साईंबाबा एक संत थे, जिन्होंने जीवनभर जरूरतमंदों की सेवा की।

आज हम आपको बताएंगे साईंबाबा के चरणों के पीछे का रहस्य- जी दरअसल जब कुछ लोगों ने साईं बाबा की शक्ति के बारे में सुना, तो वो उनकी एक तस्वीर खींचना चाहते थे। हालांकि, साईं बाबा ने कोई भी तस्वीर लेने से मना कर दिया। वहीं बाद में वह अपने पैरों की फोटो क्लिक करवाने के लिए तैयार हो गए। जी हाँ और भक्तों में से एक ने फायदा उठाया और उनकी पूरी लंबाई वाली तस्वीर क्लिक की। हालाँकि बाद में जब उन्होंने वह तस्वीर देखी, तो उसमें केवल साईं बाबा के पैर दिख रहे थे।

मीठे पत्तों वाला नीम का पेड़ - कहा जाता है जब साईं बाबा शिरडी आते थे, तो वह अपना ज्यादातर समय एक नीम के पेड़ के नीचे बिताते थे। जिसको अब गुरूस्थान के नाम से जाना जाता है। एक किवदंती के अनुसार, जब कुछ ग्रामीणों ने पेड़ के पास की जमीन खोदना शुरू की , तो साईं बाबा ने उन्हें रूकने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि यह पूर्वजों का विश्राम स्थल है। अगर आप कभी शिरडी की यात्रा करते हैं और आपको पेड़ से गिरे नीम के पत्ते चखने का मौका मिले , तो आप इसका स्वाद चखकर हैरान रह जाएंगे। सबसे हैरानी की और दिलचस्प बात यह है कि यहां नीम की पत्तियों का स्वाद कड़वा नहीं बल्कि मीठा होता है। जी हाँ और ऐसा माना जाता है कि जिन लोगों को नीम की पत्ती चखने का मौका मिलता है , वे स्वस्थ रहते हैं और उन्हें कोई बीमारी नहीं होती।

मुक्त शहर है शिरडी - शिरडी में शराब पीने के नियम अलग हैं। जी दरअसल शहर में न तो शराब बिकती है और न ही सर्व की जाती है और यह शहर पूरी तरह से शराब मुक्त है।

साईंबाबा मंदिर का निर्माण - कहा जाता है शिरडी में साईं बाबा मंदिर का निर्माण 1922 में किया गया था। साईं बाबा के निधन के चार साल बाद यह मंदिर बनाया गया था। इस मंदिर का नीजि स्वामित्व श्रीमंत गोपालराव के पास था, जो नागपुर के एक करोड़पति थे।

धनतेरस पर करें चावल से जुड़े अचूक उपाय

हिंदू धर्म में पर्व त्योहार को बेहद ही खास माना जाता है वही दिवाली आने में अब कुछ ही दिन शेष बचे हुए है यह पर्व पूरे पांच दिनों तक चलता है इसका आरंभ धनतेरस से माना जाता है इस साल धनतेरस का त्योहार 23 अक्टूबर को देशभर में मनाया जाएगा। इस दिन को खरीदारी के लिए शुभ माना जाता है इस दिन पीतल और चांदी के बर्तन खरीदने की विशेष परंपरा है मान्यता है कि धनतेरस पर बर्तन खरीदने से धन में वृद्धि होती है इस दिन शाम के वक्त यम देवता के नाम का दीपक जलाया जाता है और दीपदान भी किया जाता है।

ऐसा करने से मृत्यु के देवता यमराज के भय से मुक्ति मिलती है इस दिन भगवान कुबेर, धनवंतरी और माता लक्ष्मी की विधिवत पूजा का भी विधान होता है लेकिन आपको बता दें कि धनतेरस के दिन पूजा पाठ के साथ साथ अगर कुछ उपाय भी किया जाए तो जीवन की तमाम परेशानियां दूर हो जाती है और घर परिवार में सुख शांति व समृद्धि बनी रहती है।

धनतेरस पर करें ये अचूक उपाय–

आपको बता दें कि धनतेरस के शुभ दिन पर पूजा पाठ के साथ सा थ आप चावल से जुड़े कुछ उपायों को अपना सकते हैं इन उपायों को करने से लक्ष्मी कृपा प्राप्त होती है धनतेरस के शुभ दिन पर लक्ष्मी गणेश और भगवान कुबेर की पूजा करें फिर इसके बाद चावल के साफ और पूर्ण 21 दाने लेकर अब इन्हें लाल रंग के वस्त्र में लपेटकर रात को अपनी तिजोरी या उस जगह पर रख दें।

जहां आप धन रखते हैं ऐसा करने से घर की आर्थिक तंगी दूर हो जाती है और संपन्नता आती है घर में माता लक्ष्मी का वास होता है। धनतेरस के दिन पूजा करने के बाद सभी लोगों को माथे पर तिलक लगाना चाहिए इस तिलक में अखंडित चावल का प्रयोग करने से भाग्योदय में वृद्धि होती है।

धनतेरस पर कब और किन देवी-देवताओं के लिए जलाएं दीया

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि या फिर कहें धनतेरस से पंचदिवसीय महापर्व दीपावली की शुरुआत होती है। इस साल धनतेरस का पावन पर्व 23 अक्टूबर 2022, रविवार को पड़ने जा रहा है।

कब और किस दिन करें धनतेरस की पूजाा

पंचांग के अनुसार इस साल त्रयोदशी तिथि 22 अक्टूबर 2022 को सायंकाल 06:02 से प्रारंभ होकर 23 अक्टूबर 2022 को सायंकाल 06:03 बजे समाप्त हो रही है। इस साल त्रयोदशी तिथि दो दिन पड़ रही है। जो लोग त्रयोदशी की पूजा दिन में करते हैं, वो लोग 23 अक्टूबर 2022 को उदया तिथि में करें और जो लोग प्रदोषकाल में धनतेरस की पूजा करते हैं उन्हें इस साल 22 अक्टूबर 2022 को ही शाम के समय पूजा और दीपदान करना चाहिए।

कब है धनतेरस – 22 अक्टूबर, 2022, शनिवार

धनतेरस पूजा का शुभ मुहूर्त – सायंकाल 07:01 से 08:17 बजे तक

कब जलाएं यम के लिए दीया – 22 अक्टूबर 2022, शनिवार को संध्याकाल में

प्रदोष काल – सायंकाल 05:45 से 08:17 बजे तक

धनतेरस पर कितने और कहां-कहां जलाएं दीया

धनतेरस पर शुभता और सौभाग्य को पाने के लिए

दीपदान करने की परंपरा चली आ रही है। मान्यता है कि धनतेरस पर दीपदान करने पर व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं शीघ्र ही पूरी हो जाती है और पूरे साल उसका घर धन-धान्य से भरा रहता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार धनतेरस के दिन शाम के समय 13 दीया जलाना चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर, एक दीया तुलसी महारानी के लिए, एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए।

'क्या पहन रहे हैं क्या उतार रहे हैं इससे तुम्हें क्या मतलब': कंगना

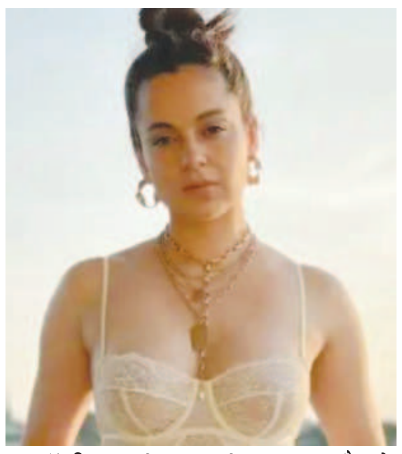

बॉलीवुड की हॉट क्वीन कंगना रनौत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट की दुनिया में हंगामा खड़ा कर दिया. एक्ट्रेस कंगना रनौत ने अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर कर ट्रोलर्स की क्लास लगा दी है. इन तस्वीरों को शेयर कर एक्ट्रेस ने महिलाओं के कपड़ों पर कमेंट करने वालों पर तंज कसा है. एक्ट्रेस ने उन बोल्ड न्यूड ब्रालेट टॉप की तस्वीरें शेयर कर अपनी बात रखी, जिनमें वो खुद बुरी तरह ट्रोल हुई थीं. एक्ट्रेस के इन कमेंट्स को पढ़कर कई लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि क्या एक्ट्रेस उर्फी जावेद की तरफ इशारा कर रही हैं. महिला क्या पहनती है या क्या पहनना भूल जाती है पूरी तरह से उसकी पसंद है. आपका इससे कोई लेना-देना नहीं है.' एक्ट्रेस कंगना रनौत ने इशारों में चुटकी लेते हुए अगली तस्वीर शेयर करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने अपना पक्ष रखा है. मैं अभी ऑफिस जा रही हूं. अलविदा.'

क्या उर्फी का समर्थन किया?

कंगना रनौत के इस इंस्टाग्राम पोस्ट ने भी फैंस के बीच तहलका मचा दिया है. लोग सोच रहे हैं कि एक्ट्रेस ने ऐसा क्यों लिखा है. एक्ट्रेस कंगना रनौत के इस पोस्ट को पढ़ने के बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने कहा कि एक्ट्रेस ने इस कमेंट से उर्फी जावेद का सपोर्ट किया है.कंगना रनौत के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस इन दिनों अपनी फिल्म इमरजेंसी में बिजी हैं. जो अगले साल 2023 में रिलीज होगी.

आलिया भट्ट ने इंडस्ट्री में पूरे किए 10 साल

जश्न मनाते हुए बोलीं- मैं हर एक दिन के लिए बहुत आभारी हूं

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने आज इंडस्ट्री में 10 साल पूरे कर लिए हैं। दरअसल 19 अक्टूबर साल 2012 को आलिया की पहली फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' रिलीज हुई थी। अब 10 साल का जश्न मनाते हुए आलिया ने सोशल मीडिया पर अपनी फोटो शेयर कर खुशी जाहिर की है। इस फोटो में एक्ट्रेस धूप का मजा लेती हुई नजर आ रही हैं।

आलिया ने फैंस को कहा धन्यवाद

आलिया ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'आज 10 साल हो गए और मैं हर एक दिन के लिए बहुत आभारी हूं। मैं और बेहतर बनने का वादा करती हूं। खूब सपने देखो और मेहनत करो..इस मैजिक के लिए धन्यवाद..प्यार प्यार और सिर्फ प्यार।' आपको बता दें आलिया भट्ट के साथ 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने भी डेब्यू किया था।

आलिया ने 10 सालों में कुल 17 फिल्में की हैं

आलिया ने एक इंटरव्यू में 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में मिली फीस का खुलासा करते हुए कहा था, 'मुझे 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में काम करने के लिए 15 लाख रुपए फीस मिली थी। अपनी पहली कमाई को खर्च करने के बजाए मैंने इसे अपनी मां को दे दिया था।' आलिया के अब तक के करियर की बात करें तो उन्होंने इन 10 सालों में लगभग 17 फिल्में की हैं। इन फिल्मों में से दो-चार फिल्म फ्लॉप साबित हुई होंगी, बाकि सभी हिट हुई है।

आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्में

आलिया के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके अपोजिट रणबीर कपूर भी लीड रोल में हैं। इसके अलावा वो फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी', 'जी ले जरा' और हॉलीवुड फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' में भी दिखने वाली हैं।

कांतारा फिल्म को देखकर बड़े फिल्ममेकर्स की उड़ जाएगी नींद : राम गोपाल वर्मा

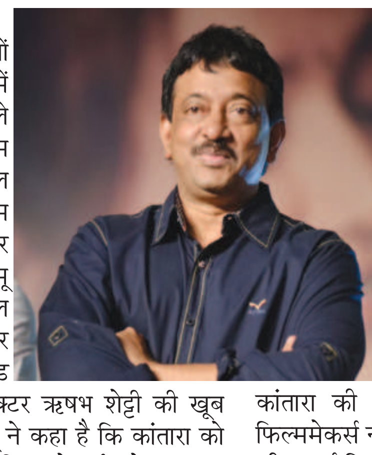

अपने कंट्रोवर्शियल बयानों से हमेशा चर्चा में रहने वाले फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने हाल ही में कन्नड़ फिल्म कांतारा की जमकर तारीफ की है। रामू ने अपने सोशल मीडिया अकांउट पर फिल्म के लीड एक्टर और डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी की खूब तारीफ की है। रामू ने कहा है कि कांतारा को देखकर कई बड़े फिल्ममेकर्स को डरावना सपना आने लगेगा। उनका कहना है कि कांतारा ने उन सभी मिथक को तोड़ दिया है जिनके बारें में कहा जाता है कि सिर्फ बड़े बजट की ही फिल्में ही आडियंस को थिएटर्स में ला सकती हैं।

राम गोपाल वर्मा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कांतारा की तारीफ करते हुए लिखा - ऋषभ शेट्टी ने उन सभी मिथक को तोड़ दिया है जिसमें कहा जाता है कि सिर्फ मेगा बजट फिल्में ही आडियंस को थिएटर्स में ला सकती है, कांतारा आने वाले दशकों में सबके लिए एक लेशन की तरह होगी। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में बात करते रामू ने लिखा- कांतारा की कमाई को देखकर कई बड़े फिल्ममेकर्स नींद से जग जाएंगे क्योंकि फिल्म की कमाई किसी को भी नाईटमेयर देने के लिए काफी है।

मूल रूप से कन्नड़ भाषा में बनी कांतारा ने ग्लोबली 100 करोड़ से अधिक का कलेक्शन कर लिया है। अकेले कर्नाटक में फिल्म ने 70 करोड़ रुपए की कमाई की है। कर्नाटक में फिल्म की सफलता को देखते हुए मेकर्स ने इसे हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में रिलीज किया गया है। हिंदी भाषा में फिल्म ने 4 दिनों में 9.27 करोड़ का कलेक्शन किया है। ऋषभ शेट्टी के डायरेक्शन में बनी फिल्म को आडियंस का खूब सारा प्यार मिल रहा है। केजीएफ के बाद ये दूसरी ऐसी कन्नड़ फिल्म है जिसे हाल फिलहाल में काफी पंसद किया जा रहा है।

मिली के प्रमोशन में पहुंची जाह्नवी कपूर:ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में दिखीं बेहद ग्लैमरस

जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म मिली को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म की रिलीज नजदीक है, ऐसे में जाह्नवी फिल्म का जोर-शोर के प्रमोशन कर रही हैं, जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में जाह्नवी फिल्म के प्रमोशनल इवेंट में पहुंचीं, इस दौरान वो ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। जाह्नवी ने बालों को खुला रखते हुए मिनिमल मेकअप किया और ड्रेस के साथ मैचिंग हाई हील्स कैरी किया है। बता दें, जाह्नवी कपूर की फिल्म मिली मलयालम फिल्म 'हेलेन' का हिंदी रीमेक है, जिसे माथुकुट्टी जेवियर डायरेक्ट कर रहे हैं। जबकि, फिल्म के प्रोड्यूसर जाह्नवी के पिता बोनी कपूर हैं। और ये फिल्म 4 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

उर्फी जावेद को भारी पड़ रहा है बराबरी की आवाज उठाना! बोलीं- 'अपने काम के अवसर को बर्बाद कर रही हूं'

उर्फी जावेद के तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होते हैं. उनकी तस्वीरें और वीडियो के लेने के लिए पैपराजी भी उनको फॉलो करते हैं. उर्फी भी इन पैपराजी को बिना झिझकें फोटो के लिए पोज देती हैं. लेकिन दिग्गज एक्ट्रेस जया बच्चन पैपराजी के सामने खुद को कंफर्ट नहीं समझती और अक्सर उन्हें फटकार लगाती हुईं नजर आती हैं. जया के ऐसे कई वीडियो अक्सर सामने आते हैं. हाल में जया का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह पैपराजी पर गुस्सा करते हुए नजर आईं थीं. इस वायरल वीडियो पर उर्फी ने प्रतिक्रिया दी है.

उर्फी जावेद ने सभी से कहा है कि वे जया बच्चन की तरह न बनें. उर्फी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो शेयर किया और बताया कि पावरफुल या बड़े होने से सम्मान नहीं आता. उन्होंने लिखा, "क्या उन्होंने यह कहा, 'आई होप यू डबल एंड फॉल.' प्लीज उनके जैसा न बनें, उम्मीद करते हैं कि हम सभी केवल आगे बढ़ेंगे. चाहे वह कैमरे के पीछे हो या सामने."

उर्फी जावेद ने आगे लिखा, "आप उनसे बड़े हैं या ज्यादा पावरफुल हैं फिर भी लोग आपका सम्मान नहीं करेंगे. अगर आप उनके साथ अच्छे हैं तो वे आपका सम्मान करेंगे." एक अन्य इंस्टाग्राम स्टोरी में, उर्फी ने बताया कि वह इतनी विचारवान क्यों हैं? उन्होंने शेयर किया कि जब भी उन्हें लगता है कि यह जरूरी है तो वह बोलती हैं.

मौके गवां रही हैं उर्फी जावेद

उर्फी जावेद ने लिखा,"मुझ पर भरोसा करें कभी-कभी मुझे इससे भी नफरत होती है कि मैं इतनी राय रखती हूं, मैं इस जुबां को कंट्रोल करना चाहती हूं लेकिन इस जुबां पर दया करती हूं. मुझे पता है कि मैं बोलकर अपने काम के मौके को बर्बाद कर रही हूं लेकिन यार चुप नहीं रहा जाता. मुझे लगता है कि जब आप उन मामलों पर चुप रहते हैं जो आपको परेशान करते हैं, तो यह दिखाता है कि आप कितने सच्चे हैं."

उर्फी जावेद ने आगे लिखा, "अपने घर पानी बिजली आती है, तो जिनके घर नहीं आती उनके लिए हम क्यों बोले! ये वो वाली बात लगती है मुझे. मुझे पता है कि हर कोई बराबर नहीं हो सकता है लेकिन कम से कम सबको बराबर अवसर तो मिले. इसके लिए हम सबको आवाज उठानी चाहिए."

शादी की चर्चा के बीच हंसिका का छाया ग्लैमरस अवतार

टीवी, बॉलीवुड और साउथ एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी इन दिनों अपनी शादी को लेकर चर्चा में हैं. बताया जा रहा है कि वो जयपुर में शादी के बंधन में बंधेंगे. इसी बीच अब एक्ट्रेस ने अपना ग्लैमरस अवतार शेयर किया है, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है.

शादी की तैयारियों के बीच हंसिका मोटवानी की लेटेस्ट फोटोज ने भी लोगों का ध्यान उनकी ओर खींच लिया है. इसमें उनका हर अंदाज देखते ही बन रहा है. उनकी दिलकश अदाएं तो हर किसी का दिल जीत रही हैं. इस पर लोग जमकर प्यार लुटा रहे हैं.

हंसिका को लेटेस्ट फोटोज में देखा जा सकता है कि वो थाई हाई स्लिट गाउन और लॉन्ग कोट में नजर आ रही हैं. इसमें वो बेहद ही प्यारी लग रही हैं. उनकी ग्लैमरस तस्वीरों को ढेरों लाइक्स मिल चुके हैं. ये फोटोज वायरल हो रही हैं.

साउथ एक्ट्रेस ने अपने लुक को हाई हील्स, खुले बाल और न्यूड मेकअप के साथ कंप्लीट किया है. इसमें उनके लुक की जितनी तारीफ की जाए वो कम होगी. बहरहाल, हंसिका इन दिनों अपनी शादी की वजह से हैडलाइन्स में बनी हुई हैं. वो अपना नया सफर शुरू करने जा रही हैं और उनकी शादी का वेन्यू तक तय हो चुका है.

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बताया जा रहा है कि हंसिका एकदम रॉयल वेडिंग करना चाहती हैं. वो जयपुर के 450 साल पुराने किले में अपनी शादी करना चाहती हैं और इसके लिए उसे बुक भी कर लिया गया है. उनकी शादी की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है. वहीं, हंसिका की शादी की तारीख नजदीक ही बताई जा रही है. हालांकि, अभी तक इसका खुलासा नहीं किया गया है. इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने तो अपने दूल्हे के बारे में भी कोई खुलासा नहीं किया है. मगर रिपोर्ट्स में कयास लगाए जा रहे हैं कि वो राजनेता के बेटे से शादी करने जा रही हैं.

बताया ये भी जा रहा है कि उनका होने वाला हसबैंड राजनेता का बेटा तो है ही साथ ही एक बिजनेसमैन भी है. फैंस भी उनके हसबैंड और शादी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं. बताया जा रहा है कि इनकी शादी में मेहमानों के कमरे से लेकर मेन्यू तक का पूरा इंतजाम किया जा रहा है. अगर इसके अलावा हंसिका के वर्कफ्रंट की बात की जाए वो जल्द ही तमिल फिल्म 'राउडी बेबी' में नजर आने वाली हैं. एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की थी।

ट्रोलर्स को जवाब देते हुए बुरा फंसे राज कुंद्रा

यूजर ने कमेंट कर लिखा- शिल्पा की वजह से फेमस हो गए

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा ने हाल ही में अपना चेहरा छिपाने पर चुप्पी तोड़ी है। इसके साथ ही उन्होंने एक चौकाने वाला बयान भी दिया है। दरअसल सोशल मीडिया पर एक यूजर ने राज से कहा, 'तुझे कोई जानता नहीं है, तो क्या ट्रोल करेंगे...वो तो वाइफ की वजह से फेमस हो गया था।' तो इसके जवाब में राज ने लिखा, 'इनफेमस भी'।

राज अक्सर अपना चेहरा कवर करके घूमते हैं। वो कभी मास्क तो कभी हेलमेट लगाए नजर आते हैं। इस पर सोशल मीडिया पर एक यूजर ने उनसे कहा, 'सबको अपना चेहरा दिखाईए और सच्चाई का सामना करिए, अगर आपने कुछ अच्छा या बुरा किया है, तो उस पर स्टैंड लेने की हिम्मत रखिए। आप जैसे हैं वैसे ही पब्लिक आपको हमेशा स्वीकार करेगी।'

राज कुंद्रा ने इसका जवाब देते हुए लिखा, 'मैं पब्लिक से अपना चेहरा नहीं छुपाता हूं। मैं मीडिया को मुझ तक पहुंचने का एक्सेस नहीं देना चाहता। मीडिया ट्रायल के बाद इस बात को समझना मुश्किल नहीं है कि मैं किन परिस्थितियों से गुजरा हूं।'

राज ने हाल ही में सोशल मीडिया के जरिए ट्रोलर्स पर तंज कसा था। राज ने अपने पोस्ट में लिखा था, 'ट्रोल्स, आप सब धीरे-धीरे कहां गायब हो रहे हैं, प्लीज मुझे मत छोड़िए।' इसके अलावा उन्होंने फोटोग्राफी केस में जमानत मिलने के एक साल पूरे होने पर लिखा था, 'आर्थर रोड जेल से बाहर निकले आज एक साल हो गए। सही समय आने पर न्याय जरूर मिलेगा। सच्चाई जल्द ही सबके सामने आएगी। शुभ चिंतकों को धन्यवाद। मुझे ट्रोल करने वालों को भी धन्यवाद आपने मुझे स्ट्रांग बनाया है।' राज कुंद्रा को पिछले साल मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पॉर्न फिल्में बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस केस में राज का नाम तब सामने आया था, जब कुछ मॉडल और स्ट्रगलिंग एक्ट्रेसेस ने आरोप लगाया था कि उनसे जबरन पॉर्न फिल्मों में काम कराया गया। जांच करते हुए पुलिस ने राज के ठिकानों पर छापा मारने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

केआरके ने राहुल रॉय से की वरुण धवन की तुलना, रिलीज से पहले 'भेड़िया' को बताया डिजास्टर

वरुण धवन और कृति सेनन की फिल्म 'भेड़िया' ' का ट्रेलर आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है. ट्रेलर देखने के बाद कमाल आर खान ने इसका रिव्यू किया और आने वाली फिल्म को डिजास्टर बताया है.

खुद को एक्टर और क्रिटिक बताने वाले केआरके उर्फ कमाल आर खान ने बॉलीवुड स्टार वरुण धवन और कृति सेनन की फिल्म 'भेड़िया' के ट्रेलर का रिव्यू किया है. उन्होंने 'भेड़िया' की तुलना राहुल रॉय फिल्म जुनून से करते हुए इसे डिजास्टर फिल्म करार दिया है.

बता दें कि आज 'भेड़िया ' का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा है. अमर कौशिक द्वारा निर्देशित इस फिल्म के ट्रेलर की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं. फिल्म में वरुण धवन भेड़िया बनकर सबके होश उड़ाते नजर आ रहे हैं.

हालांकि ट्रेलर में कुछ ऐसे भी मजेदार पल हैं, जिसे देखकर आप लोटपोट हो जाएंगे. हालांकि वरुण धवन भेडिया लुक देख और जरूर सहम जाएंगे. वहीं कृति सेनॉन इस फिल्म में डॉक्टर अनिका के किरदार में शानदार दिखाई दे रही हैं. फिल्म के ट्रेलर रिलीज होने के बाद लोगों की एक्साइटमेंट बढ़ गई है. लेकिन कमाल आर खान को फिल्म का ट्रेलर सबसे बकवास लगा है.

केआरके ट्रेलर को बताया डिजास्टर

केआरके ने ट्विटर पर वरुण धवन को टैग करते हुए लिखा, "भेड़िये ने वरुण को काट लिया तो अब वरुण रात में लोगों को खाने के लिए भेड़िया बन जाते हैं.

क्यों भेड़िया भूत था क्या?. 30 साल पहले राहुल रॉय की फिल्म जून #जुनून रिलीज हुई थी जो एक डिजास्टर थी. राहुल नाइट में टाइगर बन जाता था. यानी 30 साल बाद राहुल की जगह वरुण ने ली है."

दिवाली पर हर साल बढ़ जाता है वजन तो अपनाएं ये तरीके

मिठाई और पकवान ये दोनों ही दिवाली में न केवल खाए जाते हैं बल्कि एक दूसरे को गिफ्त के तौर पर भेजें जाते हैं. ऐसे में इनके सेवन से वजन बढ़ सकता है. जानते हैं कैसे दिवाली पर अपना वजन बढ़ने से रोक सकते हैं. हिंदू धर्म में दिवाली का त्यौहार सबसे बड़ा त्यौहार माना गया है. इस बार में लोग नए नए कपड़े पहनते हैं. वहीं वे तरह तरह पकवान भी बनाते हैं.

त्योहार की खुशी और पकवानों के सेवन से अक्सर लोगों का वजन बढ़ जाता है, जिसे बाद में कम करना मुश्किल हो जाता है. ऐसे में बता दे कि शुरू से ही अगर कुछ तरीकों को अपनाया जाए तो दिवाली में वजन बढ़ने से रोका जा सकता है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर हैं. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि आप दिवाली पर कैसे अपना वजन बढ़ने से रोक सकते हैं.

दिवाली पर कैसे रखें वजन को कंट्रोल

मिठाई और पकवान ये दोनों ही दिवाली में न केवल खाए जाते हैं बल्कि एक दूसरे को गिफ्त के तौर पर भेजें जाते हैं. ऐसे में इनके सेवन से वजन बढ़ सकता है. जानते हैं कैसे दिवाली पर अपना वजन बढ़ने से रोक सकते हैं. करते हैं

दिवाली पर बनी चीजों को मक्खन या घी में बनाया जाता है. ऐसे में आप परिष्कृत तेल का इस्तेमाल करें. वहीं डीप फ्राई करने के बजाय स्टीम या बेकिंग का भी सहारा ले सकते हैं.

नारियल और फैट की अधिक मात्रा वाले खोवा का इस्तेमाल करने से बचें. मिठाई और खीर को बनाने के लिए आप टोंड दूध का इस्तेमाल करें. फुल क्रीम वाले दूध का सेवन करने से बचें.

बता दें कि दिवाली पर कुछ लोग उपवास करते हैं. ऐसे में बता दें कि इसके कारण मेटाबॉलिज्म सुस्त हो सकता है. यदि आप अपने वजन को नियंत्रित रखना चाहते हैं तो आप का मेटाबॉलिज्म हाई होना जरूरी है. लंबी अवधि के लिए उपवास गंभीर एसिडिटी भी पैदा कर सकता है. साथ ही इससे मेटाबॉलिज्म डिसॉर्डर की समस्या भी हो सकती है.

दिवाली के बाद पॉल्यूशन के कहर से बचना चाहते हैं तो अभी से रोज खाएं ये 1 टुकड़ा

अक्सर लोग दिवाली के बाद पॉल्यूशन का सामना करते हैं. ऐसे में बता दें कि यदि अभी से आप प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट का सेवन करें तो इससे प्रदूषण की समस्या से बचा जा सकता है. आज हम बात कर रहे हैं गुड़ की. यदि आज से ही गुड़ का सेवन किया जाए तो लोग दिवाली के बाद होने वाले प्रदूषण से बच सकते हैं. ऐसे में लोगों को उसके फायदे के बारे में पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि गुड़ के सेवन से आप कैसे प्रदूषण से बच सकते हैं

प्रदूषण से कैसे बचाएगा यह एक टुकड़ा

गुड़ गन्ने के रस से तैयार होता है. यह एकदम शुद्ध और स्वाद में टेस्टी और हेल्दी होता है. इसके अंदर सेलेनियम पाया जाता है जो एक एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करता है. ये ना केवल गले के इन्फेक्शन को दूर करने में उपयोगी है बल्कि फेफड़ों के इन्फेक्शन से भी राहत दिला सकता है. ऐसे में इसके सेवन से फेफड़ों को धूल और धुएं दोनों से बचाया जा सकता है. गुड़ के अंदर आयरन भरपूर मात्रा में मौजूद होता है. ऐसे में इसके सेवन से तुरंत एनर्जी आ सकती है. यह ब्लड में हीमोग्लोबिन के स्तर को बेहतर बनाता है. साथ ही ब्लड में ऑक्सीजन की क्षमता को बढ़ाने में उपयोगी है. ऐसे में आप डॉक्टर की सलाह पर 2 से 4 ग्राम सीमित गुड़ का सेवन कर सकते हैं. हालांकि डायबिटीज से ग्रस्त रोगियों को गुड़ का सेवन करने से पहले एक बार डॉक्टर की सलाह लेनी जरूरी है. सर्दियों में गुड़ का सेवन कई समस्याओं को दूर करने में उपयोगी है. ऐसे में आप अपनी डाइट में गुड़ को जोड़ सकते हैं.

मुंह के आसपास का कालापन अब होगा छुमंतर, बस अपनाने होंगे ये आसान से उपाय

मुंह के आसपास का कालापन कैसे दूर करें: अक्सर आपने देखा होगा कुछ लोगों का रंग तो साफ होता है लेकिन उनके होठों के आसपास कालापन होता है, जिसके कारण उनका चेहरा भद्दा और बेकार नजर आता है. लोगों को इस चेहरे के कारण काफी शर्मिंदगी का सामना उठाना पड़ता है. ऐसे में बता दें कि कुछ घरेलू उपाय मुंह के आसपास के कालेपन को दूर कर सकते हैं. जी हां, आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि मुंह के कालेपन को दूर करने के लिए कौन से घरेलू उपाय आपके बेहद काम आ सकते हैं.

मुंह के आसपास का कालापन दूर करने के तरीके

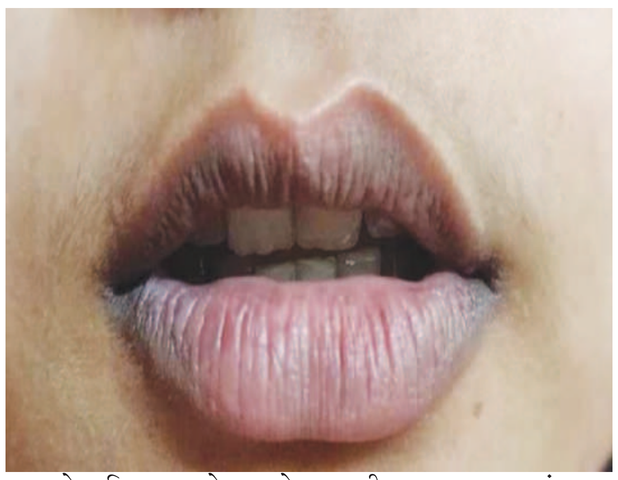

इसके लिए सबसे पहले आपके पास बेसन, नींबू का रस और गुलाब जल का होना जरूरी है. अब आप एक कटोरी में यहां बताए गई चीजों को अच्छे से मिक्स करें और उसके बाद अपनी त्वचा पर लगाएं. अब लगे मिश्रण से हल्के हल्के हाथों से स्क्रब करें. आप चाहें तो इस मिश्रण में थोड़ा सा चावल का आटा भी मिला सकते हैं. ऐसा करने से न केवल डेड स्किन निकल सकती है बल्कि चेहरे पर धब्बे भी दूर हो सकते हैं. ध्यान रहे कि जब भी आप स्क्रब करें तो इसे हल्के हाथों से करें और नीचे से ऊपर की तरफ करें. तेज हाथों से स्क्रब करने पर चेहरे पर रैशेज और रिंकल्स आ सकते हैं. यदि आपके पास नींबू का रस नहीं है या आप को नींबू के रस से एलर्जी होती है तो आप टमाटर के रस का इस्तेमाल भी कर सकते हैं.

आपके पास लाल चंदन, मुलेठी पाउडर, एलोवेरा जेल और गुलाब जल का होना जरूरी है. अब आप एक कटोरी में इन चारों को मिलाएं और प्रभावित स्थान पर 15 मिनट के लिए लगाएं. उसके बाद अपनी त्वचा को धो लें. ऐसा करने से समस्या दूर हो सकती है.

अगर आप भी पीते हैं दूध वाली चाय तो हो जाएं सतर्क, हो सकती हैं ये समस्याएं

सुबह उठकर अक्सर लोग दूध वाली चाय पीते हैं. दूध वाली चाय जितनी स्वादिष्ट होती है उतनी ही सेहत के फायदेमंद भी होती है. लेकिन आपको बता दें कि दूध वाली चाय के अंदर टैनिन नाम का कंपाउंड मौजूद होता है. ऐसे में इसके सेवन से स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं हो सकती हैं. लोगों को दूध वाली चाय के नुकसान के बारे में पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि दूध वाली चाय के सेवन से क्या क्या नुकसान हो सकते हैं.

दूध वाली चाय के नुकसान

दूध वाली चाय के सेवन से व्यक्ति को सीने में जलन हो सकती है. बता दें कि चाय में कैफीन पाया जाता है जो पेट में गैस्ट्रिक की मात्रा बढ़ा सकता है. ऐसे में ये सीने में जलन पैदा कर सकता है साथ ही गैस के कारण कमर दर्द की समस्या हो सकती है.

* दूध वाली चाय के अधिक सेवन से पेट को भी नुकसान पहुंच सकता है. जी हां, व्यक्ति को दूध वाली चाय कब्ज, अपच और मतली का शिकार बना सकती हैं.

* दूध वाली चाय से व्यक्ति को दांतों की परेशानी हो सकती है. चाय के अधिक सेवन से इनेमल खराब हो सकता है. जब इनेमल खराब होने लगता है तो दांत में कमजोरी और मसूड़ों में सूजन आ सकती है.

* दूध वाली चाय के सेवन से हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. जैसा कि हमने पहले भी बताया कि दूध वाली चाय के अंदर टैनिन मौजूद होता है. ऐसे में ये शरीर से कैल्शियम एब्जॉर्ब करने के साथ-साथ हड्डियों को कमजोर कर सकता है.

* दूध वाली चाय का यदि अधिक मात्रा में सेवन किया जाए तो इससे व्यक्ति को अनिद्रा की समस्या हो सकती है. बता दें कि चाय में कैफीन पाया जाता है. ऐसे में इसके सेवन से व्यक्ति को नींद ना आने की समस्या हो सकती है, जिसके कारण व्यक्ति को तनाव और डार्क सर्कल्स की समस्या हो सकती है.

शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने लगे तो पिएं ये ड्रिंक्स

जब किसी व्यक्ति को यूरिक एसिड की समस्या होती है तो इसके कारण उसे मांसपेशियों में दर्द, सूजन आदि समस्याओं का सामना करना पड़ता है. खासतौर पर जिस व्यक्ति को अर्थराइटिस की समस्या होती है उसके लिए यह दर्द बर्दाश्त करना भी मुश्किल हो जाता है. ऐसे में बता दें कि कुछ ड्रिंक्स के सेवन से इस दर्द को दूर किया जा सकता है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि यूरिक एसिड को कैसे कम कर सकते हैं.

यूरिक एसिड के बढ़ने पर क्या करें

* नींबू पानी के सेवन से यूरिक एसडि का स्तर कंट्रोल किया जा सकता है. नींबू पानी यूरिक एसडि के क्रसिटल्स को तोड़कर पानी बनाते हैं, जिससे यूरिक एसडि को बढ़ने से रोका जा सकता है. इस मिश्रण को बनाने के लिए आपके पास नींबू का रस, शहद, पुदीने की पत्ती का होना जरूरी है. ऐसे में आप गुनगुने पानी में नींबू का रस, शहद और पुदीना पत्ती मलिाएं और बने मिश्रण को पिएं.

* शरीर में यूरकि एसडि का स्तर बढ़ रहा है तो ऐसे में आप ग्रीन एप्पल जूस का सेवन करें. बता दें कि कई स्थिति ऐसी होती है जब हाई प्रोटीन डाइट लेने से यूरकि एसडि बढ़ने लगता है. ऐसे में ग्रीन एप्पल जूस के सेवन से बढ़े हुए यूरकि एसडि को कम किया जा सकता है. ऐसे में इस ड्रिंक को बनाने के लिए आपके पास, ग्रीन एप्पल, चुटकी भर सेंधा नमक होना जरूरी है. ऐसे में आप हरे सेब के छिलके उतारें. फिर मक्सिी में टुकड़ों को पीसकर छन्नी में छान लें. अब एक गिलास में सेंधा नमक डालें और फिर सेवन करें.

लंबे बालों के लिए अंडा है बेहद उपयोगी, ऐसे करें इस्तेमाल

हर कोई चाहता है कि उसके बाल लंबे और चमकदार हों. अपनी इस इच्छा को पूरा करने के लिए ऐसे लोग न जानें किन-किन तरीकों को अपनाते हैं लेकिन बता दें कि कभी-कभी बाल छोटे होने के पीछे शरीर में बालों की जड़ों में विटामिंस की कमी जिम्मेदार हो सकती है. ऐसे में लोगों के लिए अंडे के बारे में पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि लंबे बालों के लिए अंडे का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं.

लंबे बालों पर कैसे करें अंडे का इस्तेमाल

* आप अंडे और ऑलिव ऑयल के मिश्रण से घने बाल पाए जा सकते हैं. ऐसे में आप दोनों को मिलाएं और बने मिश्रण को 10 मिनट के लिए अपने बालों पर लगाएं. ऐसा करने से समस्या दूर हो सकती है. अंडे से बना ये हेयर मास्क न केवल जड़ों को पोषण दे सकता है बल्कि हफ्ते में इसे दो बार लगाने से बालों के टेक्सचर में सुधार आ सकता है.

* अंडा और एलोवेरा के इस्तेमाल से भी बालों की सेहत में सुधार

लाया जा सकता है. ऐसे में आप एक कोटरी में दोनों को मिलाएं और बने मिश्रण को 40 से 50 मिनट तक अपने सिर पर लगा रहने दें. इसके बाद माइल्ड शैंपू से धो लें. ऐसा करने से बालों से घना भी बनाया जा सकता है. इ हेयर मास्क के इस्तेमाल से न केवल बालों को बढ़ाया जा सकता है बल्कि बालों को स्वस्थ भी बनाया जा सकता है.

* मेहंदी और अंडे के इस्तेमाल से भी बालों की सेहत में सुधार लाया जा सकता है. ऐसे में आप एक कोटरी में दोनों को मिलाएं और बने मिश्रण को थोड़े समय के लिए अपने बालों में लगाएं. ऐसा करने से बालों की कई समस्याएं दूर हो सकती हैं. बता दें कि ये पेस्ट न केवल बालों को झड़ने से रोक सकता है बल्कि बालों की चमक भी बढ़ा सकता है.

संक्रामक होने के कारण टीबी एक सार्वजनिक बीमारी है निजी नहीं

कुलदीप सिंह सचदेवा ने एक्स-रे मशीनों जैसे हाथ से पकड़े जाने वाले उपकरणों के माध्यम से 'होम टू टेस्ट एंड होम टू ट्रीट' का विचार रखा, और समुदायों में सक्रिय मामलों का पता लगाना भारत में टीबी उन्मूलन की दिशा में अत्यधिक महत्वपूर्ण हो सकता है। हर साल 15 लाख लोगों की जान लेने वाली संक्रामक बीमारियों में से एक तपेदिक (टीबी) है, जो मानव सभ्यता के विकास के साथ लगभग 10000 वर्षों से मौजूद है। लेकिन बड़ी चुनौती इसकी संक्रामक प्रकृति के कारण इसके संचरण की श्रृंखला को तोड़ने में है। हाल ही में कोविड के बाद आए टीबी के मामलों को देखें तो, टीबी के कारण होने वाली मौतों की संख्या में दो दशकों से हो रही धीमी गिरावट को इस महामारी ने उलट दिया है।

टीबी उन्मूलन में सबसे बड़ी समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए, द यूनियन के अंतरिम कार्यकारी निदेशक, डॉ. (प्रो) गाय बी. मार्क्स कहते हैं, "संक्रामक होने के कारण टीबी एक निजी नहीं सार्वजनिक बीमारी है। यदि आप मधुमेह रोगी हैं, तो यह आपकी स्वास्थ्य समस्या है, आप इसे समुदाय में नहीं फैला सकते हैं, लेकिन यदि आपको टीबी है, तो आप इसे अनजाने में दूसरे लोगों में फैला सकते हैं क्योंकि यह आसानी से फैलती है। इसलिए, यह समग्र रूप से समाज की जिम्मेदारी है कि वह इसके उन्मूलन की दिशा में काम करे। भारतीय परिवेश में, सरकार को तीन स्तर पर काम करना होगा; a) सक्रिय टीबी के मामलों को ढूंढना, b) सभी लोगों की स्क्रीनिंग, c) टीबी को खत्म करने के लिए समुदायों को वित्तीय और चिकित्सा सहायता प्रदान करने में निवेश करना।" समाधान और भारत में टीबी उन्मूलन के प्रति

अपने दृष्टिकोण के बारे में बात करते हुए, डॉ कुलदीप सिंह सचदेवा, क्षेत्रीय निदेशक - द यूनियन साउथ-ईस्ट एशिया ने कहा, भारत में जो अभाव है वह है 'होम टू टेस्ट और होम टू ट्रीट' की प्रक्रिया, जिसे एक्स-रे मशीनों जैसे हाथ से पकड़े जाने वाले उपकरणों के माध्यम से किया जा सकता है। और समुदायों में सक्रिय मामलों का पता लगाना, और उन क्षेत्रों की पहचान करना जहां मामले अधिक संख्या में है, भारत में टीबी के उन्मूलन की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सक्रिय मामलों का पता लगाना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह संचरण की श्रृंखला को तोड़ने में सहायता करता है। टीबी उन्मूलन में बाधाओं के बारे में बात करते हुए, प्रो मार्क्स ने कहा, ₹टीबी उन्मूलन में बहुत सारी बाधाएं हैं जैसे सामुदायिक और राजनीतिक बाधाएं, टीबी से जुड़ा सामाजिक कलंक, और वायुजनित संक्रामक रोगों की सामुदायिक प्रकृति की अपर्याप्त पहचान। चूंकि टीबी एक छिपी हुई बीमारी है और पूरे समुदाय को संक्रमित करती है, इसलिए हमें हर किसी की जांच करने की जरूरत है क्योंकि हम नहीं जानते कि कौन संक्रमित है और कौन नहीं। सक्रिय टीबी के मामलों का पता लगाना एक बड़ी चुनौती है, इसलिए सरकार और लोगों को इस अभियान में एक साथ आना होगा।"

टीबी उन्मूलन के कारणों पर विस्तार से बताते हुए, डॉ सचदेवा कहते हैं, "जो कुपोषित हैं, उनमें टीबी से संक्रमित होने की आशंका 2-3 गुना अधिक होती है। इसके अलावा, जिन्हें कोई सहरूग्णता है जैसे मधुमेह, क्षतिग्रस्त फेफड़े या एचआईवी संक्रमण हैं वो टीबी के आसान शिकार होते हैं। इसी तरह, इनडोर वायु प्रदूषण और धूम्रपान से टीबी के संक्रमण का खतरा 2-4 गुना बढ़ जाता है। टीबी उन्मूलन के बारे में बात करते समय इन पहलुओं पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।"

टीबी उन्मूलन के समाधान के बारे में बात करते हुए, विशेष रूप से उन देशों में जहां इनके मामले काफी अधिक हैं, प्रो मार्क्स सुझाव देते हैं, ₹टीबी को रोकने के लिए, समुदाय में रहने वाले उन सभी लोगों को ढूंढना और उनका उपचार करना आवश्यक है जो सक्रिय टीबी के साथ जो फेफड़ों को प्रभावित करती है, बिना निदान और उपचार के जी रहे हैं। इसके बिना संचरण की श्रृंखला को बाधित करना बहुत कठिन है। इसके लिए सबसे प्रभावी रणनीति सक्रिय मामलों को ढूंढना, समुदाय-व्यापी स्क्रीनिंग के साथ-साथ प्रभावी मामलों पर ध्यान केंद्रित करना और पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण शामिल करना है। इसके अलावा, इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, हमें स्थानीय विचारकों को शामिल करते हुए समुदाय-व्यापी शिक्षा के माध्यम से टीबी के कलंक को दूर करने की आवश्यकता है क्योंकि लोगों को इस बारे में जानकारी होना जरूरी है कि वे न केवल अपनी मदद कर रहे हैं बल्कि अपने परिवार, पड़ोसियों, सहकर्मियों और समुदाय की भी मदद कर रहे हैं, दूसरों में टीबी के संक्रमण को फैलने से रोक कर।"

टीबी के भारतीय दृष्टिकोण के बारे में बात करते हुए, डॉ सचदेवा कहते हैं, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार हर दिन 4100 से अधिक लोग टीबी के कारण अपनी जान गंवाते हैं और ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2021 का अनुमान है कि टीबी के लगभग 26 लाख मामलों के साथ, वैश्विक और बहु-दवा प्रतिरोधी टीबी मामलों में भारत का 26 प्रतिशत योगदान है। हम भारत में टीबी उन्मूलन की दिशा में एक लंबा सफर तय कर चुके हैं क्योंकि हमारे पास टीबी को खत्म करने के लिए दवाईयां, और निदान के उपकरण हैं, और टीबी के 90 प्रतिशत से अधिक मामलों का उपचार किया जा चुका है। 2009 तक टीबी के उपचार में 2-3 साल लगते थे, लेकिन अब इसके उपचार में 6-9 महीने ही लगते हैं। हमारे पास भारत में टीबी उन्मूलन की सफलता की कहानियां हैं क्योंकि लक्षद्वीप (केंद्रशासित प्रदेश) और बडगाम (जम्मू-कश्मीर) जिले को पिछले साल टीबी मुक्त घोषित किया गया था।

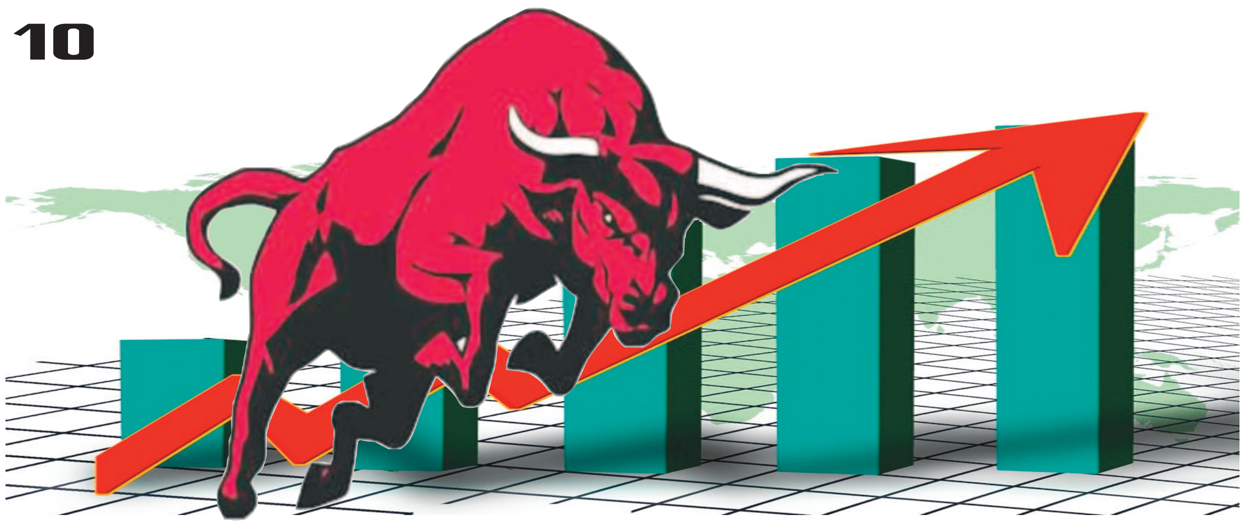

बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी

सेंसेक्स 146 अंक बढ़कर 59,107 पर बंद, निफ्टी 25 अंक चढ़ा

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को तेजी देखने को मिली।

सेंसेक्स 146 अंकों की तेजी के साथ 59,107 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 25 अंक बढ़कर 17,512 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में लगातार चौथे कारोबारी दिन यह तेजी आई। सेंसेक्स के 30 में से 10 शेयरों में तेजी देखने को मिली। वहीं 20 शेयरों में गिरावट रही।

रुपए में फिर रिकॉर्ड गिरावट

भारतीय रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर रिकॉर्ड स्तर तक लुढ़क गया। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड्स के भाव बढ़ने से डॉलर में फिर मजबूती आई है।

रुपया पिछले सत्र में 82.36 से नीचे गिरकर 82.7750 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया। बाजार बंद होते समय यह 83.03 के लेवल पर कारोबार करता दिखा, यह रुपये की अब तक की सबसे निम्नतम स्थिति है। रुपये की गिरावट पर निजी क्षेत्र के एक बैंक के एक व्यापारी ने कहा, ₹एक बार जब आरबीआई (भारतीय रिजर्व बैंक) 82.40 के स्तर से रुपये को सहारा देना बंद किया तो इसमें बिकवाली देखने को मिली।"

मंगलवार को भी तेजी में बंद हुआ था बाजार

इससे पहले मंगलवार को भी बाजार तेजी में बंद हुआ था। 18 अक्टूबर को सेंसेक्स 549 अंकों की तेजी के साथ 58,960 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 178 अंक बढ़कर 17,489 के स्तर पर बंद हुआ था।

दिवाली-धनतेरस से पहले सस्ता हुआ सोना-चांदी

50 हजार पर आया सोना, चांदी भी फिसलकर 56 हजार के नीचे आई

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनतेरस और दिवाली से पहले सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। सर्राफा बाजार में आज, यानी बुधवार को सोने की कीमत में गिरावट देखने को मिली है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 19 अक्टूबर को सर्राफा बाजार में सोना 227 रुपए सस्ता होकर 50,135 रुपए पर आ गया है।

कैरेट के हिसाब से सोने की कीमत

कैरेट	भाव (रुपए/10 ग्राम)
24	50,135
23	49,934
22	45,924
18	37,601

चांदी में आई गिरावट

अगर चांदी की बात करें तो इसमें भी आज गिरावट देखने को मिली है। सर्राफा बाजार में ये 245 रुपए सस्ती होकर 55,765 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। हालांकि, बीते दिनों इसकी कीमत में शानदार तेजी देखने को मिली थी।

सोना खरीदने से पहले इन पांच बातों का रखें ध्यान

धनतेरस और दिवाली पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। कई लोग इस दिन सोना खरीदकर निवेश की औपचारिक शुरुआत भी करते हैं। अगर आप भी धनतेरस या दिवाली पर सोना खरीदने या इसमें निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो इन 5 बातों का ध्यान जरूरी रखें।

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। साथ में प्यूरिटी कोड, टेस्टिंग सेंटर मार्क, ज्वैलर का मार्क और मार्किंग की डेट भी जरूर देख लें।

2. कीमत क्रॉस चैक करें

सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई स्रोतों (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

3. कैश पेमेंट न करें, बिल लें

सोना खरीदते वक्त कैश पेमेंट बड़ी गलती साबित हो सकती है। यूपीआई (जैसे भीम ऐप) और डिजिटल बैंकिंग के जरिये पेमेंट करना अच्छा रहता है। आप चाहें तो डेबिट या क्रेडिट कार्ड के माध्यम से भी पेमेंट कर सकते हैं। इसके बाद बिल लेना न भूलें। यदि ऑनलाइन ऑर्डर किया है तो पैकेजिंग जरूर चेक करें।

4. भरोसेमंद ज्वेलर से खरीदें

ठगी से बचने का सबसे अच्छा तरीका ये है कि सोना हमेशा भरोसेमंद ज्वेलर से ही खरीदें। ऐसे ज्वेलर्स टैक्स जैसे वैधानिक अनिवार्यता का सही तरीके से पालन करते हैं। चूक होने पर उन्हें ब्रांड वैल्यू गिरने की चिंता रहती है।

5. रिसेलिंग पॉलिसी जान लें

कई लोग सोने को निवेश की तरह देखते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आपको सोने की रिसेल वैल्यू के बारे में पूरी जानकारी हो। साथ ही संबंधित ज्वेलर की बायबैक पॉलिसी पर भी स्टोर कर्मचारियों से बातचीत कर लें।

भारत में मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस

स्टारलिंक ने डीओटी के पास लाइसेंस के लिए अप्लाई किया, दूर–दराज के इलाकों में भी मिलेगा हाईस्पीड इंटरनेट

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने भारत में सैटेलाइट बेस्ड ब्रॉडबैंड सर्विस देने के लिए लाइसेंस मांगा है। भारत में इन सर्विसेज के लिए ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट लाइसेंस जरूरी है।

इसे डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन प्रोवाइड करता है। स्टारलिंक ब्रांड के तहत मस्क की कंपनी स्पेसएक्स इन सर्विसेज को देती है। ईटी ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। स्टारलिंक जीएमपीसीएस लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाली तीसरी कंपनी है।

इससे पहले एयरटेल बैक्ड वनवेब और जियो की सैटेलाइट आर्म जियो स्पेस टेक्नोलॉजी इसके लिए आवेदन कर चुकी है। भारत के स्पेस इंटरनेट सेगमेंट के भीतर स्टालिंक के आने से एयरटेल, जियो और अमेजन को तगड़ा कॉम्पिटिशन मिलेगा।

स्टारलिंक ने पहले भी की थी कोशिश

स्टारलिंक की पिछले साल भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने की योजना थी और उसने मार्च 2021 के आसपास प्री-बुकिंग लेना शुरू कर दिया था। कंपनी ने भारत के दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) से ब्रॉडबैंड सेवाओं को डिलीवर करने के लिए मंजूरी मांगी थी। हालांकि, नवंबर 2021 में DoT ने यह कहते हुए हस्तक्षेप किया कि स्टारलिंक को भारत में काम करने के लिए सभी आवश्यक लाइसेंस प्राप्त करने होंगे।

प्री-बुकिंग राशि वापस की

डीओटी ने भारतीय यूजर्स को $99 (रू 7,500 प्रति पिछले वर्ष की विनिमय दरों) की प्री-बुकिंग राशि वापस करने का आदेश भी दिया था। 1 दिसंबर 2021 तक, स्टारलिंक ने सभी यूजर्स को रिफंड करते हुए, प्री-बुकिंग बंद कर दी थी।

कई अन्य अनुमतियों की भी जरूरत

भारत में सैटेलाइट बेस्ड बॉडबैंड सर्विस देने के लिए जीएमपीसीएस लाइसेंस के अलावा कई अन्य अनुमतियों की भी जरूरत होती है। स्टारलिंक को अपनी सर्विस प्रोवाइड करने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस से अप्रूवल और सैटेलाइट ब्रॉडबैंड के लिए स्पेक्ट्रम लेना होगा। चूंकि कंपनी को भारत में ग्राउंड बेस्ड सैटेलाइट गेटवेज की भी जरूरत होगी, इसलिए उसे इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथोराइजेशन सेंटर का भी अप्रूवल चाहिए होगा। ईवईआईएसपीए की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 तक ये मार्केट 13 अरब डॉलर का हो सकता है।

स्टारलिंक के पास सबसे बड़ा कॉन्स्टेलेशन

स्टारलिंक के पास दुनिया में सबसे बड़ा स्पेस ब्रॉडबैंड कॉन्स्टेलेशन है, जिसमें 3,451 सैटेलाइट लॉन्च किए गए हैं। इनमें से 2,700 से ज्यादा सैटेलाइट इस वक्त ऑपरेशन में हैं। कंपनी की 12,000 सैटेलाइट लॉन्च करने की योजना है।

वहीं एयरटेल के पास परसेंटेज डिप्लॉयड और कवरेज के मामले में सबसे डेवलप्ड सेटैलाइट कॉन्स्टेलेशन है। आकाश अंबानी के नेतृत्व वाली जियो ने सैटेलाइट इंटरनेट के लिए ग्लोबल सैटेलाइट ब्रॉडबैंड प्रोवाइडर SES के साथ हाथ मिलाया है।

यूक्रेन मामले से चर्चा में स्टारलिंक

स्टारलिंक हाल ही में युद्धग्रस्त यूक्रेन में इसके उपयोग के लिए चर्चा में रहा है, जहां इसकी कनेक्टिविटी का इस्तेमाल किया जा रहा है। हाल ही में, एलन मस्क ने ट्वीट किया था कि स्पेसएक्स स्टारलिंक के ऑपरेशन को अनिश्चित काल के लिए फंड नहीं कर सकता।

मस्क ने अमेरिकी सरकार से यूक्रेन में इंटरनेट सर्विस को जारी रखने के लिए फंडिंग करने के लिए कहा था। मस्क के अनुसार, वर्तमान में यूक्रेन में 25,300 टर्मिनल हैं, जिनमें से केवल 10,630 ही सर्विस के लिए पेमेंट कर रहे हैं। रूस-यूक्रेन में बीच फरवरी से जंग चल रही है।

इलेक्ट्रिक कारों के लिए कम ब्याज पर लोन

सामान्य कार लोन की ब्याज दर से 0.50% तक सस्ता कर्ज, 8% से कम दर पर लोन दे रहे बैंक

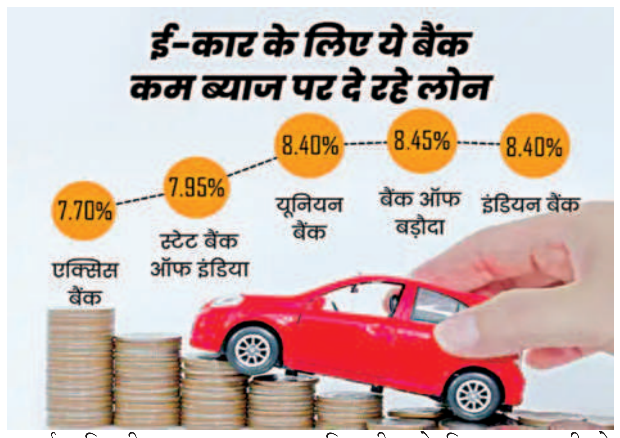

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और पर्यावरण संबंधी चिंता के चलते देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

कुछ महीनों से इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। एक तरफ जहां कंपनियां नए-नए मॉडल लॉन्च कर रही हैं, वहीं बैंक इलेक्ट्रिक कारों के लिए 0.50% तक कम दरों पर लोन ऑफर कर रहे हैं।

सस्ते लोन के अलावा भी कई ऑफर

सस्ते लोन के अलावा इस दिवाली इलेक्ट्रिक कार खरीदने वालों के लिए प्रमुख बैंकों ने न्यूनतम या जीरो प्रोसेसिंग फीस की भी पेशकश की है। बैंक अधिकारियों के मुताबिक, इलेक्ट्रिक कारें खरीदने के लिए आम वाहनों के मुकाबले ब्याज दरों में 0.10-0.50% तक छूट दी जा रही है। जहां सामान्य कारों के लिए SBI के लोन की ब्याज दर 7.80% से 8.65% है, वहीं ई-कारों के लिए ग्रीन कार लोन की दर 7.95% से 8.30% है। अलग-अलग बैंकों की लोन राशि और अवधि में अंतर हो सकता है।

लोन पर मिलता है टैक्स छूट का लाभ

धारा 80 ईईबी के मुताबिक, यदि किसी ने लोन लेकर इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदा है तो चुकाए गए ब्याज पर 1.50 लाख रुपए तक की कटौती मिलती है। यह छूट निजी इस्तेमाल और बिजनेस, दोनों उद्देश्यों के लिए खरीदे गए ई-वाहन पर मिलती है।

इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर सब्सिडी का फायदा

इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदने पर अधिकतम 1.5 लाख की सरकारी सब्सिडी भी मिलती है। सब्सिडी व्हीकल की बैटरी क्षमता पर निर्भर करती है। केंद्र सरकार की इस सुविधा के अलावा ग्राहक ईवी पर राज्य सरकारों की सब्सिडी का भी फायदा उठा सकते हैं।

नई लॉन्चिंग बढ़ी

एक्सिस बैंक रिटेल लेंडिंग एंड पेमेंट् के ग्रुप एग्जिक्यूटिव एंड हेड सुमित बाली कहते हैं कि कंपनियां ईवी के नए-नए मॉडल लॉन्च कर रही हैं।

अब ये कारें ज्यादा किफायती हो गई हैं। बैंक भी ईवी की खरीद पर आकर्षक लोन ऑफर कर रहे हैं।

एचडीएफसी बैंक में है खाता तो ये है आपके काम की खबर, पैसा जमा करने पर लगेगा ज्यादा चार्ज

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। एचडीएफसी बैंक की बेवसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार करंट अकाउंट यानी चालू खातों, असेट करेंट अकाउंट, रेग्युलर करंट अकाउंट, ई-कॉमर्स करंट अकाउंट, प्रोफेशनल करंट अकाउंट, एग्री करंट अकाउंट, ट्रेड करंट अकाउंट आदि खातों पर लगने वाले चार्ज बढ़ाए गए हैं।

अगर आपका खाता भी देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी में हे तो यह खबर आपके काम की साबित हो कसती है। एचडीएफसी बैंक से हर दिन करोड़ों लोग लेनदेन करते हैं ऐसे में बैंक के इस नए फैसले का असर उन सब पर पड़ने वाला है। दरअसल एचसीएलआर आधारित ऋणों पर ब्याज दर बढ़ाने के बाद

अब बैंक ने खातों में नकद जमा करने पर लगने वाले चार्ज को भी बढ़ाने का फैसला किया है। बैंक का यह निर्णय एक नवंबर से लागू हो जाएगा। कैश डिपाजिट के लिए फ्री लिमिट खत्म होने के बाद ये चार्ज वसूले जाएंगे।

एचडीएफसी बैंक की बेवसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार अधिकतर चार्ज करंट अआउंट यानी चालू खातों, असेट करेंट अकाउंट, रेग्युलर करंट अकाउंट, ई-कॉमर्स करंट अकाउंट, प्रोफेशनल करंट अकाउंट, एग्री करंट अकाउंट, ट्रेड करंट अकाउंट, फ्लैक्सी करंट अकाउंट, अस्पतालों/नर्सिंग होम, मर्चेंट एडवांटेज करंट अकाउंट आदि खातों पर लगाए जाएंगे। पहले घोषित फ्री लिमिट खत्म होने के बाद 3 रुपये प्रति एक हजार या कम से कम 50 रुपये एक ट्रांजेक्शन पर लिए जाते थे। लेकिन अब 1 नवंबर से बैंक की तरफ से प्रति एक हजार रुपये पर 3.5 रुपये वसूले जाएंगे। हालांकि प्रति ट्रांजेक्शन लगने वाला चार्ज 50 रुपये ही रहेगा। एचडीएफसी की ओर से यह भी साफ कर दिया गया है कि ये चार्जेज सिर्फ उन चालू खातधारकों के लिए बढ़ाया गया है जिन्होंने कोई खास सर्विस ली हुई है। बचत खाताधारकों पर लगने वाले चार्जेज में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया है।

खाने के तेल की बढ़ी कीमतें

त्योहारों में बढ़ी मांग का दिखा असर

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाजार के जानकारों के मुताबिक त्योहार के करीब आने के साथ ही खाने के तेल की मांग में बढ़त देखने को मिल रही है, जिसका असर खाद्य तेल की कीमतों पर है.

खाने के तेल की थोक कीमतों में आज बढ़त का रुख रहा है. कीमतों में आज की तेजी विदेशी बाजारों से मिले संकेतो के साथ साथ त्योहारों में बढ़ी हुई मांग की वजह से देखने को मिला है. बाजार के जानकारों के अनुसार विदेशी बाजारों में मजबूती के रुख और बढ़ती हुई मांग के कारण दिल्ली तेल तिलहन बाजार में मंगलवार को लगभग सभी खाद्यतेल कीमतों में सुधार का रुख रहा. बाजार सूत्रों ने बताया कि नजदीक आते दीवाली त्यौहार के कारण खाद्य तेलों की मांग बढ़ी हैं, जिससे दिल्ली तेल तिलहन बाजार में ज्यादातर खाद्य तेलों के भाव बढ़त के साथ बंद हुए हैं.

बाजार के सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को मलेशिया एक्सचेंज में तीन प्रतिशत की तेजी रही. वहीं शिकॉगो एक्सचेंज भी कल रात दो प्रतिशत तेज था. फिलहाल यह एक प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है. वहीं सरकार ने मंगलवार को मौजूदा फसल मार्केटिंग वर्ष के लिए सरसों और सूरजमुखी के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को 400 रुपये बढ़ा दिया है. अब सरसों का दाम बढ़कर 5,450 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है. सरकार के एक बयान के मुताबिक, किसानों के उत्पादन और आय को बढ़ावा देने के लिए यह फैसला किया गया.

रीटेल कीमतों पर भी दबाव कायम

सूत्रों ने मुताबिक, सरकार जब तक सूरजमुखी तेल के आयात पर 20 लाख टन की कोटे की सीमा को खत्म नहीं करेगी तब तक इस तेल की आपूर्ति कम रहेगी और इनके दाम ऊंचे बनें रहेंगे. उन्होंने कहा कि सरकार के इस निर्णय से राजस्व का नुकसान हो रहा है. साथ ही उपभोक्ताओं को सूरजमुखी तेल के लिए लगभग 20-30 रुपये प्रति लीटर अधिक देने पड़ रहे हैं. सूत्रों का कहना है कि सरकार को सूरजमुखी और सोयाबीन डीगम के आयात की सीमा को खत्म कर देनी चाहिए या पहले की तरह शुल्क लगा देनी चाहिए.

खेती में ड्रोन को बढ़ावा देने से मिलेंगे 5 लाख नए रोजगार

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का अनुमान

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अगले कुछ वर्षों में ड्रोन और उससे जुड़े उपकरणों के उद्योग में 50 अरब डॉलर तक का निवेश आ सकता है. वहीं तकनीक के इस्तेमाल से भारत की कृषि उपज बढ़ सकती है.

घरेलू एग्री सेक्टर में ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ने से न केवल लाखों की संख्या में रोजगार मिलेंगे साथी ही देश की अर्थव्यवस्था में सिर्फ इस एक बदलाव से एक प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ देखने को मिल सकती है. वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की एक रिपोर्ट में ये अनुमान दिया गया है. फोरम ने मंगलवार को कहा कि भारतीय कृषि में तकनीक के आधार पर होने वाले बदलाव के केंद्र में ड्रोन को रखने से कुछ वर्षों में देश की जीडीपी में एक-डेढ़ प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है और पांच लाख से अधिक रोजगार भी पैदा होने की उम्मीद है.

डब्ल्यूईएफ इस रिपोर्ट में भारतीय कृषि के ड्रोन-आधारित बदलावों की संभावनाओं की रूपरेखा पेश की गई. इस रिपोर्ट को डब्ल्यूईएफ के भारत में चौथी औद्योगिक क्रांति सेंटर ने अडाणी समूह के साथ मिलकर तैयार किया है.

फोरम ने कहा कि इस रिपोर्ट में सैन्य एवं असैन्य तकनीकों के मेल से विकसित ड्रोन के इस्तेमाल की संभावनाओं को भी परखा गया है. इसमें डिजिटल तकनीक, एनालिटिक्स, डिजिटल फाइनेंसिंग और स्थानीय हितधारक के प्रयास पर भी जोर दिया गया है. रिपोर्ट कहती है, 'एविएशन सेक्टर सबसे

ज्यादा रेग्युलेशन वाला सेक्टर है. ऐसे में मानव-रहित एविएशन को बढ़ावा देने में भारत के साहसिक एवं सोचे-समझे हुए नजरिये को तमाम हितधारकों ने पसंद किया है.

डब्ल्यूईएफ के परियोजना प्रमुख (विमान निर्माण एवं ड्रोन-भारत) विग्नेश संथानम ने कहा इसका अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए ड्रोन को मुख्य कृषि उपकरणों का हिस्सा बनाना होगा. ट्रैक्टर, हल, जुताई और कटाई करने वाले उपकरणों के साथ ड्रोन को भी शामिल कर देने से हमारे खेतों को ताकत मिलेगी.

ट्रेन के सफर के लिए बजट की नहीं होगी टेंशन

आईआरसीटीसी की इस नई सुविधा से ईएमआई पर चुकाएं किराया

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऐसे लोग जिनके खाते में किसी भी वजह से टिकट बुक कराने के पैसे न हों. या फिर उनका ट्रेन से सफर का बिल काफी बन रहा हो. इस सुविधा के मदद से किराया चुका सकते हैं.

ट्रेन के सफर के लिए बजट की नहीं होगी टेंशन, आईआरसीटीसी की इस नई सुविधा से ईएमआई पर चुकाएं किरायाआज करें सफर बाद में चुकाएं किराया

पूरी फैमिली के साथ ट्रेन के फर्स्ट क्लास में सफर का मन है, या फिर देश की किसी प्रीमियम ट्रेन से घूमने की इच्छा है लेकिन बजट साथ नहीं दे रहा तो टेंशन न लें. टिकट बुक करें और इस टिकट के पैसे बाद में चुका दें. जी हां ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की इस सफल रणनीति को आईआरसीटीसी भी भुनाने जा रहा है. ट्रैवल नाओ पे लेटर की इस सुविधा के तहत आप बिना पैसे का भुगतान किए रेलवे का टिकट बुक करा सकते हैं जिसके बाद आप अपने हिसाब से इस पैसे को चुका सकते हैं.

क्रूड में दिखी नरमी, कहां पहुंची पेट्रोल और डीजल की कीमतें

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी बनी हुई है. हालांकि कीमतें एक निश्चित स्तर से नीचे नहीं जा रही हैं. फिलहाल ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के आसपास ही कारोबार कर रहा है.

कच्चा तेल एक बार फिर 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया है. हालांकि कीमतों में गिरावट का फायदा फिलहाल आम लोगों को नहीं मिला है. तेल कंपनियों ने 19 अक्टूबर के लिए पेट्रोल और डीजल के भाव जारी कर दिए हैं और कीमतें पिछले स्तरों पर ही स्थिर बनी हुई हैं.राजधानी दिल्ली में पेट्रोल का भाव 96 रुपये प्रति लीटर से ऊपर है वहीं मुंबई, कोलकाता में भाव 106 रुपये और चेन्नई में 102 रुपये प्रति लीटर से ऊपर बना हुआ है. कीमतें 22 मई से स्थिर बनी हुई हैं.

दिल्ली में पेट्रोल का भाव 96.72 रुपए प्रति लीटर है. आर्थिक राजधानी मुंबई में एक लीटर पेट्रोल का भाव 106.35 रुपए, कोलकाता में 106.03 रुपए और चेन्नई में 102.63 रुपए है. वहीं डीजल की बात करें तो दिल्ली में एक लीटर डीजल का भाव 89.62 रुपए, मुंबई में 94.28 रुपए, कोलकाता में 92.76 रुपए और चेन्नई में 94.24 रुपए है.

अंबाला बस स्टैंड के टॉयलेट में मिला बच्चा

अंबाला, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में अंबाला कैंट बस स्टैंड के टॉयलेट में नवजात बच्चा मिला। महिला यात्री ने रोडवेज विभाग के कर्मचारियों को इसकी सूचना दी। रोडवेज कर्मचारी ने मासूम को टॉयलेट से बरामद किया और लाल कुर्ती पुलिस को तुरंत सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मासूम को तुरंत सिविल अस्पताल अंबाला कैंट में भर्ती कराया। यहां नवजात को डॉक्टरों ने पीलिया बताया है। डॉक्टरों के मुताबिक, बच्चा 4-5 दिन का है। उधर, पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली है, लेकिन मासूम को टॉयलेट में छोड़कर जाने वाले का सुराग नहीं लगा है। मासूम तौलिए में लिपटा हुआ था।

हिंदुओं के लिए जो करते हैं उसका नहीं होता प्रचार

बदनाम हो रहा बांग्लादेश; क्यों बोलीं शेख हसीना

ढाका, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने देश के हिंदू समुदाय से कहा है कि वे खुद को अल्पसंख्यक न समझें। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में सभी लोग अपने धर्म से इतर समान अधिकार रखते हैं। उन्होंने हिंदू समुदाय का जिक्र करते हुए कहा कि आप लोगों के पास भी उतने ही अधिकार हैं, जितने मेरे पास हैं। ढाका के ढाकेश्वरी मंदिर की ओर से आयोजित एक वर्चुअल इवेंट में हिस्सा लेते हुए शेख हसीना ने यह बात कही।

उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि सभी धर्मों के लोग समान अधिकारों के साथ रहें। यदि आप देश के नागरिक हैं तो फिर आपके अधिकार समान हैं। आपके पास वही अधिकार हैं, जो मेरे पास हैं।'

कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर हिंदू समुदाय को शुभकामनाएं देते हुए शेख हसीना ने कहा कि आप लोग खुद को कमतर न समझें। उन्होंने कहा कि यदि देश के सभी लोग इसी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो फिर किसी भी धर्म के खराब लोग सद्भाव को खराब नहीं कर सकेंगे। हमें यह भरोसा रखना होगा और एकता के साथ आगे बढ़ना होगा। हालांकि उन्होंने हिंदुओं के एक वर्ग की निंदा भी की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हैं, जो यह दिखाना चाहते हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं की हालत बहुत खराब है। शेख हसीना ने कहा, 'मैं एक बात बहुत दुख के साथ कहना चाहती हूं कि देश में जब भी कोई घटना होती है तो कुछ लोग देश और विदेश में यह फैलाने की कोशिश करते हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं की हालत खराब है और उनके पास कोई अधिकार नहीं हैं।'

उन्होंने कहा कि देश में कोई भी घटना होती है तो सरकार उस पर तत्काल ऐक्शन लेती है। शेख हसीना ने कहा, 'सरकार ऐक्शन लेती है, लेकिन इसके बाद भी यह प्रचारित किया जाता है कि यहां हिंदुओं के पास कोई अधिकार नहीं हैं। लेकिन सरकार की ओर से जो ऐक्शन लिया जाता है, उस पर कोई बात नहीं होती।' उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा भी हुआ है कि जब ऐक्शन लिया गया तो मंदिर की रक्षा करते हुए पुलिस फायरिंग में मुस्लिम मारे गए। ऐसी भी घटनाएं इस देश में हुई हैं। उन्होंने कहा कि ढाका में दुर्गा पूजा के पंडाल पश्चिम बंगाल या कोलकाता से भी ज्यादा हैं। यहां दुर्गा पूजा बड़े पैमाने पर मनाई जाती है।

फ्लाइट के बिजनेस क्लास में सांप मिलने से हड़कंप

जर्सी, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्लोरिडा के टाम्पा शहर से न्यू जर्सी के लिए उड़ान भर रही फ्लाइट में सांप मिलने से हड़कंप मच गया। यात्रियों ने सांप देखने के बाद चालक दल को सतर्क किया। इस घटना से सभी यात्री दहशत में आए गए। लिबर्टी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग के बाद सांप को पकड़ने के लिए एक्सपर्ट को बुलाया गया। बाद में उसे जंगल में छोड़ दिया गया। बयान के मुताबिक, सांप ने किसी भी यात्रा को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाया। वाशिंगटन मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए बताया कि बिजनेस क्लास में उड़ान भरने वाले यात्रियों ने लैंडिंग के वक्त सांप को देखा। इसके बाद यात्रियों ने चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया। न्यू यॉर्क पोस्ट ने सिंपल फ्लाइंग का हवाला देते हुए कहा कि सांप को हटा दिए जाने के बाद यात्रियों को उनके सामान के साथ उतारा गया। फ्लोरिडा म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री का हवाला देते हुए कहा कि यह गार्टर स्नेक हर फ्लोरिडा काउंटी में पाया जाता है।

यह जहरीला नहीं होता है। यह सांप आमतौर पर 18 से 26 इंच लंबा होता हैं। छेड़छाड़ करने पर ही यह सांप इंसान को काटता है। इससे पहले फरवरी में मलेशिया में एयरएशिया की एक फ्लाइट में भी इसी तरह की घटना हुई थी।

नहीं खत्म हो रहा चीन का पाक प्रेम

अब शाहिद महमूद को वैश्विक आतंकी घोषित करने पर लगाया रोड़ा

बीजिंग, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन ने भारत और अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के नेता शाहिद महमूद को वैश्विक आतंकवादी के रूप में सूचीबद्ध करने के प्रस्ताव पर रोक लगा दी है। यह चौथा मामला है जब ड्रैगन ने आतंकवादियों को ब्लैकलिस्ट करने से इंकार कर दिया है।

चीन लगातार दे रहा पाकिस्तान का साथ

दरअसल, चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति के तहत महमूद को वैश्विक आतंकवादी के रूप में नामित करने के भारत और अमेरिका के प्रस्ताव पर रोक लगा दी थी। इतने महीनों में यह चौथी बार है जब चीन ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को वैश्विक आतंकी घोषित करने के प्रस्तावों को सूचीबद्ध करने पर रोक लगा दी है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने दिसंबर 2016 में महमूद को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया था।

इससे पहले खूंखार आतंकी साजिद मीर को ब्लैकलिस्ट करने पर लगाई थी रोक

पाकिस्तान को आतंकवाद के लिए चीन का खुला मानो समर्थन है। इसी कारण वह मुंबई के 26/11 हमले समेत तमाम आतंकी घटनाओं में लिप्त आतंकियों को यूएन के घोषित आतंकियों की सूची में शामिल करने पर रोड़े डालता रहता है। इसी तरह साजिद मीर को जब वैश्विक आतंकी घोषित करने की बात आई तो इसमें भी चीन ने फिर रोड़ा अटका दिया।

किसी को वैश्विक आतंकी घोषित करने से क्या होता है?

1267 कमेटी अगर किसी को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी या आतंकवादी संगठन घोषित करती है तो सभी देश उसके खिलाफ कठोर रवैया अपनाते हैं। साथ ही उस व्यक्ति या संगठन के लोगों पर विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। इसके अलावा उसकी गिरफ्तारी के आदेश के साथ-साथ उसकी संपत्ति जब्त की जा सकती है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 2023 की शुरुआत में करेंगे भारत दौरा

परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अगले साल की शुरुआत में भारत का दौरा करेंगे. उनका यह दौरा महाराष्ट्र के जैतापुर में 1,650 मेगावाट क्षमता के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण पर नए सिरे से जोर दिए जाने के बीच होगा. फ्रांस की मंत्री क्रिसौला जाचारोपोलू ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह के साथ एक बैठक के दौरान कहा कि मैक्रों का '2023 की शुरुआत' में भारत आने का कार्यक्रम है.

क्रिसौला को भरोसा दिलाया

इस दौरान सिंह ने क्रिसौला को भरोसा दिलाया कि जैतापुर परियोजना से संबंधित तकनीकी, वित्तीय और असैन्य परमाणु दायित्व के मुद्दों को दोनों पक्षों द्वारा जल्द से जल्द और मैक्रों की निर्धारित यात्रा से बहुत पहले सुलझा लिया जाएगा.

परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना

भारत ने महाराष्ट्र के रत्नागिरी स्थित जैतापुर में 1,650 मेगावाट क्षमता के छह परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण की घोषणा की है, जो 9,900 मेगावाट की कुल क्षमता के साथ देश में सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा स्थल के रूप में उभर सकता है. एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, सिंह और क्रिसौला ने जैतापुर में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना में तेजी लाने के उपायों पर चर्चा की.

एमपी में 12 सौ के पार हुए डेंगू के मामले

भोपाल में सबसे ज्यादा केस, ग्वालियर विदिशा में तेजी से बढ़ रहे मरीज

भोपाल, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मप्र में डेंगू के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। प्रदेश भर में डेंगू के मरीजों की संख्या 1246 पहुंच गई है। सबसे ज्यादा हालात राजधानी में खराब हैं। भोपाल में अब तक 271 मरीज मिल चुके हैं दूसरे नंबर पर ग्वालियर में 201 केस मिल चुके हैं। तीसरे नंबर पर विदिशा में मामले तेजी से बढ़ रहे हैं विदिशा में अब तक डेंगू के 165 मामले सामने आ चुके हैं। जबलपुर में 106, इंदौर में 72, मुरैना में 64, रीवा, दमोह में 41, रायसेन, सिवनी में 27, दतिया में 22, सागर में 20, धार में 17, भिंड में 15, खरगोन, सीहोर में 12, रतलाम में 9, बुरहानपुर, कटनी, होशंगाबाद में 8, मंदसौर, हरदा, राजगढ़, सतना में 7, शिवपुरी, श्योपुर, उमरिया में 6, अलीराजपुर, बैतूल,सीधी, शहड़ोल, पन्ना, डिंडोरी में 5, देवास, सिंगरौली में 4, टीकमगढ़, नरसिंहपुर में 3, अशोकनगर, अनूपपुर, छतरपुर, मंड़ला में दो-दो और बड़वानी, गुना में एक-एक डेंगू का मरीज मिल चुका है।

भोपाल में पिछले तीन सालों में डेंगू के मामले

डेंगू के मरीज सबसे ज्यादा राजधानी भोपाल में बढ़ रहे हैं। हालांकि अफसर कहते हैं कि डेंगू के मामले कंट्रोल में हैं। जिला मलेरिया कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक साल 2019 में सबसे ज्यादा 1024 मामले आए थे। इसके बाद 2020 में महज 94 डेंगू के मरीज मिले। 2021 में 585 डेंगू के मरीज मिले थे। वहीं इस साल जनवरी से अब तक 284 मरीज मिल चुके हैं। अफसरों का दावा है कि डेंगू से इस साल एक भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

सऊदी अरब में अमेरिकी नागरिक को ट्वीट करना पड़ा भारी, कोर्ट ने सुनाई 16 साल की सजा

रियाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब में एक अमेरिका के नागरिक को 16 साल की जेल की सजा मिली है. कसूर इतना था कि उसने सऊदी सरकार के खिलाफ एक ट्वीट कर दिया था. पहले इस नागरिक को गिरफ्तार किया गया, फिर उसे प्रताड़ित भी किया गया और 16 साल की जेल की सजा सुनाई गई. इस बात की जानकारी उसके बेटे ने मंगलवार, 18 अक्टूबर 2022 को दी.

ये अमेरिकी नागरिक फ्लोरिडा का रहना वाला है. इनकी उम्र 72 साल है और नाम साद इब्राहिम अलमादी है. वो एक रिटायर्ट प्रोजेक्ट मैनेजर हैं. साद इब्राहिम अलमादी को पिछले साल नवंबर में गिरफ्तार किया गया था और इस महीने की शुरुआत में सजा सुनाई गई है. हालांकि अलमादी का जन्म सऊदी अरब में ही हुआ था लेकिन वो अमेरिका के भी नागरिक हैं.

अमेरिका ने सऊदी सरकार के सामने उठाया मुद्दा

इस मामले पर विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा है कि हमने सऊदी सरकार के सामने अपनी चिंताओं को रखा है. इसको लेकर बातचीत जारी है. हमने कल भी इस मुद्दे को उठाया था. उन्होंने अलमादी को हिरासत में लिए जाने की पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल करना कभी भी अपराध नहीं होना चाहिए.

सऊदी में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाने की मिली सजा

अलमादी के बेटे इब्राहिम ने वॉशिंगटन पोस्ट को बताया कि अलमादी पिछले साल नवंबर के महीने में फ्लोरिडा से सऊदी अरब अपने परिवार से मिलने गए थे. उन्हें एयरपोर्ट पर ही गिरफ्तार कर लिया गया. उन पर इल्जाम लगाया गया कि पिछले 7 सालों में सऊदी सरकार के खिलाफ 14 ट्वीट किए हैं.

दुबई के बाद अब अबु धाबी में विशाल हिंदू मंदिर

यूएई के राजनयिक ने बंधवाया कलावा और किए दर्शन

अबु धाबी, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूएई की राजधानी अबु धाबी में अब एक विशाल हिंदू मंदिर का निर्माण हो रहा है। हाल ही में दुबई में एक मंदिर को भक्तों के लिए खोला गया है। अब यूएई, खाड़ी का वह देश बनने जा रहा है जहां पर एक विशाल स्वामीनारायण मंदिर होगा। यूएई में भारत के राजदूत की मानें तो यह मंदिर सहिष्णुता का नया उदाहरण है। साथ ही यहां पर बसे हिंदु समुदाय को उनके घर में होने का अहसास कराएगा। भारत में तैनात यूएई के राजदूत हसन सजवानी ने भी अपने इस मंदिर भ्रमण की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं।

27 एकड़ की जमीन पर मंदिर

इस साल मई में जब भारत ने यूएई के साथ विस्तृत आर्थिक साझेदारी समझौता साइन किया था तो दोनों देशों के रिश्ते नए मुकाम पर पहुंचे थे। यूएई में इस समय 35 लाख भारतीय रहते हैं। दुबई में सन 1950 में पहला हिंदू मंदिर खुला था। उस समय वहां की अथॉरिटीज की तरफ से इस मंदिर के लिए 15 एकड़ की जमीन दान में दी गई थी।

वह मंदिर भारतीय और इस्लामिक आर्किटेक्चर का उदाहरण था

इस मंदिर का इसी महीने फिर से उद्घाटन किया गया था और यूएई के टॉलरेंस मिनिस्टर शेख नाहन बिन मुबारक ने इसकी इनॉग्रेशन किया था। नाहन ने उस समय कहा था कि जब इस नए मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा तो भारत के साथ सहयोग और बढ़ जाएगा। उनकी मानें तो भारत और यूएई के बीच सांस्कृतिक सहयोग काफी गहरा है और यह आने वाले समय में और मजबूत होगा।

नया मंदिर 27 एकड़ की जमीन पर बन रहा है।

साल 2019 में यूएई के तीन मंत्रियों की मौजूदगी में मंदिर का शिलान्यास किया गया था। यह मंदिर दुबई-अबु धाबी शेख जायद हाइवे के करीब अबु मुरेख में स्थित है। मंदिर, मिडिल ईस्ट का पहला मंदिर होगा जो पारंपरिक तौर पर पत्थरों से निर्मित होगा। इस मंदिर को यूएई और भारत के शिल्पकारों की मदद से तैयार किया जा रहा है। मंदिर के कॉम्प्लेक्स में प्रार्थना हॉल के अलावा प्रदर्शनी हॉल, बच्चों के खेलने की जगह, थीम बेस्ड गार्डन, फौव्वारे, फूड कोर्ट के साथ ही साथ किताबों और गिफ्ट की शॉप भी होगी।

साल 2024 में उद्घाटन

साल 2015 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पहले आधिकारिक दौरे पर यूएई गए थे तो उस समय ही इस मंदिर के लिए जमीन देने का ऐलान किया गया था। यह मंदिर दिल्ली और न्यू जर्सी में स्थित अक्षरधाम मंदिर के जैसा ही नजर आने वाला है। मंदिर साल 2024 में खुलेगा लेकिन इससे पहले ही यहां पर श्रद्धालु आने लगे हैं। मंदिर को राजस्थान के गुलाबी पत्थरों से बनाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इसके निर्माण पर 888 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्च आने वाला है।

न्यूयॉर्क में चिकन बिरयानी नहीं मिलने पर रेस्टोरेंट फूंका

न्यूयॉर्क, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में एक बांग्लादेशी रेस्टोरेंट में खाना खाने गए शख्स ने वहां आग लगा दी। उसने ऐसा सिर्फ इसलिए किया क्योंकि रेस्टोरेंट में उसे उसके पसंद का खाना नहीं मिला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। न्यूयॉर्क पुलिस के एक अधिकारी ने कहा- घटना क्वीन्स इलाके की है। यहां एक जैकसन हाइट्स में साउथ एशियन कम्युनिटी रहती है। इसी जगह एक बांग्लादेशी रेस्टोरेंट है। 49 साल के चोफेल नोरबु को चिकन बिरयानी नहीं मिली इसलिए उसने गुस्से में रेस्टोरेंट में आग लगा गी। जिस वक्त आग लगाई गई उस समय रेस्टोरेंट बंद था। किसी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ।

अमेरिका से झगड़े में सऊदी अरब के साथ पाक घाटा उठाकर भी क्यों कर रहा समर्थन

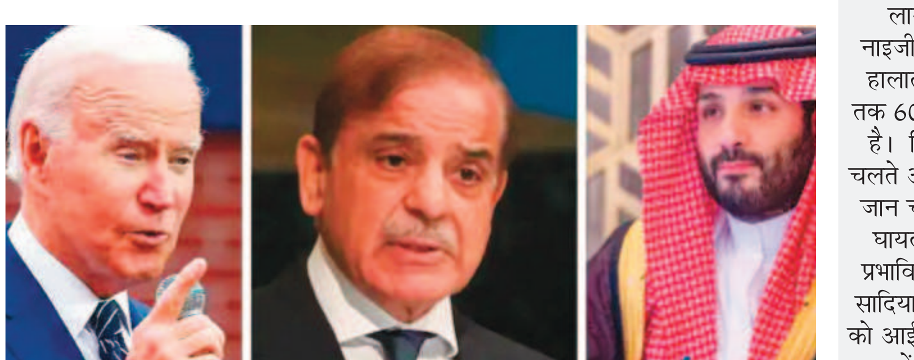

इस्लामाबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती के फैसले को लेकर बीते कुछ दिनों से अमेरिका और सऊदी अरब के बीच तनाव पैदा हो गया है। अमेरिका ने सऊदी अरब से अपने रिश्तों की समीक्षा करने की बात कही है। दोनों देशों के बीच यह विवाद तब बढ़ा था, जब सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व वाले तेल उत्पादक देशों के संगठन ने क्रूड के प्रोडक्शन में 2 मिलियन बैरल प्रति दिन की कटौती का फैसला लिया गया। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट को रोकने के मकसद यह फैसला लिया गया है, जिससे वैश्विक मंदी की आशंका भी बढ़ी है।

इस बीच पाकिस्तान ने सऊदी अरब का ही समर्थन किया है, जबकि उसके लिए सप्लाई में कटौती से मुश्किल बढ़ने वाली है। कटौती होने से पाकिस्तान को कच्चे तेल के लिए ज्यादा भुगतान करना होगा और उससे उस पर चल रहा कर्ज का बोझ और बढ़ जाएगा। इसके बाद भी पाकिस्तान ने सऊदी अरब का समर्थन किया है। शहबाज शरीफ सरकार ने कहा, 'ओपेक प्लस देशों के निर्णय के संदर्भ में सऊदी किंगडम के खिलाफ जो कहा गया है, उसमें हम उनके साथ हैं। हम सऊदी अरब के नेतृत्व के प्रति अपना समर्थन जाहिर करते हैं।' पाकिस्तान की ओर से बयान में कहा गया कि हम सऊदी अरब की चिंताओं को समझते हैं। वैश्विक आर्थिक स्थिरता और मार्केट में हलचल को रोकने के लिए यह जरूरी कदम है।

पाक ने अमेरिका और सऊदी को दी बातचीत की सलाह

यही नहीं पाकिस्तान ने अमेरिका और सऊदी अरब को सलाह दी है कि ऐसे मामलों में रचनात्क ढंग से व्यवहार करते हुए बातचीत करनी चाहिए। दरअसल पाकिस्तान के मामलों की जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि इमरान खान के चलते शहबाज सरकार ने यह फैसला लिया है। इमरान खान आरोप लगाते रहे हैं कि शहबाज शरीफ सरकार अमेरिका के इशारे पर काम कर रही है। अपनी सरकार गिरने को लेकर भी इमरान खान ने अमेरिका से साजिश रचे जाने का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि मेरी सरकार को हटाने का फैसला अमेरिका से लिया गया था।

कर्ज का बोझ पाकिस्तान पर और बढ़ेगा, फिर भी सऊदी के साथ

ऐसे में शहबाज शरीफ ने अमेरिका की बजाय सऊदी अरब का ही समर्थन करने का फैसला लिया है। सऊदी अरब को पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति में मुस्लिग जगत के रहनुमा के तौर पर पेश किया जाता रहा है। ऐसे में शहबाज शरीफ ने आंतरिक राजनीति में बढ़त के लिए सऊदी कार्ड चला है। हालांकि कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती के चलते दाम बढ़ने की आशंका है और इससे पाकिस्तान पर भी कर्ज का बोझ बढ़ सकता है।

नाइजीरिया में बाढ़, 2 महीने में 603 लोगों की मौत

82 हजार घर पूरी तरह से तबाह भुखमरी का दंश झेल रहा नाइजीरिया

लागोस, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। नाइजीरिया बाढ़ और बारिश से बेहाल है। हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि अब तक 600 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारी बारिश के चलते आई बाढ़ से अब तक 603 लोगों की जान चली गई है। 2,400 से ज्यादा लोग घायल हैं। करीब 25 लाख लोग इससे प्रभावित हुए हैं। मानवीय मामलों के मंत्री सादिया उमर फारूकी ने कहा- 16 अगस्त को आई बाढ़ से 2,72,000 एकड़ खेतों की फसलें नष्ट हो गई हैं। इससे खाद्य आपूर्ति बाधित होने का संकट बढ़ गया है। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम और यूएन फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन ने पिछले महीने कहा था- नाइजीरिया उन 6 देशों में शामिल है जो भुखमरी का विनाशकारी दंश झेल रहा है।

लोकल एडमिनिस्ट्रेशन घरों से हजारों लोगों को निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने में लगा हुआ है।

मानवीय मामलों के मंत्री सादिया उमर फारूकी ने बताया कि 2 लाख से ज्यादा घरों को नुकसान हुआ है। इनमें से 82 हजार घर पूरी तरह से तबाह हो गए हैं।

बाढ़ से सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्यों में से एक अंम्बरा है। यहां सड़कों और घरों के अंदर पानी भर गया है।

नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी का कहना है कि बारिश का मौसम जून के आसपास शुरू होता है, अगस्त के बाद से बारिश ने विकराल रूप दिखाना शुरू किया।

खड़गे के गांव से अनसुनी कहानी

मां सामने जिंदा जला दी गईं, जंगल में रहे

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। 80 साल के मल्लिकार्जुन खड़गे 137 पुरानी पार्टी कांग्रेस के नए अध्यक्ष बन गए हैं। उन्होंने शशि थरूर को 6,825 वोट से हराया। 9 बार विधायक और दो बार सांसद रह चुके खड़गे 1972 में पहली बार चुनाव मैदान में उतरे थे। तब से सिर्फ एक बार 2019 का लोकसभा चुनाव हारे। एक मौका ऐसा भी आया, जब उन्होंने अपने दोस्त के लिए सीएम पद की दावेदारी छोड़ दी।

कांग्रेस में 24 साल बाद गांधी परिवार के बाहर कोई नेता अध्यक्ष बना है। इससे पहले सोनिया गांधी 1998 से 2017 तक अध्यक्ष रहीं। 2017 से 19 तक ये जिम्मेदारी राहुल गांधी ने संभाली। इसके बाद से सोनिया ही पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष हैं।

1947 का अगस्त महीना। मैसूर राज्य (अब कर्नाटक) का वरवट्टी गांव। तब यहां निजाम की हुकूमत थी। भारत को बांटकर पाकिस्तान बनाया गया, तो इस इलाके में भी हिंदू-मुस्लिम दंगे भड़क गए। वरवट्टी गांव पर निजाम की सेना ने हमला कर दिया। साथ में लुटारी (अमीरों को लूटने वाले) भी थे। उन्होंने पूरे गांव में आग लगा दी। यहीं एक घर में 5 साल के बच्चे ने अपनी मां को जिंदा जलते देखा।

पिता उसे बचाकर गांव से दूर ले गए। 3 महीने जंगल में रहे। मजदूरी की। बच्चे को काम में लगाने के बजाय पढ़ाया। मल्लिकार्जुन नाम का वह बच्चा बड़ा होकर पहले वकील बना, फिर यूनियन लीडर, विधायक, अपने प्रदेश कर्नाटक में मंत्री, सांसद, केंद्रीय सरकार में मंत्री और अब कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष। जी हां, ये मल्लिकार्जुन खड़गे की कहानी है। खड़गे की जिंदगी हमेशा मुश्किल भरी रही, लेकिन लीडरशिप की क्वालिटी उनमें बचपन से थी। वे स्कूल में हेड बॉय थे। कॉलेज गए तो स्टूडेंट लीडर बन गए। गुलबर्गा जिले के पहले दलित बैरिस्टर बने, पहली बार में विधायक बने और 9 बार चुने गए, दो बार सांसद भी रहे, लेकिन तीन बार कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनते-बनते रह गए।

गुलबर्गा में बनवाया बुद्ध विहार

मल्लिकार्जुन बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं। वे सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं। ट्रस्ट ने बुद्ध और डॉ. अंबेडकर के विचारों को फैलाने के लिए गुलबर्गा के बाहरी इलाके में बुद्ध विहार बनवाया है। इसकी देखरेख का जिम्मा उनके रिश्तेदार कल्याणी कांबले के पास है।

एक बेटा विधायक, दूसरा डॉक्टर

मल्लिकार्जुन खड़गे की पत्नी का नाम राधाबाई है। उनके तीन बेटे और दो बेटियां हैं। बड़े बेटे राहुल खड़गे परिवार का बिजनेस संभालते हैं। दूसरे बेटे मिलिंद डॉक्टर हैं, उनका बेंगलुरु में स्पर्श नाम से हॉस्पिटल है। छोटे बेटे प्रियांक खड़गे गुलबर्गा जिले के चित्तपुर से विधायक हैं। प्रियांक 2016 में सिद्धारमैया सरकार में आईटी और पर्यटन मंत्री बनाए गए थे। तब उनकी उम्र 38 साल थी। वे तब सबसे कम उम्र के मंत्री थे। एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में वे समाज कल्याण मंत्री थे।

खडगे की जीत से ज्यादा शशि के हार के चर्चे

अध्यक्ष नहीं बन पाए शशि थरूर?

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के नए अध्यक्ष पद को लेकर उठापठक खत्म हो गई है। मल्लिकार्जुन खडगे ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर को 6,825 वोटों से मात दे दी है। शशि थरूर ने एक प्रेस नोट जारी कर अपनी हार भी स्वीकार कर ली है। चुनाव नतीजे आने के बाद भी लोग मल्लिकार्जुन खरगे की जीत से ज्याद शशि थरूर के हार को लेकर चर्चा कर रहे हैं।

ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि आखिर कैसे शशि थरूर चुनाव हार गए?

क्यों वो कांग्रेस के अध्यक्ष नहीं बन पाए? थरूर आगे क्या करेंगे?

कांग्रेस के नए अध्यक्ष के लिए 17 अक्तूबर को वोटिंग हुई थी। 80 साल के मल्लिकार्जुन खड़गे के सामने 66 साल के शशि थरूर टक्कर दे रहे थे। 9,497 कांग्रेस नेताओं ने इसके लिए वोट किया। बुधवार को हुई मतगणना में खरगे ने शशि थरूर को भारी मतों से हरा दिया। मल्लिकार्जुन खडगे को 7,897 वोट मिले, जबकि शशि थरूर को महज 1,072 वोट मिले।

इस बार गांधी परिवार की तरफ से कोई भी सदस्य अध्यक्ष पद की रेस में शामिल नहीं था। ऐसा पिछले 24 साल में पहली बार हुआ है। इससे

पहले सीताराम केसरी ऐसे अध्यक्ष थे, जो गांधी परिवार से नहीं थे। कांग्रेस मुख्यालय पर खडगे की जीत का जश्न मनाया जा रहा है। खडगे के समर्थक ढोल नगाड़ों के साथ उनकी जीत का जश्न मना रहे हैं। शशि थरूर ने भी खरगे को जीत की बधाई दी। थरूर ने ट्वीट कर लिखा, 'ये काफी सम्मान और बड़ी जिम्मेदारी की बात है। मैं खरगे जी के लिए उनके इस काम में सफलता की कामना करता हूं।'

तो कैसे हार गए शशि थरूर?

इसे समझने के लिए हमने राजनीतिक विश्लेषक प्रो. अजय कुमार सिंह से बात की।

उन्होंने कहा, 'कांग्रेस में गांधी परिवार की सबसे ज्यादा अहमियत है, या यूं कहें कि गांधी परिवार के बिना कोई फैसला नहीं हो सकता तो भी ठीक है।'

प्रो. सिंह के अनुसार, 'गांधी परिवार पहले अशोक गहलोत को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाना चाहता था, लेकिन राजस्थान में हुए सियासी घटनाक्रम के चलते फैसला बदलना पड़ा। आनन-फानन में पार्टी ने मल्लिकार्जुन खरगे को आगे बढ़ा दिया। एक तरह से खडगे को पार्टी ने आधिकारित तौर पर उम्मीदवार बनाकर उतारा था। ऐसे में थरूर उनके सामने कहां टिकने वाले थे।'

आगे प्रो. सिंह ने थरूर की हार के तीन बड़े कारण बताए हैं।

1. गांधी परिवार की पसंद नहीं थे: शशि थरूर भले ही केरल से कांग्रेस के सांसद हैं, लेकिन वह गांधी परिवार की पसंद नहीं थे। ऐसे में चाहते हुए भी कांग्रेस के कई नेता उनका समर्थन नहीं कर पाए।

2. थरूर के बेबाक बोल : शशि थरूर के बयान उन्हें चर्चा में रखते हैं। कई बार वह कुछ ऐसा भी बोल देते हैं, जिसे कांग्रेस को डिफेंड करना मुश्किल होता है। इसलिए भी कांग्रेस में होते हुए भी गांधी परिवार से दूर बने रहे।

3. पार्टी पर पूरी तरह से कंट्रोल कर सकते थे : कांग्रेस के कई नेताओं और खुद गांधी परिवार को भी इसका डर था। जिस तरह से शशि थरूर ने अध्यक्ष पद के लिए अपने चुनावी वादे किए थे, उसे देखकर लगता था कि वह पार्टी पर पूरी तरह से कंट्रोल करना शुरू कर देंगे। ऐसा होने पर गांधी परिवार और पार्टी के कई दिग्गजों को दिक्कत हो सकती थी।

शशि थरूर के बारे में भी जान लीजिए

शशि थरूर का जन्म नौ मार्च 1956 को लंदन में हुआ था। पिता चंद्रन थरूर और मां का नाम सुलेखा मेनन था। दोनों मलयाली परिवार से आते थे। थरूर का परिवार मूल रूप से केरल के पल्लकड़ का है। पिता ने 25 साल से भी ज्यादा समय तक द स्टेट्समैन के जरिए विज्ञापन प्रबंधक के तौर पर काम किया। थरूर की दो बहनें शोभा और स्मिता हैं।

शशि थरूर के चाचा परमेश्वरन थरूर रीडर डाइजेस्ट के फाउंडर थे। थरूर जब दो साल के थे, तब उनके माता-पिता भारत लौट आए। यहां 1962 में उन्होंने यरकौड के मोंटफोर्ट स्कूल में एडमिशन लिया। इसके बाद मुंबई और फिर कलकत्ता में पढ़ाई की। 1975 में थरूर ने सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली से स्नातक कंप्लीट किया।

15,77,22,896 रुपए की संपत्ति के मालिक हैं मल्लिकार्जुन खडगे

एफडी से होती है मोटी कमाई

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम फाइनल हो चुका है। कांग्रेस के दिग्गज नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सांसद शशि थरूर कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए मैदान में थे। दरअसल कांग्रेस पार्टी के 137 साल के इतिहास में छठी बार अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ है। मल्लिकार्जुन खरगे को कुल 7897 वोट मिले हैं लेकिन क्या आपको पता है कि मल्लिकार्जुन खड़गे कितने करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं। नहीं पता तो आइए आपको बताते हैं उनका फाइनेंशियल ब्यौरा क्या है।

इतने करोड़ की है संपत्ति

साल 2019 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान खड़गे ने अपनी संपत्ति को लेकर जो हलफनामा दाखिल किया था। इस एफिडेविड के मुताबिक खड़गे का कुल एसेट 15,77,22,896 रुपए है। इस हलफनामें के मुताबिक उनके उपर 31,22,000 रुपये की लायबिलिटीज भी दिखाई गई है। वहीं कैश की बात करें तो एफिडेविट के मुताबिक उनके

पास 6.50 लाख रुपए का कैश दिखाया गया है जिसमें 2.5 लाख रुपए का कैश उनकी पत्नी के नाम पर है।

इन सरकारी बैंकों में है खाता

साल 2019 में हुए लोकसभा चुनाव के हलफनामें के मुताबिक मल्लिकार्जुन खड़गे के पास 6 से ज्यादा बैंक खाते है। इनमें प्रगति ग्रामीण बैंक, कैनरा बैंक, कारपोरेशन बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया जैसे नाम है। इन बैंको में 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम जमा दिखाई गई है। खड़गे के हलफनामे के मुताबिक इन्होंने सरकार योजनाएं जैसे एनएसस, पोस्टल सेविंग स्कीम, एलआईसी इन सबमें कोई निवेश नहीं किया हुआ है।

फिक्स्ड डिपॉजिट में पड़ी है इतनी रकम

मल्लिकार्जुन खरगे के हलफनामफे के मुताबिक शेयर, बॉन्ड्स में करीब 25 लाख रुपए से ज्यादा का निवेश किया हुआ है। वहीं फिक्स्ड डिपॉजिट की बात करें तो यहां उनके 8 खाते हैं जिसमें ज्यादातर एसबीआई के है। केवल फिक्स्ड डिपॉजिट में 65 लाख रुपए का निवेश किया हुआ है। इन एफडीज से इनको मोटा ब्याज मिलता है।

पहला भारतीय जो हार्वर्ड स्टूडेंट यूनियन का प्रेसिडेंट बना

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पटना के प्रेम कुमार को अमेरिका के एक कॉलेज ने 2.5 करोड़ रुपए की स्कॉलरशिप दी। प्रेम दलित समुदाय से आते हैं और उनके पिता दिहाड़ी मजदूर हैं। पिता कभी स्कूल नहीं गए।

तेलंगाना की श्रेया लक्काप्रगदा को अमेरिका के एक कॉलेज ने 2.7 करोड़ रुपए की स्कॉलरशिप दी। श्रेया किसान परिवार से आती हैं। मां अपने भाई के यहां रहकर उन्हें पढ़ा रही थीं।

गरीब, सामान्य परिवार से दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटीज में पढ़ने जा रहे ऐसे दर्जनों बच्चों के उदाहरण गूगल करने पर आपको मिल जाएंगे। अब आप सोच रहे होंगे कि ये कैसे संभव हो रहा है?

दरअसल, इस तरह के बच्चों को ट्रेनिंग देकर टॉप यूनिवर्सिटीज में स्कॉलरशिप पर दाखिला दिलवाने का काम कर रही है 'डेक्सटेरिटी ग्लोबल ग्रुप'। इसके फाउंडर और सीईओ हैं शरद विवेक सागर।

2020-21 में शरद को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन का प्रेसिडेंट चुना गया था। 50 से ज्यादा देशों के 1200 से अधिक स्टूडेंट्स ने शरद को वोट दिया। हार्वर्ड के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब किसी भारतीय को प्रेसिडेंट चुना गया।

शरद कहते हैं, 'बिहार से होने की वजह से कभी ताना तो नहीं सुनना पड़ा, लेकिन कई लोग कहते थे- अरे! एक बिहारी की इतनी अच्छी इंग्लिश कैसे हो सकती है? मैं उनसे कहता था- नहीं, बिहार के लोग भी अच्छी अंग्रेजी बोल सकते हैं।

शरद के नाम दर्जनों रिकॉर्ड दर्ज हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से मिलने से लेकर फोर्ब्स 30 अंडर 30 और कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) में बतौर एक्सपर्ट शामिल होने तक। ये उपलब्धियां शरद ने 30 साल से कम उम्र में हासिल की हैं।

हालांकि इस सफर में शरद पर गमों का पहाड़ भी टूटा। वे बताते हैं, 16 साल की उम्र में मां को खो दिया। जब 24 साल का हुआ, तो भाई की भी मौत हो गई। वो एमआईटी बोस्टन जाने वाले बिहार के पहले स्टूडेंट थे। उन्हें दूसरा 'रामानुजन' भी कहा जाता है।

शरद अपनी कहानी में लौटते हैं। बताते हैं, देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के गांव जीरादेई में पैदा हुआ। यह सीवान जिला में आता है। पापा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की ग्रामीण शाखा में थे। गांव में उस वक्त कोई अच्छा स्कूल नहीं था, तो 12 साल की उम्र तक किसी

12 साल की उम्र तक स्कूल नहीं गया, 16 साल में मां को खोया

स्कूल में एडमिशन नहीं हुआ।

पापा की पोस्टिंग बिहार के छपरा, सीवान, मीरगंज जैसे शहरों में होती रहती थी। जब 12 साल का था, तो मम्मी के साथ पटना शिफ्ट हो गया। इसके बाद मेरा स्कूल में एडमिशन हुआ।

2008 का साल बीत रहा था। विदेश में पढ़ने के लिए जाने की तैयारी करने लगा। कॉम्पिटिशन्स में पार्टिसिपेट करने लगा। ज्यादातर बच्चे बड़े घरों के ही होते थे। सामान्य बच्चों को टॉप यूनिवर्सिटी, कॉलेज का नाम तक पता नहीं होता था, तैयारी करना तो दूर की बात है।

2012-13 में 12वीं के बाद अमेरिका के टफ्ट्स यूनिवर्सिटी से 4 करोड़ की स्कॉलरशिप मिली। वहां ग्रेजुएशन करने चला गया। 2016 में 160 साल के इतिहास में पहला इंडियन ग्रेजुएट स्पीकर बना। मेरी और मेरे एनजीओ की ग्रोथ एक साथ हुई।

मुझे आज भी याद है कि जब पापा को यूनिवर्सिटी में बुलाया गया था, तो जवाब में उन्होंने कहा- मैं बिहार से ही अपने बेटे को बोलते हुए सुन लूंगा।

2016 का साल था। मेरा ग्रेजुएशन कम्प्लीट हो चुका था। उधर उस वक्त के अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा का दूसरा कार्यकाल खत्म हो रहा था। उन्होंने दुनियाभर के 200 यंग लीडर्स को बुलाया था, जिसमें मैं भी एकमात्र भारतीय था। हमारी 90 मिनट की बातचीत हुई थी।

शरद बताते हैं, लौटने के बाद अपने एनजीओ के लिए काम करने लगा। विदेश पढ़ने के लिए जाने का सपना भी इसीलिए था कि अच्छी चीजें सीखकर वापस देश लौट आऊं। देश के बच्चों को एजुकेट करूं।

अब तक मेरे संस्थान के जरिए स्टूडेंट्स को दुनियाभर की अलग-अलग टॉप यूनिवर्सिटीज से 114 करोड़ की स्कॉलरशिप मिल चुकी है। गरीब परिवार के बच्चे भी विदेशों में जाकर पढ़ रहे हैं। हर साल 70 लाख बच्चे हमारे साथ जुड़ते हैं। हम उन्हें टॉप यूनिवर्सिटीज में एडमिशन के लिए ट्रेंड करते हैं।देशभर के स्टूडेंट्स के लिए एजुकेशन लेवल पर जितनी भी अपॉर्चुनिटी हैं- स्कॉलरशिप, नेशनल-इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन, कॉन्फ्रेंस, वर्कशॉप हर महीने के पहले रविवार को हम स्कूलों और बच्चों तक पहुंचाते हैं। बच्चों को स्टडी मटेरियल भी देते हैं।

वो बताते हैं, इसे ऐसे समझिए कि जब एक गांव का बच्चा पहली बार इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन में बैठता है, तो उसे पता नहीं होता है कि निबंध कैसे लिखना है। हम इस तरह की सभी प्रैक्टिस करवाते हैं। हर टॉपिक को 10 से 12 सवालों के साथ सॉल्व करवाते हैं।

भारत के एक हजार आईटी प्रोफेशनल्स म्यांमार में गुलाम

बिना पैसे 16 घंटे काम, इनकार पर लिवर-किडनी निकालने की धमकी

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। 'मुझे बचा लीजिए, मौत मुझे सामने नजर आ रही है। मेरे साथ रहने वाले एक लड़के को तीन लोग ले गए हैं। मुझे नहीं लगता कि अब वह वापस आएगा। हो सकता है जब आप मुझे दोबारा फोन करें, तो मैं जिंदा न रहूं।'

इतना बोलते ही दीपेश का फोन कट गया और स्विच ऑफ भी हो गया। दीपेश महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। फरवरी में उन्होंने सोशल मीडिया पर नौकरी का ऐड देखा और थाईलैंड चले गए। वहां साइबर स्लेव बनाने वाले सिंडिकेट के जाल में फंस गए। अभी वहीं फंसे हैं। उन्हें छोड़ने के लिए 6 हजार डॉलर, यानी करीब 5 लाख रुपए देने की शर्त रखी गई है।

दीपेश से हमने 9 अक्टूबर को सुबह 8 बजे बात की थी। ये उनके नाश्ते का वक्त होता है। इसके अलावा उन्हें लंच टाइम में दोपहर 11:30 बजे ही मोबाइल ऑन करने की इजाजत है।

म्यांमार-थाईलैंड बॉर्डर पर 10 हजार लोग बंधक

दीपेश की तरह ही म्यांमार में एक हजार से ज्यादा भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स गुलामों की तरह रखे गए हैं। इनमें 10 से 12 लड़कियां भी हैं। यहां अलग-अलग देशों के 10 हजार से ज्यादा नौजवानों को साइबर स्लेव बनाकर काम करवाया जा रहा है। ये बात वहां से छूटकर देश लौटे लोगों ने बताई है।

भारत के अलावा पाकिस्तान, बांग्लादेश, चीन, नेपाल, श्रीलंका और मिडिल ईस्ट देशों के लोग भी यहां बंधक हैं। ये लोग जहां रहते हैं, वह स्टेडियम जैसे स्ट्रक्चर के अंदर बसा शहर है। इसे कथित तौर पर चीनी कंपनियों ने बसाया है। ह्यूमन ट्रैफिकिंग का शिकार हुए तकरीबन 100 लोग विदेश मंत्रालय की मदद से भारत लौटे हैं। इनमें से एक गाजियाबाद के रहने वाले 32 साल के राजेश (बदला हुआ नाम) हैं। राजेश पिछले साल दिसंबर में म्यांमार गए थे और करीब 8 महीने वहां रहे। वहां पहुंच जाने के बाद या तो आपको उनकी मर्जी से काम करना पड़ेगा, नहीं तो वे आपकी बॉडी के ऑर्गन निकाल कर बेच देते हैं। मैंने काम करने से इनकार किया तो मुझे चार दिन तक नर्क जैसी यातना झेलनी पड़ी।

मुझे ऐसी जेल में रखा गया, जहां कैदी को लकड़ी के डंडे के सहारे हथकड़ी से बांध कर खड़ा रखा जाता है। मेरे साथ 11 चाइनीज भी थे। जेल में खड़े होकर ही सोना पड़ता था।

दुबई में नौकरी का लालच देकर ले गया एजेंट

रैकेट का शिकार बने लोगों में कन्याकुमारी के प्रशांत यादव भी हैं। पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर प्रशांत की दिसंबर 2021 में मंसूर नाम के एक ट्रैवल एजेंट से मुलाकात हुई। उसने दुबई में अच्छी जॉब दिलाने का वादा कर पासपोर्ट समेत दूसरे डॉक्यूमेंट ले लिए। मंसूर ने 3 महीने तक प्रशांत को धोखे में रखा। मई में वे दुबई पहुंचे और नासिर नाम के एजेंट से मिले। नासिर ने भी उन्हें दो महीने तक कोई काम नहीं दिलाया। प्रशांत के पैसे खत्म हो रहे थे और वे कन्याकुमारी लौटने के लिए तैयार थे।

तभी नासिर उनके पास आया और थाईलैंड में एक आईटी जॉब का ऑफर दिया। प्रशांत ने ऑफर मंजूर कर लिया। इंटरव्यू क्लियर कर वे 8 जुलाई 2022 को 6 और लोगों के साथ थाईलैंड पहुंच गए।

गाड़ी में बैठाकर जंगल में ले गए, तब लगा फंस गए हैं

बैंकॉक के स्वर्णभूमि एयरपोर्ट पर हमें एक महिला मिली। उसे सिर्फ थाई भाषा आती थी। महिला दो कार में हम सातों को लेकर 600 किमी और 7 घंटे का सफर कर एक होटल पहुंची। उस बेनाम होटल में न इंटरनेट था और न ही मोबाइल में नेटवर्क आ रहा था। यहीं हमें लग गया कि हम गलत जगह आ गए हैं। इसके बाद एक पिकअप वैन आई। हमारा सामान उसमें लोड कर दिया गया।

इसके बाद हमें दो गाड़ियों में बैठाकर घने जंगल में ले जाया गया। हम उतरे तो सामने करीब

300 मीटर चौड़ी मोई नदी थी। हमें नाव के जरिए नदी पार करवाई गई। उस पार बंदूक लिए दो लोगों ने हमें चेक किया। हमें कंपनी की एक बड़ी गाड़ी में बैठाया गया और फिर हम बड़े स्टेडियम की तरह लगने वाली जगह पहुंचे। यहां एंट्री के लिए एक ही गेट था। अंदर पूरा शहर बसा था। यहां बनी ज्यादातर इमारतें देखने में एक जैसी हैं।

अगले दिन शाम 6 बजे हमें काम पर बुलाया गया और एक कंप्यूटर के साथ 4 फोन दिए गए। पहले दिन उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि हमें यूरोप से कस्टमर फंसाने हैं। हमें एक सिम कार्ड दिया गया, जिससे सिर्फ यूरोपीय देशों में कॉल हो सकती थी। सभी फोन पर कैमरे छिपाने वाले कवर लगे थे। हम उनको सिर्फ कॉल कर सकते थे। हमें यह बताया गया था कि इन फोन को हैक किया गया है और हमारी हर एक्टिविटी ट्रैक की जा रही है।

डेटिंग ऐप से लोगों को फंसाने का काम

प्रशांत के मुताबिक, लड़की के नाम से उनकी फेक आईडी, फेसबुक और इंस्टाग्राम प्रोफाइल बनाई गई। एक डेटिंग ऐप के जरिए उन्हें यूरोप में 40 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को फंसाने का काम दिया गया।

इनमें ज्यादातर के बैंक अकाउंट में बड़ी रकम थी। इसकी डिटेल सोशल मीडिया अकाउंट हैक कर निकाली जाती थी।

टारगेट के फंसने के बाद उसे क्रिप्टो करेंसी में इन्वेस्ट करने को कहा जाता। पैसे जमा होते ही सभी सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर दिए जाते थे।

छोड़ने के बदले 5000 डॉलर मांगे

गलत काम कराए जाने की वजह से हमने एक दिन स्ट्राइक कर दी। हमने अच्छा खाना, घर वालों से बात करने के लिए सिम कार्ड और वापस अपने देश जाने की डिमांड रखी। हंगामे के बाद उन्होंने हमारी तीनों शर्तें मान लीं। इसके लिए उन्होंने 5 हजार डॉलर देने की शर्त रखी। सात दिन बाद घरवालों से बात करने के लिए सिम कार्ड दिया।

हमारा वीजा 22 जुलाई को खत्म हो गया था। हमें पता चला कि हम अवैध तरीके से नदी क्रॉस कर म्यांमार में घुसे हैं। इसलिए वीजा एक्सटेंशन के लिए अप्लाई नहीं कर सकते थे। हमारा 16 लोगों का ग्रुप था। इनमें से दिल्ली के रहने वाले अक्षय शर्मा और उनके भाई पैसे जमा कर भारत लौट गए। वहां अधिकारियों से मिले और सारी बात बताई। यह बात कंपनी को पता चल गई। हमारे ऊपर फिर टॉर्चर शुरू हो गया।

इसके बाद अक्षय के पिता ने म्यांमार मिलिट्री के अफसरों से संपर्क किया। अफसरों ने हमसे फोन पर बात की और बाहर निकालने का वादा किया। इसके बाद मैंने और मेरे साथियों ने 23 अगस्त को काम करना बंद कर दिया।

पैसे नहीं देने पर बॉडी पार्ट्स बेचने वाले थे

कंपनी के लोगों ने हमें धमकाया कि अगर सुबह 6 बजे तक पैसे नहीं दिए, तो वे हमें मार देंगे और बॉडी पार्ट्स बेच देंगे। इसके कुछ घंटे बाद म्यांमार पुलिस और आर्मी की एक टीम वहां पहुंची और सभी लोगों का रेस्क्यू करवाया। हमारे फोन और डॉक्यूमेंट्स वापस दिलाए। हमें कंपनी से 250 मीटर दूर एक बिल्डिंग में 10 दिन तक रखा गया।

म्यांमार आर्मी ने थाईलैंड में छोड़ा, वहां थाई सेना ने पकड़ा

म्यांमार आर्मी ने हमें नदी पार करवाकर थाईलैंड में छोड़ दिया। वहां हमें थाई आर्मी ने पकड़ लिया। दो दिन जेल में रखा। हम पर ह्यूमन ट्रैफिकिंग की धारा में केस दर्ज कर दिया और एक कमरे में 15 दिन तक बंद रखा। वहां हमसे लगातार पूछताछ हुई। क्लीन चिट मिलने पर हमें फाइन भरने को कहा गया। हमारे पास पैसे नहीं थे, इसलिए हमें फिर से 5 दिन के लिए जेल भेज दिया गया। हमें अलग-अलग जेलों में 45 दिन और रहना पड़ा। इसके बाद हमने अलग-अलग जरियों से अपने-अपने राज्यों के मुख्यमंत्रियों तक बात पहुंचाई।

मेरे केस में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पीएम नरेंद्र मोदी से बात की। पीएम के पर्सनल इंटरेस्ट लेने के बाद हम सभी 5 अक्टूबर की सुबह 2 बजे तमिलनाडु लौटे।

पंजाब के दो भाई 10 लाख देकर छूटे

पंजाब के बठिंडा के रहने वाले अक्षय शर्मा ने बताया कि वे एक जॉब साइट पर ऐड देखकर इस ट्रैप में फंस गए थे। 26 जून को वे भाई के साथ दुबई गए थे। वहां से थाईलैंड होते हुए म्यांमार पहुंचे। वहां उनकी मुलाकात रैकेट का शिकार हुए 16 भारतीयों से हुई। ये देखकर उन्होंने यह काम करने से मना कर दिया।

इसके बाद उन्हें और उनके भाई को एक अंधेरे कमरे में डाल दिया गया। खाने में दिन में 5-5 बड़ी चम्मच चावल और पानी दिया जाता था। इतने में दोनों का पेट नहीं भरता था, दोनों अपने-अपने के हिस्से का खाना मिला लेते हैं और एक-एक दिन खाते थे। दोनों को छोड़ने के लिए 10 लाख रुपए मांगे गए। अक्षय के पिता को पता चला तो उन्होंने कर्ज लेकर पैसे जमा किए। उन्हें क्रिप्टो करेंसी में कन्वर्ट कराकर म्यांमार भेजा। इसके बाद दोनों को छोड़ा गया। उनके साथी वहीं रह गए थे। अक्षय ने भारत आने के बाद उन्हें निकालने की कोशिश शुरू की।

विदेश मंत्रालय में शिकायत दर्ज कर पूरी डिटेल दी। इसमें देर हो रही थी इसलिए पिता ने म्यांमार के आर्मी चीफ का नंबर तलाशा। उनसे वॉट्सऐप पर कॉन्टैक्ट किया।

'मैं मेरा काम कर रहा हूं , यही मेरी फितरत'

गहलोत बोले- भाजपा घमंड में, जनता कब तोड़ देती है, पता नहीं चलता, हमारा अनुभव है

नई दिल्ली/जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीजेपी पर देश में पैसे के दम पर सरकारें गिराने का आरोप लगाते हुए एक बार फिर राजस्थान के सियासी संकट को याद किया है। साथ ही मुख्यमंत्री के तौर पर काम करते रहने का भी संकेत दिया है। गहलोत ने कहा कि बीजेपी के पास इलेक्टोरल बॉन्ड का पैसा एक तरफा जा रहा है। उस पैसे के दम पर ये देश में सरकारें गिरा रहे हैं।

गहलोत ने कहा कि बीजेपी को केंद्र में दो बार मौका मिल गया, इसलिए इनको घमंड-अहम आ गया है। घमंड-अहम जनता कब तोड़ देती है, पता ही नहीं लगता है। ये हमने पहले भी अनुभव किया है गहलोत दिल्ली में मंगलवार रात को मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

गहलोत ने कहा कि कर्नाटक के बाद में मध्यप्रदेश, फिर महाराष्ट्र और हमें ऊपर वाले ने बचा लिया। सोनिया गांधी जी का, राहुल गांधी जी का आशीर्वाद था, इसलिए सरकार बच गई। हमारा पूरा कुनबा एक रहा, वरना सरकार चली जाती।

गहलोत ने कहा- मैं तो मेरे रास्ते पर चल रहा हूं। पार्टी ने मुझे जो जिम्मेदारी दे रखी है, निभा रहा हूं। उसके अलावा मैं कुछ नहीं कर रहा हूं। ईमानदारी, निष्ठा, प्रतिबद्धता के साथ में समर्पित होकर पार्टी की जिम्मेदारी निभा रहा हूं।

गहलोत ने कहा कि गरीब, दलित, पिछड़ों के लिए फैसले करना मुझे बहुत अच्छा लगता है। जो मैं कर सकता हूं। सोशल सिक्योरिटी की हमने थीम बना रखी है। आप देखेंगे कि शिक्षा में, स्वास्थ्य में, सब जगह मैं सोशल सिक्योरिटी को अडॉप्ट किए हुए हूं तो मुझे तो धुन लगी हुई है। मैं मेरे काम करूंगा।

अनुभव का कोई विकल्प नहीं

गहलोत ने कहा- मैंने कल ये बात कही है कि अनुभव का कोई विकल्प नहीं है। मल्लिकार्जुन खड़गे का अलग अनुभव है। शशि थरूर का अलग अंतर्राष्ट्रीय अनुभव है। अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता है, कभी नहीं होता है। नौजवान तो दौड़ भाग ज्यादा कर सकते हैं। अनुभव का विकल्प नहीं होता है।

मैं तो सोनिया-राहुल को सलाम करता हूं, पीएम-अध्यक्ष पद छोड़ दिए

गहलोत ने कहा- सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कहा कि हमारे परिवार का कोई व्यक्ति अध्यक्ष चुनाव में नहीं खड़ा होगा। ये कहने की हिम्मत चाहिए। गांव में सरपंच का पद भी कोई नहीं छोड़ता है। इन्होंने प्रधानमंत्री पद छोड़ दिया। कांग्रेस अध्यक्ष बनना स्वीकार नहीं किया। देश सेवा में लगे हुए हैं, मैं तो इनको सलाम करता हूं।

राहुल गांधी जननायक के रूप में उभरकर आएंगे

गहलोत ने कहा- भारत जोड़ो यात्रा में राहुल जी का कारवां चल पड़ा है। राहुल गांधी को आप देखेंगे कि राष्ट्रीय नेता और फिर जननायक के रूप में उभरकर आएंगे, क्योंकि वो व्यक्ति आज लड़ रहा है। आप पूरे गांधी परिवार को देख रहे हो। सोनिया गांधी 22 साल तक कांग्रेस अध्यक्ष रहीं। प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया। 30 साल से गांधी परिवार का कोई मेंबर पीएम, सीएम, मंत्री नहीं बना। खाली संगठन की जिम्मेदारी संभाले हुए थे। वो भी इस बार इन्होंने छोड़ दी है। उसका दुःख तो हम सबको ही है। अगर राहुल जी वापस संभाल लेते, मैंने भी रिक्वेस्ट की थी उनसे, तो एक नया मैसेज जाता, क्योंकि अभी हमारे सामने बहुत भयंकर चुनौतियां हैं। मैं समझता हूं कि हम सबकी सच्चाई का साथ देने की जिम्मेदारी बनती है। सच्चाई हमारे पक्ष के अंदर है। अंतिम विजय सच्चाई की होगी।

सचिन पायलट मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले

खड़गे की जीत को बताया आंतरिक लोकतंत्र की जीत

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव जीतने पर मल्लिकार्जुन खड़गे को बधाई दी है। सचिन पायलट ने कहा कि लोकतंत्र में इससे बेहतर उदाहणर नहीं हो सकता, जब आंतरिक लोकतंत्र को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस पार्टी ने बड़े व्यापक स्तर पर चुनाव कराया। 17 तारीख को मतदान हुआ। 90 प्रतिशत वोट मल्लिकार्जुन खड़गे को मिले हैं। ये लोकतंत्र की जीत है। देशवासियो की जीत है। कांग्रेस पार्टी की जीत है।

मिलकर चुनौतियों का सामना करेंगे

सचिन पायलट ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे को चुनाव जीतने पर बधाई दी है। चुनाव जीतने पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी उनके ऊपर आई है। देश के सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर खड़गे के नेतृत्व में काम करेंगे। मैं समझता हूं कि चुनाव से कांग्रेस में ताकत आई है। कांग्रेस एकजुट हुई है। सब लोग मिलकर उनके नेतृत्व में काम करेंगे। मुझे पूरा भरोसा है खड़गे का जो अनुभव है। उसका लाभ पार्टी को मिलेगा। आने वाली तमाम चुनौतियों का हम सामना करेंगे। कांग्रेस पार्टी और मजबूत होगी। मधुसूदन मिस्त्री ने निष्पक्ष चुनाव कराया है। सभी मिलकर प्रशंसा की है। किसी और दल ने आज तक नहीं किया है।

खुले माहौल में चुनाव हुआ

सचिन पायलट ने कहा कि हमारे यहां पारदर्शिता से खुले माहौल में चुनाव हुआ है। लोगों ने अपना मत दिया है। भारी बहुमत से खड़गे चुनाव जीते है। खड़गे जमीनी नेता है। दलित समाज से आते हैं। पूरे कर्नाटक में ही नहीं पूरे देश में लोग उनकी राजनीति को जानते हैं। सचिन पायलट ने बीजेपी का नाम लिए बिना कहा कि जो हमारे विरोधी दल है। उनके अंदर खड़गे की जीत से घबराहट पैदा हो रही होगी। खड़गे के अध्यक्ष बनने के बाद नई ऊर्जा, नई ताकत और नए जोश के साथ कांग्रेस कार्यकर्ता चुनाव लड़ेंगे।

हनुमान बेनीवाल से मिले अभ्यर्थी
रेलमंत्री से बात करने का दिया आश्वासन

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर सांसद एवं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक हनुमान बेनीवाल ने संसद भवन में उद्योग संबंध संसदीय स्थायी समिति की बैठक में भाग लिया। सांसद ने समिति के एजेंडे के क्रम में कई विषयों पर अपना पक्ष रखा। गौरतलब है की सांसद बेनीवाल ने संसद की उद्योग संबंध संसदीय स्थायी समिति के सदस्य है। नागौर सांसद बैठक में शामिल होते और जनहित से जुड़े मुद्दों पर मजबूती से अपनी बात रखते है।

दिल्ली में की जन सुनवाई

उत्तर पश्चिम रेलवे जॉन द्वारा सीईएन 03/2018 जुनियर इंजीनियर व सीईएन 01/2018 टेक्नीशियन भर्ती में जीरो डिमांड भेजने से अभ्यर्थियों में भारी रोष है। मामले को लेकर अभ्यर्थियों ने सांसद बेनीवाल से दिल्ली में नॉर्थ एवन्यू में स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। सांसद ने बेनीवाल ने कहा के अभ्यर्थियों के पक्ष में रेल मंत्री से बात करेंगे। वहीं सांसद ने राजस्थान सहित कई राज्यों के लोगो से मुलाकात की है।

गहलोत सरकार को घेरते रहे हैं बेनीवाल

बता दें नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने विधानसभा चुनाव 2023 में 200 विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी प्रत्याशी उतारने का ऐलान किया है। हालांकि, सांसद बेनीवाल ने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी को हराने के लिए गठबंधन के विकल्प खुले हैं। सांसद बेनीवाल राजस्थान में जनहित से जुड़े मुद्दों पर गहलोत सरकार को घेरते रहे हैं।

46 महीने बाद सरकार को याद आया 'बीस सूत्री कार्यक्रम'

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाल ही प्रदेश सरकार ने बीस सूत्री कार्यक्रम को लेकर प्रदेश स्तरीय कमेटी का गठन किया। गर्वनेंस के लिहाज से इस कमेटी को सरकार में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। यही समिति सरकारों की फ्लैगशिप योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने और उसकी समीक्षा का काम करती है। यही वजह होती है कि CM के नेतृत्व वाली इस कमेटी के उपाध्यक्ष को केबिनेट मंत्री का दर्जा मिलता है। मगर सरकारों के लिए ये बीस सूत्री कार्यक्रम कितना महत्वपूर्ण है इसका अंदाजा इससे लग जाता है कि वर्तमान सरकार के 4 साल पूरे होने को आए और अब जाकर 14 अक्टूबर को इसकी स्टेट लेवल कमेटी बनाई गई है।

हाल ही में कमेटी में उपाध्यक्ष के अतिरिक्त 20 सदस्यों को नियुक्त किया गया है। बीस सूत्री कार्यक्रम को सरकारी योजनाओं के एग्जीक्यूशन और समीक्षा के लिए बेहद जरूरी माना जाता है। इसके बावजूद सरकार बनने के 46 महीने बाद कमेटी बनी। कमेटी के उपाध्यक्ष के पद पर भी डॉ चंद्रभान की नियुक्ति इसी साल 8 महीने पहले हुई थी। लगभग 38 महीने बाद इस कमेटी में उपाध्यक्ष लगाया गया था। वहीं जिला स्तर की बात की जाए तो अब भी सिर्फ 10 जिलों में ही कमेटी बनाई गई है। जबकि 23 जिलों में अब भी कमेटी बनना बाकी है।

राजस्थान में सरकारें 'बीसूका' को लेकर गंभीर नहीं, 23 जिलों में अभी कमेटियां ही नहीं बनी

बीस सूत्री कार्यक्रम को लेकर सरकारें कितनी गंभीर हैं इसका अंदाजा इस बात से लग जाता है कि बीसूका की स्टेट लेवल कमेटी की बैठक 10 साल बाद हुई। इस साल मार्च में वर्तमान उपाध्यक्ष डॉ. चंद्रभान ने बैठक ली। जबकि नियमानुसार हर साल इसकी 2 बैठकें होनी चाहिए। इन 10 वर्षों में बीजेपी और कांग्रेस दोनों की सरकारें रही मगर दोनों ही सरकारें इसे लेकर निष्क्रिय नजर आई।

बीसूका की कमेटियों को लेकर भी औपचारिकता नजर आती है। वर्तमान सरकार में लगभग 4 साल में बीसूका की स्टेट लेवल कमेटी बनी। इसके अलावा पिछली बीजेपी सरकार में दिगम्बर सिंह के उपाध्यक्ष रहते कमेटियां सिर्फ नाम की ही थी।

हेड कांस्टेबल रिश्वत लेते गिरफ्तार

ट्रक मालिक पर कार्रवाई रोकने के नाम पर मांगे पांच हजार रुपए, एसीबी ने रंगे हाथों दबोच लिया

बीकानेर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीकानेर के महाजन थाने के हेड कांस्टेबल को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रिश्वत लेने के मामले में रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। हेड कांस्टेबल महेश एक ट्रक चालक से ट्रक पर कार्रवाई नहीं करने की एवज में पांच हजार रुपए मांग रहा था। जैसे ही उसने रुपए लिए एसीबी ने उसे दबोच लिया। अब उसके घर और बैंक खातों की छानबीन कर रहा है।

एक मामले में ट्रक मालिक पर भारतीय दंड संहिता की धारा 102 के तहत कार्रवाई की गई थी। इस कार्रवाई से ट्रक चालक को बचाने के लिए पांच हजार रुपएकी रिश्वत मांगी गई। ट्रक मालिक ने इस बारे में एसीबी को शिकायत की।

एसपी देवेंद्र बिश्नोई ने शिकायत मिलने के साथ ही त्वरित कार्रवाई करते हुए हेड कांस्टेबल को रंगे हाथों पकड़ने की योजना बना ली। एसीबी की योजना के मुताबिक ट्रक मालिक ने पांच हजार रुपए देकर इशारा किया। तब सीआई पिंकी गंगवाल और सीआई गुरमैल सिंह ने हेड कांस्टेबल को दबोच लिया। उसके कब्जे से पांच हजार रुपए बरामद किए गए। हाथ धुलवाने पर महेश के हाथ से गुलाबी रंग निकला। इस पर पुलिस ने तुरंत उसके खिलाफ मामला बनाया।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में गैंगस्टर दीपक टीनू गिरफ्तार

अजमेर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस की कस्टडी से फरार सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का आरोपी दीपक टीनू को अजमेर से गिरफ्तार किया गया है। वह विदेश भागने की फिराक में था। टीनू पुलिस कस्टडी से भागने के बाद राजस्थान पहुंचा था। अजमेर के आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में फरारी काट रहा था। गिरफ्तारी के लिए स्पेशल सेल की 5 टीमें लगातार छापेमारी कर रही थी। टीनू को पंजाब लाया जा रहा है। लॉरेंस का खास टीनू A कैटेगरी गैंगस्टर है। सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस में टीनू की भूमिका रही है। दिल्ली स्पेशल पुलिस सेल के सीपी ने बताया कि टीनू को केकड़ी अजमेर से पकड़ा गया। उसके पास से कुछ ग्रेनेड मिले हैं। दो सेमी ऑटोमेटिक हथियार भी मिले हैं। बदमाश रोहित गोदारा और जैक ने इसकी मदद की थी। उधर, इस तरह की किसी भी जानकारी से अजमेर IG रूपेन्द्र सिंह ने इनकार किया था। एडिशनल एसपी विकास सागवान ने भी इसको लेकर किसी भी जानकारी से मना कर दिया था।

फर्जी पासपोर्ट के जरिए टीनू दक्षिण अफ्रीका भागने की प्लानिंग कर रहा था। इससे पहले लॉरेंस का भाई और भांजा भी फेक पासपोर्ट की मदद से दुबई भाग चुके हैं। टीनू का लुधियाना में बड़ा नेटवर्क है। टीनू लुधियाना में अवैध वसूली और ड्रग्स का कारोबार करता रहा है। टीनू को भगाने वाले 3 युवकों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

सूत्रों के अनुसार, राजस्थान आने तक वह अपनी गर्लफ्रेंड जतिंदर कौर के साथ मुंबई में था। अलग होते समय टीनू ने गर्लफ्रेंड को कहा था कि वह उसे मुंबई में ही मिलेगा। उसने जतिंदर कौर के साथ धोखा किया। टीनू उससे नहीं मिला। उधर, जतिंद्र को मुंबई से पुलिस ने 12 अक्टूबर को पकड़ लिया। इसी तरह गोल्डी बराड़ ने भी अपने शार्प शूटरों को धोखा दिया था। गोल्डी बराड़ ने मूसेवाला कत्ल के बाद शार्प शूटरों को पैसे नहीं दिए थे।

गैंगस्टर दीपक टीनू सीआईए इंचार्ज सब इंस्पेक्टर प्रीतपाल सिंह (अब बर्खास्त) के सरकारी घर से 2 अक्टूबर को फरार हुआ था। सूत्रों के मुताबिक, प्रीतपाल उसे हवालात से अपने घर ले गया था, जहां उसने टीनू की मुलाकात उसकी गर्लफ्रेंड से कराई थी। इसी दौरान प्रीतपाल एक कमरे में सो गया।

हल्की बूंदाबांदी की संभावना, दिवाली बाद बारिश के आसार

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में आज आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। इसके साथ ही हल्की बूंदाबांदी की भी संभावना है। अगले सप्ताह दिवाली के बाद प्रदेश मे बारिश के आसार बन रहे हैं। सर्दी बढ़ने की संभावना है। धीरे-धीरे तापमान में गिरावट के साथ ठंड का अहसास बढ़ेगा। मौसम विभाग केंद्र जयपुर के अनुसार 25 और 26 अक्टूबर को बारिश के आसार है। राजस्थान में मौसम मेहरबान है।मानसून की विदाई के बाद अब तापमान में गिरावट जारी है. जयपुर, कोटा, अजमेर सहित कई संभागों में गुलाबी ठंड का एहसास भी लोगों को होने लगा है।

मौसम विभाग के अधिकारियों की माने तो हल्की और मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। इससे प्रदेश में ठंड बढ़गी। वैसे राजस्थान में गुलाबी सर्दी ने दस्तक दे दी है। रात को ठंड का एहसास होने लगा है। बीते 4 दिनों से प्रदेश के करीब सभी जिलों में रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है, तो वहीं, बीती रात प्रदेश के 17 जिलों में रात का तापमान 20 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया. बीते 24 घंटों में फलौदी में 38.8 डिग्री के साथ सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया. इसके साथ ही प्रदेश के सभी जिलों में फिलहाल दिन का तापमान 30 डिग्री के पार दर्ज किया जा रहा है. हमेशा की तरह शेखावाटी अंचल में सर्दी पहले आती है। सर्द रातें भी सबसे ज्यादा शेखावाटी अंचल में होती है। इस बार भी सीकर, चूरू और झुंझूनूं में सर्दी ज्यादा पड़ने की संभावना है। सीकर में बीती रात 15 डिग्री तापमान के साथ इस सीजन की सबसे सर्द रात दर्ज की गई. साथी करीब आधा दर्जन जिलों में रात का तापमान 17 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया. सुबह शाम चलने वाली सर्द हवाओं के चलते लोगों को अब गुलाबी सर्दी का एहसास भी होने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार दिवाली बाद एक बार फिर प्रदेश में हल्की और मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। चलते आने वाले दिनों में रात के साथ ही दिन के तापमान में भी गिरावट होने की संभावना है। आने वाले एक सप्ताह में जहां रात के तापमान में करीब 2 से 3 डिग्री तक और गिरावट दर्ज होने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है।

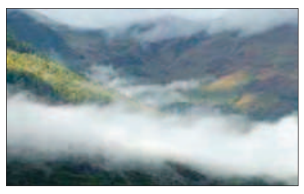

जयपुर में तीन सगे भाइयों ने बड़े की हत्या की

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में प्रॉपर्टी के विवाद में तीन छोटे भाइयों ने पिता के साथ मिलकर अपने बड़े भाई की हत्या कर दी। चाकू से ताबड़तोड़ वार कर यह हत्या की गई। घटना वैशाली नगर थाना इलाके के मेजर बने सिंह कॉलोनी की है। पुलिस के मुताबिक पिता नवाब खान (55) अपने चार बेटों समीर उर्फ अशरफ (28), सद्दाम (26), अशफाक (24) और अमजद (20) के साथ रहता था।

मंगलवार को समीर अपने पिता से मकान में ज्यादा हिस्सेदारी मांग रहा था। इसके चलते समीर की पत्नी और उसकी मां के बीच झगड़ा हुआ।

पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर 2.53 लाख ठगे

युवक के छोटे भाई को टेलीग्राम पर ऐड कर अकाउंट की डिटेल ली

सीकर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पार्ट टाइम जॉब के बहाने ढाई लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने व्हाट्सएप पर जॉब का मैसेज किया था। ठगी का पता लगने पर युवक ने सीकर के उद्योग नगर थाने में मामला दर्ज करवाया है।

सीकर शहर के रहने वाले युवक ने रिपोर्ट में बताया कि उसके फोन पर कुछ दिनों पहले पार्ट टाइम जॉब का व्हाट्सएप मैसेज आया था। जिस पर उसने कोई ध्यान नहीं दिया। 15 अक्टूबर को वह ड्यूटी पर चला गया और अपना मोबाइल घर पर ही भूल गया। उसके छोटे भाई ने मैसेज को देखा। इसके बाद ठग ने युवक के छोटे भाई को टेलीग्राम पर एड किया और फिर गाइड करने लगे। इसके बाद यूपीआई मोड पर ले गए। लेकिन अकाउंट में बैलेंस न होने के चलते 3 अकाउंट से रुपए एड किए। इसके बाद करीब 2.53 लाख रुपए निकाल लिए।

झोपडी में आग लगी दो बच्चियां जिंदा जलीं

माता-पिता गए थे काम पर, घर पर थे चार भाई-बहन; दो ने भागकर बचाई जान

पुष्कर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। झोपड़ी में लगी आग में 2 बच्चियां जिंदा जल गईं। हादसा गैस का चूल्हा जलाने के दौरान हुआ। घर पर चार भाई-बहन ही थे, जिसमें से 2 की मौत हो गई। दो ने भागकर जान बचाई है। घटना के समय माता-पिता काम पर गए हुए थे। दिल दहलाने वाली यह घटना पुष्कर के पास चावंडिया गांव में हुई है।

एक भाई और बहन बची

पुष्कर थाना प्रभारी डॉ. रवीश कुमार ने बताया कि दिनेश नायक (45) मजदूरी करते हैं। उनके 4 बच्चे थे। रोज दिनेश अपनी पत्नी लीला देवी उर्फ सिरी (35) के साथ मजदूरी पर निकल जाया करते थे। बुधवार को भी सुबह 9 बजे दंपती काम पर निकल गया था। घर पर जितेंद्र (5), चंचल (3), दीपा (1) और पूजा (3) रहते थे। जितेंद्र का कहना है कि दोपहर करीब 12 बजे वो चूल्हे पर चाय बनाने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान झोपड़ी में आग लग गई। झोपड़े में आग लगी देख आसपास के लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। वहीं, स्थानीय स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन काबू नहीं पाया जा सका। जितेंद्र और चंचल ने तो भाग कर जान बचा ली, पर दीपा और पूजा दोनों जिंदा जल गए।

पुष्कर तहसीलदार संदीप चौधरी ने बताया कि पीड़ित परिवार का रजिस्ट्रेशन राज्य सरकार की चिरंजीवी योजना में है। ऐसे में तमाम कागजी कार्यवाही कर परिवार को मुआवजा दिलवाने का प्रयास किया जाएगा।

दीपावली से पहले जयपुर-जोधपुर में बढ़ा प्रदूषण का जहर

इंडस्ट्रीयल हब भिवाड़ी से भी ज्यादा जोधपुर की हवा खराब; एक्यूआई लेवल 220 पहुंचा

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपावली आने में अब भी 3 से 4 दिन का समय बाकी है, लेकिन राजस्थान में अभी से शहरों की हवा में जहर घुलना शुरू हो गया। जयपुर, जोधपुर, भिवाड़ी, कोटा समेत कई शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स लेवल 100 से 220 के बीच आ गया है। सबसे ज्यादा जोधपुर शहर की हवा प्रदूषित हो गई है, जहां एक्यूआई लेवल एक सप्ताह पहले जहां 100 से नीचे था वह अब बढ़कर 200 के पार पहुंच गया है। जो प्रदेश के सबसे प्रदूषित शहरों में माने जाने वाले भिवाड़ी से भी ज्यादा खराब है।

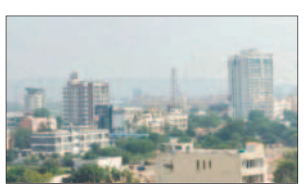

एक सप्ताह पहले यानी 12 अक्टूबर को जोधपुर का एक्यूआई लेवल 84 था, जो आज बढ़कर 220 पर पहुंच गया है। किसी भी शहर में 150 से ऊपर एक्यूआई रहने पर यहां अस्थमा, सीओपीडी मरीजों के लिए परेशानी का कारण बन जाता है। इन मरीजों को ऐसी स्थिति में सांस लेने में थोड़ी तकलीफ महसूस होती है। जोधपुर के बाद प्रदेश का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर भिवाड़ी है, जहां एक एक्यूआई लेवल 180 के करीब है। वहीं जयपुर तो यहां की हवा में प्रदूषण का स्तर 105 पर पहुंच गया, जो ग्रीन जोन से बाहर आकर यलो जोन में आ गया है। जयपुर के अलावा अजमेर, कोटा और उदयपुर भी यलो जोन में आ गए है।

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की ओर से राजस्थान के 8 शहरों में एयर क्वालिटी की जांच की जाती है।

देश में सद्भावना बनाये रखने में स्व. राजीव गांधी का योगदान अविस्मरणीय : वीएच

भाग्यलक्ष्मी मंदिर में भारत जोड़ो यात्रा वाहन की हुई पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा इसी महीने की 23 तारीख को तेलंगाना में पहुंचेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सदस्य वी. हनुमंत राव ने भारत जोड़ो यात्रा वाहन तैयार किया है। उन्होंने बुधवार को चारमीनार श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर में इस भारत जोड़ो यात्रा वाहन के लिए विशेष पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर वीएच ने कहा कि राजीव गांधी ने पहले देश में सद्भावना के लिए अच्छे काम किए थे और आज राहुल गांधी भी अपने पिता के मार्ग पर चल रहे हैं और भारत जोड़ी यात्रा कन्याकुमारी द्वारा बताए गए लोगों की समस्याओं को जानते हुए, यह है विभिन्न समुदायों के लोगों की कठिनाइयों को साझा करने के लिए एक अच्छा विकास।अपनी प्रस्तुति में, उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लोक कलाकारों के साथ इसे बढ़ावा देकर और इसे सफल बनाकर तेलंगाना के मकतल से जुक्कल तक इस बस को बनाने की पूरी कोशिश करेंगे। बाद में एआईसीसी सचिव रोहित चौधरी ने वीएच बस का निरीक्षण कर बधाई दी। एआईसीसी सचिव रोहित चौधरी, टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूर्व मंत्री आर. दामोदर रेड्डी, टीपीसीसी अनुशासन समिति के अध्यक्ष चिन्ना रेड्डी, कांग्रेस नेता एम. कोदंडा रेड्डी, जी. निरंजन, एडम संतोष, एस.पी. क्रांति कुमार, एस. श्रीकांत गौड़, आदि अविनाश, आर. शिव कुमार और स्थानीय नेताओं ने भाग लिया। बाद में वीएच बस चारमीनार से शाद नगर होते हुए महबूब नगर के लिए रवाना हुई।

मिधानि द्वारा अहमदाबाद में आयोजित डिफेंस एक्सपो-2022 में सहभागिता

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) अहमदाबाद में 22 अक्टूबर तक आयोजित डिफेंस एक्सपो-2022 के 12वें संस्करण में भाग ले रहा है। मिधानि रक्षा, अंतरिक्ष और ऊर्जा क्षेत्र के लिए सामरिक सामग्री उत्पादक है। डिफेंस एक्सपो-2022 में, मिधानि महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों के लिए स्वदेशी रूप से निर्मित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन कर रहा है। प्रदर्शित किए जाने वाले कुछ उत्पादों में टाइटेनियम अलॉय बकेट और रोटर फ्लेंज, टाइटेनियम अलॉय की बड़े आकार की पीयू रिंग, निकल अलॉय सीलिंग रिंग और टाइटेनियम आधारित डोम फोर्जिंग, एचपीसी टाइटेनियम डिस्क और हल्के वजन वाले बुलेट प्रूफ जैकेट, पटका, हेलमेट, मोर्चा, आर्म्ड वाहन सहित विस्तृत रेंज के आर्मर उत्पाद शामिल हैं। एक्सपो के पहले दिन, आपसी व्यापार सहयोग के लिए आर्म्ड व्हीकल निगम लिमिटेड (एवीएनएल), यंत्र इंडिया लिमिटेड (वाईआईएल) और एडवांस्ड वेपन्स इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूईआईएल) के साथ तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। बोइंग और मिधानि ने आत्मनिर्भर भारत के समर्थन में एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र हेतु कच्चे माल के लिए सहयोग तलाशने पर सहमति व्यक्त की। रक्षा मंत्री ने डिफेंस एक्सपो-22 में मंथन कार्यक्रम के दौरान सैन्य सामग्रियों के स्वदेशीकरण पर रिपोर्ट जारी की। मिधानि आत्मनिर्भर भारत के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण कच्चे माल के स्वदेशीकरण में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। मिधानि और एचएएल फाउंड्री एंड फोर्ज ने गांधीनगर, गुजरात में आयोजित किए जा रहे डिफेंस एक्सपो 2022 में एयरो इंजन अनुप्रयोगों के लिए आइसोथर्मल फोर्जिंग के विकास और निर्माण के क्षेत्र में विशेषज्ञता साझा करने और सहयोग करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कलम दवात कायस्थ समाज की कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कलम दवात-कायस्थ समाज की कार्यकारिणी बैठक संस्था के संस्थापक बीके कर्ण की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संस्था के अध्यक्ष ज्योति प्रकाश लाल ने पिछले सप्ताहों में किये गए कार्यों का विस्तृत जानकारी देते हुए इस वर्ष की पूजा के विषय पर विशेष चर्चा किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 27 अक्टूबर दिन गुरुवार को सुबह 7 बजे चित्रगुप्त पुजा विधिवत रूप से श्री चित्रगुप्त देवालयम, उप्पुगुड़ा, छतरीनाका, कांदेकल गेट, हैदराबाद के प्रांगण में आजोजित किया जाएगा। इसके अलावे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन अगले महीने 6 नवंबर दिन रविवार को करने का निर्णय लिया गया। जिसके लिए स्थान चयन करके सभी को सूचित किया जायेगा। अनुराग अभिनव ने सभी चित्रांश परिवार से अनुरोध किया कि काफी संख्या में भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज की पूजा-अर्चना में सम्मिलित होकर पूजा को सफल बनाने हेतु एकत्रित हो।

ट्रैफिक पुलिस ने यातायात जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी पुलिस की साउथ जोन ट्रैफिक पुलिस ने चारमीनार क्षेत्र में ऑटो चालकों और छोटे व्यापारियों के लिए यातायात जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में साउथ जोन यातायात डीसीपी करुणाकर, अतिरिक्त डीसीपी प्रसाद राव, एसीपी चारमीनार श्रीनिवास रेड्डी और निरीक्षक चारमीनार केएस रवि सहित ऑटो चालक व छोटे व्यवसायियों ने भाग लिया। डीसीपी करुणाकर ने कहा कि ऑपरेशन रोप के तहत प्रत्येक नागरिक को यातायात जागरूकता, स्टॉप लाइन और फ्री लेफ्ट नियमों का पालन करना चाहिए। यातायात के सुचारू प्रवाह के लिए सभी को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यातायात के नियमों का पालन करने से सभी को फायदा होगा। सही तरीके से वाहनों को चलाने से लोग सुरक्षित रहेंगे।

सम्पत कांकाणी आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र का सदस्य चयनित

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर के प्रसिद्ध समाजसेवी एवं समाज के सर्वांगीण विकास हेतु सक्रिय सम्पत कांकाणी का मुम्बई में श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र की सम्पन्न वार्षिक साधारण सभा में वर्ष 2022-2025 के सत्र के लिये प्रबन्ध समिति सदस्य के रूप में सर्वसम्मति से चयन हुआ। निर्विरोध निर्वाचित सदस्यों में से पद्मभूषण श्रीमती राजश्री बिरला का अध्यक्ष पद पर एवं कार्यकारी अध्यक्ष पद पर चेन्नई निवासी बंसीलाल राठी का चयन किया गया। अन्य पदाधिकारियों में महामंत्री पद पर कस्तुरचंद बाहेती, अर्थमंत्री पद पर आनन्द राठी, सहमंत्री पद पर श्यामसुन्दर काबरा एवं कार्यकारी मंत्री पद पर नवलकिशोर राठी का सर्वसम्मति से चयन हुआ। नवनिर्वाचित प्रबन्ध समिति सदस्य सम्पत कांकाणी ने बताया कि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के 23वें सत्र में महासभा के तत्कालीन सभापति बंसीलाल राठी के सघन प्रयासों से श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र का गठन माहेश्वरी समाज के परिश्रमी एवं उत्साही युवा वर्ग को व्यवसाय संचालन एवं संवर्धन में न्यूनतम सेवा शुल्क पर आर्थिक सहयोग प्रदान करने एवं आत्मनिर्भर बनाते हुये समाज के विकास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से हुआ था। सदस्यता शुल्क, अनुदान एवं रिजर्व के रूप में प्राप्त धन राशि से व्यापार सहयोग केन्द्र का कोष लगभग 30 करोड रुपये को पार कर गया है तथा विगत 22 वर्षों की अवधि में समाज के आर्थिक दृष्टि से कमजोर परन्तु स्वालम्बी बनने के इच्छुक समाज बन्धुओं को आत्म निर्भर बनाने की संकल्पना के साथ लगभग 6690 से अधिक समाज बन्धुओं को व्यापार सहयोग केन्द्र द्वारा आर्थिक त्रण के रूप में 68.70 करोड रुपये से अधिक की राशि उपलब्ध करा कर उनके आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया गया है।

अध्यक्ष श्रीमती राजश्री बिरला की प्रेरणा से महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से छोटे गृह उद्योग को विकसित करने के लिये केवल जिला सभा की अनुशंसा पर उद्यमशील महिलाओं को भी 20 हजार का त्राण उपलब्ध कराया जा रहा है। नियमित रूप से प्रति तीन माह की अवधि में किश्त अदायगी करने वाले ऋण गृहिताओं को सेवा शुल्क में कुछ छूट का भी प्रावधान है।

कादम्बिनी क्लब की 363वीं मासिक गोष्ठी आयोजित

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कादम्बिनी क्लब हैदराबाद के तत्वावधान में क्लब की 363वीं मासिक गोष्ठी क्लब अध्यक्षा डॉक्टर अहिल्या मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित की गई। स्वागत भाषण देते हुए डॉक्टर अहिल्या मिश्र ने कहा कि क्लब अपने 29वें वर्ष की यात्रा में आगे बढ़ रहा है और क्लब के मेंबर्स तथा नवांकुरों का क्लब से जुड़ना निश्चित ही प्रेरणा प्रदान करता है। संगोष्ठी सत्र में चर्चा हेतु श्री नारायण समीर, पूर्व निदेशक भारतीय भाषा अनुवाद कर्नाटक हमारे बीच प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित हैं। डॉक्टर नारायण समीर ने आज के समय में गांधी के आदर्शों की प्रासंगिकता विषय पर वक्तव्य देते हुए कहा कि विश्व आज विनाश के कगार पर खड़ा है। ऐसे में आज गांधी के विचार कितना प्रासंगिक है यह बात कहीं पर प्रश्नचिन्ह भी खड़ा कर देती है। संगोष्ठी सत्र संयोजक अवधेश कुमार सिन्हा (नई दिल्ली) ने कहा कि गांधीजी के प्रयोगों में अंतर्विरोध भी रहा। गांधी साहित्यकारों के बीच आज भी प्रासंगिक हैं। श्री सिन्हा ने उनके अस्पृश्यता, जाति प्रथा आदि से संबंधित विचारों का उल्लेख किया और आज समाजवाद का परिवारवाद में परिवर्तित होने की समस्या की ओर इशारा भी किया। प्रवीण प्रणव ने कहा कि गांधी पर बहुत सारी किताबें लिखी गई हैं। उनकी बहुत सारी बातें हैं जो पूर्णत: सत्य नहीं है। अवधेश कुमार सिन्हा के धन्यवाद के साथ संगोष्ठी सत्र का समापन हुआ।

प्रवीण प्रणव ने कवि गोष्ठी का संचालन किया। इसमें भावना पुरोहित, विनीता शर्मा, जी परमेश्वर, संतोष कुमार रज़ा, निशी कुमारी मोहन, मोहिनी गुप्ता, शिल्पी भटनागर, तृप्ति मिश्रा, चन्द्र प्रकाश दायमा, दर्शन सिंह, डॉक्टर रमा द्विवेदी, सुनीता लुल्ला, मीना मुथा, डॉ. आशा मिश्रा मुक्ता, प्रवीण प्रणव ने भाग लिया। डॉ अहिल्या मिश्र ने अध्यक्षीय टिप्पणी प्रस्तुत की। मीना मुथा के धन्यवाद के साथ गोष्ठी का समापन हुआ।

मदनूर मंडल में कल्याण लक्ष्मी व शादी मुबारक योजना के लाभार्थियों में चेक वितरित करते हुए आवलगाँव सरपंच शांतेश्वर, एमपीटीसी सायलू, मोगा सरपंच सूर्यकांत पाटील, कोडचिरा सरपंच संतोष पाटील, डोंगली एमपीटीसी दीनदयाल, मदनूर उपसरपंच विठ्ठल, पूर्व कृषि बाजार समिति अध्यक्ष शिवाजी राठौड़ व अन्य।

पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाताजी बडेर में स्व.श्री नन्दारामजी आगलेचा की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए खेताराम, भानाराम, पुखराज, मांगीलाल, ताराचन्द, दीपाराम आगलेचा, सीरवी समाज अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, कोषाध्यक्ष जसवन्द देवड़ा, सीए जस्साराम बर्फा, ताराराम गेहलोत, भंवरलाल, मंगलाराम व अन्य।

पार्षदों ने डिप्टी म्युनिसिपल अधिकारी से की क्षेत्रों में साफ-सफाई की कमी की शिकायत

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के सभी नगरसेवकों ने डिप्टी म्युनिसिपल धनु नायक की उपस्थिति में आबिड्स जीएचएमसी कार्यालय में स्वच्छता विभाग तथा साफ-सफाई में लगी निजी कंपनी के ठेकेदार के साथ बैठक की। बैठक में जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल, गोशामहल पार्षद लाल सिंह, श्रीमती शशिकला, श्रीमती सुरेखा, कृष्णा, रामकृष्ण, महेंद्र शामिल हुए। बैठक में रामकी प्राइवेट के ठेकेदार सुशांत, प्रशांत मिश्रा, स्वच्छता अधिकारी एएमओएच श्रीकांत रेड्डी के साथ मुख्य कूड़ा-कचरा बिंदुओं की नियमित सफाई न होने पर चर्चा हुई। पार्षद राकेश जायसवाल व लाल सिंह ने यह शिकायत की कि उनके क्षेत्रों में साफाई बिलकुल ससही ढंग से नहीं हो रही है। लाल सिंह ने कहा कि उनका क्षेत्र बहुत ही गंदा बन गया है। उन्होंने संबंधित अधिकारी को जल्द से जल्द इस पर ध्यान देते हुए उन्हें तीन वाहन व सफाई कर्मचारी उपलब्ध कराने की मांग की। पार्षद राकेश जायसवाल ने सभी सफाईकर्मचारियों को नगर को स्वच्छ रखने पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। साथ ही डिप्टी म्युनिसिपल अधिकारी से इस पर विशेष पहल करने की अपील की।

रोगियों को समय पर सहायता प्रदान करने में मदद करगी एम्बुलेंस : जयेश रंजन

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग, वाणिज्य (आई एंड सी) और सूचना विभाग के प्रमुख सचिव जयेश रंजन ने कहा कि सीएसआर पहल के एक हिस्से के रूप में हेक्सागन, एचवाईएसईए और निर्माण एनजीओ के सहयोग से तेलंगाना के सरकारी अस्पतालों को एम्बुलेंस दान करता है। प्रौद्योगिकी आईटी विभाग, तेलंगाना सरकार के नवनीत मिश्रा, कंट्री हेड और सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, बल्लव मुंद्रा, सीएफओ, अनिमेष मुखर्जी, कार्यकारी प्रबंधक, रुचि सक्सेना, मैनेजर, मार्केटिंग एंड कम्युनिकेशन ऑफ हेक्सागन और मयूर पटनाला, संस्थापक और सीईओ, निर्माण के साथ दो एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाते हुए बीआरकेआर भवन में जयेश रंजन ने कहा कि ये एम्बुलेंस हमें समय पर रोगी सहायता प्रदान करने और कई लोगों की जान बचाने में मदद करेंगी। राज्य सरकार, हम एम्बुलेंस दान करने के लिए हेक्सागोन टीम को धन्यवाद देना चाहते हैं।

नवनीत मिश्रा ने कहा कि हेक्सागन में, हम अपने कर्मचारियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने और दुनिया भर में अपने समुदायों में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम समुदाय में एक छोटा सा अंतर लाने के अवसर के लिए आभारी हैं। हमें अपनी टीम पर गर्व है।

गोष्ठी में कविता : कल, आज और कल पर सारगर्भित चर्चा संपन्न

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 584वीं मासिक साहित्य गोष्ठी में साहित्यिक चर्चा, समीक्षा और कवि गोष्ठी का आयोजन नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में साहित्यकार डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संयोजक कवि गोविंद अक्षय ने हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इस साहित्यिक गोष्ठी में समीक्षिका श्रीमती सुधा ठाकुर ने कविता कल, आज और कल विषय पर अपना सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सामूहिक चर्चा भी संपन्न हुई। कवयित्री व समीक्षिका सुधा ठाकुर ने कहा कि कविता मानव हृदय के उद् गार, उसकी अनुभूति, कल्पना और चेतना की एक संभूत प्रवृत्ति है। कविता का परिवेश और सीमा विस्तार अत्यंत व्यापक है। समयानुसार कविता ने अनेक परिवर्तन देखे हैं। कविता ने अपने विकास में अनेक युग देखे हैं। कविता को महान् संतों जैसे कबीर, सूर, तुलसी, मीरा आदि कवियों की मुख्य भूमिका रही है। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कवि प्रदीप देवीशरण भट्ट ने कहा कि जो त्वरित हृदय से निकले वही कविता है। रामायण, महाभारत, भगवत गीता सभी ग्रंथ काव्य में लिखे गये हैं। कविता समाज का आईना होती है। जब हृदय उद्वेलित हो तब ही कविता लिखे। हमेशा झूठ से बचने का प्रयास होना चाहिए।

कवि सुहास भटनागर ने कहा कि आपके दिल से निकली हुई कविता ही कविता है। वरिष्ठ अनुवादक जी. परमेश्वर ने कहा कि कविता आज भी है कल भी थी और कल भी रहेगी। अध्यक्षीय टिप्पणी में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने कहा कि महाकवि वाल्मीकि ने सबसे पहले क्रौंच पक्षी से प्रेरित होकर कविता लिखी। उनके हृदय में वेदना हुई और इस वियोग को देखकर उन्होंने सशक्त काव्य रचनाओं का सृजन किया। इस अवसर पर एक कवि गोष्ठी का आयोजन भी संपन्न हुआ, जिसमें नगरद्वय के कविगण अपनी समसामयिक कविताएँ, गीत, ग़ज़ल, हास्य व्यंग्य की कविताओं का पाठ किया।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम हैदराबाद श्रेष्ठ शाखा पुरस्कार से सम्मानित

बंडी पर लगा आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप, शिकायत दर्ज

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र समिति (अब भारत राष्ट्र समिति) ने मुनुगोड़े निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

टीआरएस (बीआरएस) ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की, जिन्होंने लोकसभा सदस्य होने के बावजूद लोकतंत्र के प्रति अपने सम्मान का ध्यान न रखते हुए मतदाताओं से टीआरएस और अन्य पार्टियों से 40,000 रुपये स्वीकार करने, लेकिन भाजपा को वोट देने के लिए कहा। मंगलवार को उप मुख्य चुनाव अधिकारी सत्यवाणी से मुलाकात के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए टीआरएस (बीआरएस) के महासचिव सोमा भरत कुमार ने भारत के चुनाव आयोग से बंडी संजय की टिप्पणी के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया, जो कि देश के लोगों को गलत संकेत भेजेगा।

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ धर्म संघ के एकादशम् अधिशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी के पावन आशीर्वाद से छापर, राजस्थान में आयोजित तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम राष्ट्रीय अधिवेशन 2022 में टीपीएफ हैदराबाद शाखा को पिछले एक वर्ष में किये गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए श्रेष्ठ शाखा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन पारख द्वारा आचार्य श्री के सान्निध्य में हैदराबाद शाखा के अध्यक्ष मोहित बैद एवं उपस्थित सदस्यों को श्रेष्ठ शाखा का मोमेंटो प्रदान किया गया। राष्ट्रीय अधिवेशन का पावन शुभारंभ आचार्य श्री महाश्रमणजी के सानिध्य में हुआ। आचार्यश्री ने टीपीएफ को मंगल आशीर्वचन प्रदान किया और फ़रमाया कि तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम समाज का सौभाग्य है और सदस्यों को सामायिक और त्याग प्रत्याख्यान की प्रेरणा दी। फोरम के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनि श्री रजनीश कुमारजी ने भी सभी प्रोफेशनल्स को प्रेरणा पाथेय प्रदान किया। छापर में आयोजित इस त्रिदिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में टीपीएफ हैदराबाद से निवर्तवान राष्ट्रीय सहमंत्री रिषभ दुगड़, निवर्तवान प्रोजेक्ट चेयरमैन नवीन सुराणा, निवर्तवान प्रोजेक्ट चेयरमैन दीपक संचेती, मोहित बैद, रक्षिता बोहरा, पंकज संचेती , अणुव्रत सुराणा , कन्दर्प दुधोरिया, प्रतीक्षा दुधोरिया ने सहभागिता दर्ज करायी।

श्रीलंका की बड़ी जीत

यूएई को 73 रन पर ऑलआउट कर जीता मैच, मयप्पन की हैट्रिक गई बेकार

मैच ब्रीफ

T20 WORLD CUP

	श्रीलंका		UAE	
टीम स्कोर	152/8 ओवर (20)		73/10 ओवर (17.1)	
	बैटर	बॉलर	बैटर	बॉलर
	पाथुम निशांका 74(60)	कार्तिक मयप्पन 3/19	अयान अफजल खान 19 (21)	वानिंदू हसरंगा 3/8
	धनंजय डी सिल्वा 33 (21)	जहूर खान 2/26	चिराग सूरी 14 (19)	दुश्मंथा चमेरा 3/15

श्रीलंका ने UAE को 79 रन से हराया।

गीलोंग, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप के क्वालिफायर राउंड में पहला मैच हारने वाली श्रीलंका की टीम जोरदार वापसी की है। श्रीलंका ने यूएई को 79 रन से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 152 रन बनाए थे। पाथुम निशांका ने सबसे ज्यादा 74 रन की पारी खेली। वहीं, धनंजय डिसिल्वा ने 33 रन की रन बनाए। जवाब में यूएई की टीम 17.1 ओवर में 73 रन पर ऑलआउट हो गई। दुष्मंथा और हसरंगा ने सबसे ज्यादा तीन-तीन विकेट लिए।

मयप्पन ने जमाई इस वर्ल्ड कप की पहली हैट्रिक

इससे पहले श्रीलंका की पारी के

दौरान यूएई के भारतीय मूल के स्पिनर कार्तिक मयप्पन ने हैट्रिक जमाई। उन्होंने श्रीलंकाई पारी के 15वें ओवर की चौथी, पांचवीं और छठी गेंद पर भानुका राजपक्षे, चरिथ असालंका और दासुन शनाका का विकेट लिया। यह इस वर्ल्ड कप की पहली हैट्रिक है। वहीं, ओवर ऑल टी-20 वर्ल्ड कप में ये पांचवीं हैट्रिक है।

श्रीलंका के विकेट ऐसे गिरे

पहला: 42 रन पर श्रीलंका का पहला विकेट गिरा। कुशल मेंडिस 18 रन बनाकर आर्यन लाकरा की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए।
दूसरा: 92 रन पर श्रीलंका का दूसरा विकेट गिरा। डी सिल्वा 33 रन बनाकर रन आउट हुए।
तीसरा: 117 रन पर श्रीलंका का तीसरा विकेट गिरा। भानुका राजपक्षे 5 रन बनाकर रन आउट हुए।
चौथा: 117 रन पर श्रीलंका का चौथा विकेट गिरा। चरित अशलंका बिना रन बनाए आउट हुए।
पांचवां: 117 रन के स्कोर पर ही पांचवां विकेट गिरा। दासुन शनाका मयप्प की गेंद पर बोल्ड हुए।
छठा: वानंदू हसारंगा अफजाल खान की गेंद पर आउट हुए। टीम का स्कोर 6 विकेट पर 120 रन।
सातवां: चमिका करुणनारत्ने जहूर खान की गेंद पर आउट हुए। स्कोर स्कोर 7 विकेट पर 150 रन।
आठवां: पाथुम निशांका 74 रन बनाकर जहूर खान की गेंद पर आउट हुए।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

श्रीलंका: पथुम निसानका, कुशल मेंडिस, डी डी सिल्वा, चरित अशलंका, बी राजपक्षे, डी शनाका (कप्तान), वानिंदु हसरंगा, चमिका करुणारत्ने, महेश तीक्ष्णा , दुश्मंथा चमेरा, प्रमोद मदुशन।
यूएई : वसीम मुहम्मद, सीपी रिजवान (कप्तान), आर्यन लाकरा, वी अरविंद, चिराग सूरी, बासिल हमीद, काशिफ दाऊद, अयान अफजल खान,के मयप्पन, जुनैद सिद्दीकी, जहूर खान।

वेस्टइंडीज की वर्ल्ड कप में पहली जीत

जिम्बाब्वे को 31 रन से हराया, अल्जारी जोसेफ ने झटके 4 विकेट

जोसेफ प्लेयर ऑफ द मैच
4 ओवर | 16 रन | 4 विकेट | 4.00 इकोनॉमी

होबार्ट, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पहले मैच में स्कॉटलैंड में हारने के बाद वेस्टइंडीज की टीम ने जोरदार वापसी की है। वर्ल्ड कप के 8वें मुकाबले में वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को 31 रन से हरा दिया। मैच में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे के सामने 154 रन का टारगेट दिया था। जॉनसन चार्ल्स ने 45, रोवमैन पॉवेल ने 28 और अकील होसेन ने वेस्टइंडीज के लिए 23 रन बनाए थे। जिम्बाब्वे के लिए सिकंदर रजा ने सबसे ज्यादा तीन विकेट झटके। वहीं, ब्लेसिंग मुजारबानी को दो और सीन विलियम्स को एक विकेट मिला।
जवाब में जिम्बाब्वे की टीम ने 18.2 ओवर में 122 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। अल्जारी जोसेफ ने 16 रन देकर 4 विकेट झटके।
पहला: काइल मेयर्स (13) के बल्ले पर टॉप एज और बॉल को कप्तान और विकेटकीपर चकबवा ने कैच किया।
दूसरा : एविन लुईस (15) बड़ा शॉट खेलना चाहते थे, लेकिन रजा की बॉल पर शुंबा को लॉन्ग ऑन में कैच दे बैठे।
तीसरा : कप्तान निकोलस पूरन (7) बड़ी पारी नहीं खेल सके। विलियम्स ने फॉलो थ्रो में उनका कैच पकड़ा।
चौथा : जॉनसन चार्ल्स (45) रन आउट हो गए। वे अर्धशतक के करीब थे।
पांचवां : शिमराह ब्रूक्स शून्य के स्कोर पर वापस लौटे। उन्हें सिकंदर रजा ने एलबीडब्ल्यू किया।
छठवां : जेसन होल्डर 4 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें रजा ने कैच किया।

हारा तो वेस्टइंडीज टूर्नामेंट से बाहर

वेस्टइंडीज के लिए ग्रुप-बी का यह मुकाबला जीतना जरूरी है। यदि वह यह मैच हार गया तो इस टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा। पिछले मुकाबले में वेस्टइंडीज को स्कॉटलैंड के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी। वेस्टइंडीज को 21 अक्टूबर को आयरलैंड से आखिरी लीग मुकाबला खेलना है। दोनों ने एक-एक मैच गंवाए हैं।
वेस्टइंडीजः काइल मेयर्स, जॉनसन चार्ल्स, एविन लुईस, शिमराह ब्रूक, निकोलस पूरन (कप्तान और विकेटकीपर), रोवमैन पॉवेल, जेसन होल्डर, अकील होसेन, ओडियन स्मिथ, ब्रैंडन किंग, अल्जारी जोसेफ।
जिम्बाब्वेः रेजिस चकबवा (कप्तान), वेस्ले मधेवेरे, सीन विलियम्स, सिकंदर रज़ा, मिल्टन शुंबा, टोनी मोनियोंगा, रयान बर्ल, एल. जोंगवे, टी. चतरा, आर. नगारवा, ब्लेसिंग मुजरबानी।

भारत का दूसरा वार्मअप मैच बारिश के कारण रद्द

न्यूजीलैंड के खिलाफ एक भी गेंद का खेल नहीं हुआ, अब पाकिस्तान से भिड़ेगी टीम इंडिया

ब्रिस्बेन, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिस्बेन में हो रही लगातार बारिश के कारण भारत और न्यूजीलैंड के बीच अभ्यास मैच को रद्द कर दिया गया है। पहले वार्मअप मैच में टीम इंडिया ने डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद इस मैच में उन खिलाड़ियों को मौका देने वाली थी जो पहला मैच नहीं खेल पाए थे। जबकि कीवियों को पहले ही मुकाबले में साउथ अफ्रीका से हार झेलनी पड़ी थी।

शमी की शानदार वापसी

टीम के सबसे अनुभव तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने करीब एक साल बाद टीम में वापसी की है। बड़ा बात यह है कि वे अच्छी लय में दिख रहे हैं। जो टीम इंडिया के लिए अच्छे संकेत हैं। शमी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी ओवर में 4 गेंदों पर 3 विकेट लेकर मैच पलट दिया था। वे ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपना बेस्ट देने के लिए तैयार हैं।
भारतीय टीम अब 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ मैच में उतरेगी। यह भारत का पहला मुकाबला होगा। 2021 के टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम को 10 विकेट से करारी हार मिली थी। किसी वर्ल्ड कप में पहली बार पाकिस्तान से भारत जीता था। अब टीम इंडिया उस हार का बदला लेने उतरेगी। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की टीम अपना पहला मैच 22 अक्टूबर को सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी।

साजन का कमाल

यू-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन कैटेगरी का मेडल जीतने वाले पहले पहलवान

77 KG में रेपचेज में ब्रॉन्ज जीता
यूक्रेन के विसोत्स्की को हराया

स्पेन, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय पहलवान साजन भनवाल ने स्पेन में चल रहे अंडर-23 वर्ल्ड कप में इतिहास रच दिया है। उन्होंने ग्रीको-रोमन की 77 किलोग्राम वेट केटगेरी का ब्रॉन्ज मेडल जीता है। वे वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन कैटेगरी का ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। यह मेडल इसलिए भी खास है, क्योंकि अब तब भारतीय पहलवान फ्री स्टाइल कैटेगरी में ही मेडल जीत रहे थे।
फ्री स्टाइल : पहलवान प्रतिद्वंद्वी के शरीर के किसी भी हिस्से को पकड़कर दांव खेल सकता है।
ग्रीको-रोमन : इसमें प्रतिद्वंद्वी के कमर के ऊपर के हिस्से से ही दांव लगाना होता है। रेसलर टांगों से ना अटैक कर सकते हैं और न ही डिफेंस।

पहले 4-10 से पिछड़ रहे थे, फिर कमाल वापसी की

साजन मुकाबले के शुरुआती दौर में यूक्रेन के दिमित्रो वासेत्स्की के खिलाफ 4-10 से पिछड़ रहे थे। दूसरे-तीसरे राउंड में भारतीय पहलवान ने 10-10 की बराबरी की। बाद में मैच पॉइंट के बाद रेफरी ने उन्हें विजेता घोषित कर दिया।

प्री-क्वार्टर फाइनल में 8-0 से हारे थे

साजन प्री-क्वार्टर फाइनल में मोल्दोवा के अलेक्जेंड्रिन गुटु से 0-8 से हार गए थे। गुटु के फाइनल में पहुंचने के बार साजन को रेपचेज के तहत मौका मिला। इसमें कजाखिस्तान के रसूल जूनियस को 9-6 से हरया।
रेपचेज शुरुआती दौर में हारने वाले पहलवान को एक मौका और देता है। बशर्ते, वह शुरुआती दौर में जिस पहलवान से हारा है। उसने फाइनल में जगह बना ली हो। सीधे शब्दो में कहे फाइनलिस्ट पहलवानों ने शुरुआती राउंड में जिन्हें हराया है उनके पास रेपचेज राउंड से ब्रॉन्ज जीतने का मौका होता है।

शाहीन ने गुरबाज को फेंकी अंगूठा तोड़ यॉर्कर

साथी खिलाड़ी के कंधे पर लदकर पवेलियन लौटा अफगानी ओपनर

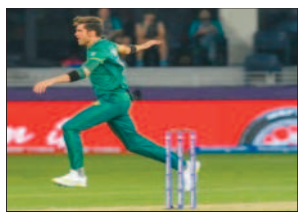

ब्रिस्बेन, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बुधवार को पाकिस्तान-अफगानिस्तान वार्मअप मैच में 22 साल के पाकिस्तानी तोज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की टो क्रशर यॉर्कर ने अफगानिस्तान के ओपनर बल्लेबाज रहमान उल्लाह गुरबाज का अंगूठा तोड़ दिया। शाहीन की बॉल इतनी खतरनाक थी कि अफगानी ओपनर को अपने साथी खिलाड़ी की पीठ पर लदकर पवेलियन जाना पड़ा। उन्हें एक अस्पताल में स्कैन के लिए भेजा गया है।
मैच के बाद शाहीन अफगानिस्तान के ड्रेसिंग रूम में गुरबाज का हाल जानने भी पहुंचे। उन्होंने अफगान ओपनर से काफी देर बात की। यह मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया।
याद दिला दें कि 23 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला होना है। मेलबर्न में होने वाले इस मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों को शाहीन शाह अफरीदी की गेंदों को संभलकर खेलना होगा।
अफगानिस्तान ने दिया 155 का टारगेट
दिन के पहले वार्मअप मैच में अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के सामने जीत के लिए 155 रनों का टारगेट सेट किया। उसकी ओर से कप्तान मोहम्मद नबी ने 17 गेंदों में 51 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। इब्राहिम जदरान ने 35 रन बनाए।
पहले मुकाबले में खाली हाथ रहे थे अफरीदी
शाहीन शाह अफरीदी पाकिस्तान के पहले वार्मअप मैच में खाली हाथ रहे थे। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दो ओवर गेंदबाजी की और 7 रन खर्च किए थे। इस मैच में पाकिस्तान को 6 विकेट पराजय झेलनी पड़ी थी।
चोट से उबरे हैं, एशिया कप से बाहर थे
अफरीदी चोट से उबरकर आए हैं। वे एशिया कप में टीम का हिस्सा नहीं थे। उनके घुटने में चोट लगी थी। वे अगस्त में गाल टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ चोटिल हो गए थे।

टी-20 वर्ल्डकप में इंडिया को लेकर कपिल देव की भविष्यवाणी

कहा- भारत के सेमीफइनल में पहुंचने की उम्मीद सिर्फ 30%

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप का आगाज हो चुका है। इस बीच भारत की 1983 वर्ल्ड कप विनिंग टीम के कप्तान कपिल देव का चौंकाने वाला बयान सामने आया है। उन्होंने लखनऊ में एक इवेंट के दौरान कहा - टीम इंडिया के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना सिर्फ 30% है।
कपिल देव ने टीम इंडिया के प्लेयर्स के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने ऑलराउंडर्स के बारे में कहा - वर्ल्डकप और आने वाले समय में ऑलराउंडर्स पर बहुत सारी जिम्मेदारियां रहेंगी। वे मैच विनर होंगे। ऑलराउंडर्स टीम के प्रमुख खिलाड़ी होते हैं। पिछले कुछ समय से टीम इंडिया के लिए हार्दिक पंड्या बहुत अहम रहे हैं। वे कप्तान रोहित शर्मा को छठा गेंदबाज यूज करने की आजादी देते हैं। इससे टीम को मदद मिलती है। वह एक अच्छे बल्लेबाज, गेंदबाज और फील्डर भी हैं। रवींद्र जडेजा भी भारत के शानदार ऑलराउंडर हैं।
मोहम्मद शमी चोटिल बुमराह का सही रिप्लेसमेंट
भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के बारे में पूछे जाने पर कपिल देव ने कहा - मोहम्मद शमी बुमराह के एक परफैक्ट रिप्लेसमेंट हैं। शमी एक शानदार गेंदबाज हैं और रोहित पर यह निर्भर करता है की वे शमी को किस तरह यूज करते हैं। आज कल के गेंदबाजों का जल्दी चोटिल हो जाना सबसे बड़ी समस्या है।
सूर्यकुमार पिछले दो सालों में दुनिया के बेस्ट टी-20 बल्लेबाजों में से एक
सूर्यकुमार यादव पर कपिल देव ने कहा - दो साल पहले सूर्यकुमार यादव के बारे में कोई बात नहीं करता था, लेकिन पिछले कुछ सालों में वे दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक बन चुके हैं। सूर्यकुमार ने अपने परफॉरमेंस से दुनिया को उनके बारे में बात करने पर मजबूर कर दिया। रोहित शर्मा, विराट कोहली, और केएल राहुल के साथ सूर्यकुमार यादव जैसे बल्लेबाज के होने से टीम मजबूत हुई है।
23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा भारत
टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप में अपने अभियान का आगाज 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ करेगी।

यरवदा जेल के कैदियों ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट में जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुणे की यरवदा जेल की एक शतरंज टीम ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए हाल ही में विश्व शतरंज महासंघ (फिडे) द्वारा कैदियों के लिए आयोजित अंतर महाद्वीपीय 'आजादी के लिए शतरंज' ऑनलाइन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। यह पहला अवसर है, जब भारतीय कैदियों की टीम ने किसी टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।
इस प्रतियोगिता में 46 देशों की 86 टीमों ने हिस्सा लिया था। इस प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम को भारतीय तेल निगम (आईओसी) की 'परिवर्तन- जेल से लेकर गौरव तक' पहल के तहत तैयार किया गया था। आईओसी ने एक बयान में यह जानकारी दी। इस प्रतियोगिता को कैदियों के लिए शतरंज ओलंपियाड भी कहा जा सकता है।
भारतीय टीम में 6 सदस्य शामिल थे। भारतीय टीम ने अल सल्वाडोर को हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। फिलीपींस की टीम ने स्वर्ण पदक, जबकि कोलंबिया की टीम ने रजत पदक जीता।

टी-20 इतिहास में 60 हजार रन बने

वर्ल्ड कप क्वालिफायर में 6 विकेट से जीता आयरलैंड, सुपर-12 की उम्मीदें कायम

जोन्स का अर्धशतक, 4 छक्के जमाए
रन 86 | गेंद 55 | स्ट्राइक रेट 156.36 | 4/6 : 6/4

होबार्ट, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप के क्वालिफायर जारी हैं। बुधवार के पहले मुकाबले में आयरलैंड ने स्कॉटलैंड को 6 विकेट से पराजित कर दिया। इस जीत में कर्टिस कैंपर और जॉर्ज डॉकरेल के बीच नाबाद 199 रनों की साझेदारी अहम रही।
इस जीत के साथ ही आयरलैंड ने अपने सुपर-12 में प्रवेश की उम्मीदें कायम रखी हैं। टीम को 21 अक्टूबर को वेस्टइंडीज के साथ मुकाबला खेलना है। दोनों ने एक-एक मुकाबले गंवाए हैं। ऐसे में फिलहाल स्थिति रोमांचक है।
हॉबर्ट में स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 176/5 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। उसकी ओर से माइकल जोन्स ने 6 चौको और 4 छक्कों से सजी अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 156.36 के स्ट्राइक रेट से 86 रन बनाए। कप्तान रिची बेरिंगटन के बल्ले से 37 रन निकले। जबकि मैथ्यू क्रॉस ने 28 रन जोड़े। कर्टिस कैंपर ने दो विकेट लिए। मार्क अडायर और जोशुआ लिटिल ने एक-एक विकेट बांटे। 177 रनों का लक्ष्य आयरलैंड ने 6 गेंद रहते चार विकेट पर हासिल कर लिया। उसकी ओर से कर्टिस कैंपर ने 72 और जॉर्ज डॉकरेल ने 39 रन बनाए। स्कॉटलैंड की ओर से वाट, व्हील और शरीफ ने एक-एक विकेट लिए।

चौके के साथ बना 60000वां रन

आयरिश पारी के 5वें ओवर में टी-20 इतिहास के 60 हजार रन पूरे हो गए। 60000वां रन टकर के बल्ले से निकला। जब उन्होंने ओवर की पहली बॉल पर चौका जमाया। यह बॉल शरीफ ने फेंकी।
स्कॉटलैंडः जॉर्ज मुन्से, माइकल जोन्स, मैथ्यू क्रॉस (विकेटकीपर), रिची बेरिंगटन (कप्तान), कैलम मैकलियोड, माइकल लीस्क, क्रिस ग्रीव्स, मार्क वाट, जोश डेवी, सफ्यान शरीफ, ब्रैड व्हील।
आयरलैंडः पॉल स्टर्लिंग, एंड्रयू बालबर्नी (कप्तान), लोरकन टकर (विकेटकीपर), हैरी टेक्टर, गैरेथ डेलानी, कर्टिस कैंपर, जॉर्ज डॉकरेल, सिमी सिंह, मार्क अडायर, जोशुआ लिटिल, बैरी मैकार्थी।

पीसीबी ने कहा- हमारी टीम वर्ल्ड कप खेलने नहीं जाएगी

पाकिस्तान न आए तो भी बीसीसीआई को फर्क नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन और बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने सोमवार को अगले एशिया कप को लेकर बड़ा अपडेट दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी। इसलिए टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर किसी अन्य देश में शिफ्ट कर दिया जाएगा। एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को मिली थी। उसे उम्मीद थी कि इस टूर्नामेंट के जरिए वह दुनिया की सबसे लोकप्रिय टीम (टीम इंडिया) को अपने घर में 15 साल बाद होस्ट कर सकेगा। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड मालामाल बनता और उसके देश के ऊपर से डेंजरस होने का टैग पूरी तरह से हट जाता, लेकिन टीम न भेजने के भारत के फैसले ने उसके अरमानों पर पानी फेर दिया है।
इसके बाद पाकिस्तान अपनी आदत के मुताबिक धमकी पर उतर आया है। पीसीबी ने कहा है कि अगर भारत एशिया कप के लिए टीम नहीं भेजता है तो हम अगले वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजेंगे।
पहले जान लेते हैं कि बौखलाया हुआ पाकिस्तान बोल क्या रहा है
न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी वर्ल्ड कप के बायकॉट की धमकी देने के साथ-साथ आईसीसी और एसीसी का रोना भी रो रहा है। उसका कहना है कि इससे आईसीसी और एसीसी को घाटा होगा।
पीसीबी के प्रवक्ता ने कहा कि

अगले महीने मेलबर्न में होने वाली आईसीसी बोर्ड की बैठक में इस मुद्दे को उठाएंगे। पीटीआई की खबर में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट रमीज राजा, जय शाह के इस फैसले से नाखुश हैं।

पाकिस्तान के बायकॉट को नहीं मिलेगा किसी का सपोर्ट

कोरोना पैंडेमिक से पहले टीम इंडिया को श्रीलंका का दौरा करना था। श्रीलंका बोर्ड को इस सीरीज के लिए स्पॉन्सर मिल गए थे, लेकिन लॉकडाउन के कारण ये सीरीज नहीं हो पाई। बीसीसीआई ने श्रीलंका बोर्ड से वादा किया कि बाद में टीम इंडिया जरूर श्रीलंका दौरे पर जाएगी और उसके घाटे की भरपाई करा देगी। टीम वाकई बाद में श्रीलंका गई और वहां सीरीज खेलकर आई। इसके बाद श्रीलंका बोर्ड ने बीसीसीआई को अपना बड़ा भाई बताया था।
सिर्फ श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड नहीं है जिसे आर्थिक रूप से अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए बीसीसीआई के सपोर्ट की जरूरत होती है।

केटीआर होंगे अगले मुख्यमंत्री : श्रीनिवास गौड़

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ टीआरएस और विपक्षी दल दोनों मुनुगोड़े निर्वाचन क्षेत्र में आगामी उपचुनाव के लिए मतदाताओं को लुभाने के लिए डोर-टू-डोर अभियान में व्यस्त हैं। तेलंगाना के मद्य निषेध और उत्पाद शुल्क मंत्री श्रीनिवास गौड़ सक्रिय रूप से अभियान में भाग ले रहे हैं और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जनता के बीच ले जाकर मतदाताओं का ध्यान खींच रहे हैं। डोर-टू-डोर अभियान में मंत्री श्रीनिवास गौड़ ने मतदाताओं से कहा कि केसीआर वर्तमान सीएम हैं और केटीआर भविष्य के सीएम हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगला मुख्यमंत्री मुनुगोड़े निर्वाचन क्षेत्र को अपनाने का वादा कर रहा है और हर पहलू में विकास करेगा। बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, विधायक के महेश रेड्डी और एमएलसी वी गंगाधर गौड़ के साथ मंत्री श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि केटीआर में मुख्यमंत्री बनने की सभी क्षमताएं हैं और पार्टी रैंक और फाइल भी केटीआर को प्रमुख पद ग्रहण करने की जोरदार मांग कर रही है। "सबसे पहले, केटीआर ने तेलंगाना आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया और अलग राज्य के लिए लड़ाई लड़ी। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, उन्होंने राज्य सरकार में विभिन्न विभागों को लेकर साबित कर दिया है कि वह एक सक्षम प्रशासक हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई सहित जांच एजेंसियों की मदद से टीआरएस को आतंकित करने की कोशिश कर रहे हैं।

छात्रा ने इमारत से कूदकर आत्महत्या की

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर में मंगलवार की रात डिग्री की एक छात्रा ने ऊंची इमारत से कूदकर आत्महत्या कर ली। शहर के निजाम कॉलेज की छात्रा अपने माता-पिता के साथ मियापुर में रहती थी। हालांकि, पिछले छह महीने से वह अपने दादा-दादी के घर मातृश्रीनगर मियापुर के एक अपार्टमेंट में रह रही थी। मंगलवार को दोपहर में कॉलेज से लौटने के बाद वह उदास दिखाई दी। रात में वह इमारत की 20 मंजिल पर चली गई और वहां से कूद गया। मियापुर पुलिस ने कहा कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एक निजी डायरी में कथित तौर पर उनके द्वारा लिखे गए एक नोट में उसने लिखा था कि वह जीने को तैयार नहीं है और अपने जीवन से परेशान थी।

मुनुगोड़े उपचुनाव के लिए रेवंत ने 'नो मनी नो लिकर' चुनौती पेश की

नलगोंडा, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने मुनुगोड़े उपचुनाव में सभी राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को चुनौती दी कि वे यादाद्री श्री लक्ष्मीनरसिम्हा स्वामी को शपथ दिलाएं कि वे स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए मतदाताओं को पैसे और शराब का वितरण नहीं करेंगे।

अपने प्रचार अभियान के दौरान थंडेगु पल्ली में एक सभा को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने अन्य दलों पर मुनुगोड़े के लोगों को वोट पाने के लिए शराब बांटने का आरोप लगाया। कांग्रेस उम्मीदवार यादाद्री श्री लक्ष्मीनरसिम्हा स्वामी को मतदाताओं को शराब और पैसे न बांटने की शपथ लेने के लिए तैयार है, उन्होंने दूसरों को भी ऐसा करने का आह्वान किया। कांग्रेस उम्मीदवार पलवई श्रावंती ने मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र के विकास पर टीआरएस और भाजपा दोनों उम्मीदवारों को खुली बहस के लिए चुनौती दी। उन्होंने कहा कि मुनुगोड़े के लोग उन्हें जीत के लिए वोट देकर महिलाओं की ताकत का परिचय देंगे।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एमबीएस के निदेशक सुकेश गुप्ता गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने मंगलवार देर रात मुसद्दीलाल जेम्स एंड ज्वेल्स (एमबीएस) के निदेशक सुकेश गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। रात के दौरान सीसीएस पुलिस की हिरासत में लिए गए सुरेश गुप्ता को बुधवार सुबह 11 बजे किंग कोठी के सरकारी अस्पताल में पेश किया गया, जिसके बाद उन्हें नामपल्ली ईडी अदालत में पेश किया गया। बाद में, सुकेश गुप्ता को चंचलगुडा जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। ज्ञात हुआ है कि लोकप्रिय ज्वैलरी शॉप मुसद्दीलाल जेम्स एंड ज्वेल्स में अनियमितता के निष्कर्ष पर पहुंचे ईडी के अधिकारियों ने सोमवार से मंगलवार रात तक छापेमारी की। इस मौके पर ईडी ने एक सौ करोड़ रुपये के सोने और हीरे के आभूषण जब्त किए। इसके अलावा 50 करोड़ रुपये कीमती बेनामी संपत्तियां भी जब्त की गईं। एमबीएस के प्रमोटरों सुकेश गुप्ता और अनुराग गुप्ता हैं। पिछले दो साल में ईडी ने कई बार इन संगठनों के खिलाफ छापेमारी कर मामले दर्ज कर सनसनी मचा दी है। ताजा छापेमारी में ईडी के अधिकारियों ने इन संस्थानों में चल रही कई अनियमितताओं का खुलासा किया है।

एमबीएस ने इससे पहले मिनरल्स एंड मेटल्स ट्रेडिंग कॉरपोरेशन (एमएमटीसी) से 504 करोड़ रुपये का सोना लिया था। एमएमटीसी ने पाया कि सोना बिना भुगतान के बेचा गया था। इससे एमबीएस को ऑनलाइन सेटलमेंट का मौका मिल गया, लेकिन कंपनी ने इसका इस्तेमाल नहीं किया। एमएमटीसी ने सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई है। इस शिकायत के आधार पर ईडी के अधिकारियों ने एमबीएस और मुसद्दीलाल जेम्स एंड ज्वैलरी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। इस बीच, ईडी के अधिकारियों ने पाया कि एमएमटीएस से लिया गया सोना बेचने वाले एमबीएस ने अन्य कंपनियों में निवेश किया। इसी पृष्ठभूमि में इन अधिकारियों ने छापेमारी की और सोने और हीरे के आभूषण और बेनामी संपत्तियों को जब्त किया। पिछले साल ईडी ने इन कंपनियों की 323 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी। इसी मामले में मंगलवार की देर रात छापेमारी कर ईडी अधिकारियों ने इन संगठनों के निदेशक सुकेश गुप्ता को गिरफ्तार किया है, लेकिन गिरफ्तारी के बाद नाटकीय घटनाक्रम हुआ।

जीएचएमसी की स्थायी समिति का जल्दी हो सकता है गठन

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की स्थायी समिति के गठन का कार्यक्रम जल्द ही जारी किया जाएगा और समिति का वर्तमान एक साल का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। स्थायी समिति में महापौर की अध्यक्षता में 15 नगरसेवक शामिल हैं और यह जीएचएमसी का शीर्ष निकाय है जो महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लेता है। वर्तमान समिति में आठ टीआरएस (अब बीआरएस) पार्षद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सात नगरसेवक शामिल थे। स्थायी समिति 2 करोड़ रुपये से कम के कार्यों को जीएचएमसी आयुक्त या क्षेत्रीय आयुक्तों द्वारा अनुमोदित किया जा सकता है। नियमों के मुताबिक, अगर एक काम के लिए 2 करोड़ रुपये से लेकर 3 करोड़ रुपये तक के फंड की जरूरत होती है, तो प्रस्तावों को मंजूरी के लिए स्थायी समिति के सामने रखना होता है। 3 करोड़ रुपये से 6 करोड़ रुपये तक के कार्यों के लिए, प्रस्तावों को आम सभा की बैठक में रखा जाना चाहिए जिसे परिषद की बैठक के रूप में भी जाना जाता है और यदि कार्य 6 करोड़ रुपये से अधिक हैं, तो उन्हें स्थायी समिति के माध्यम से अनुमोदन के लिए राज्य सरकार को भेजा जाना चाहिए।

ऑनलाइन शॉपिंग से बाजार में रौनक नहीं

आत्मनिर्भर भारत के लिए 'वोकल फॉर लोकल' को बढावा देने की अपील

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑनलाइन शॉपिंग दीपावली ऑफर से भले ही लोगों की चांदी हो रही है, लेकिन इससे बाजार की चमक फीकी पड़ती नजर आ रही है। वैसे तो सालभर ऑनलाइन शॉपिंग करने वाले उपभोक्ताओं की बड़ी संख्या होती है, लेकिन इन दिनों दीपावली पर दी जा रही छूट और आकर्षक मन लुभाने वाले उपहारों ने इनकी तादाद बढ़ा दी है धनतेरस 21 अक्टूबर को है, लेकिन अब तक बाजार ना तो सजा है ना ही रौनक नजर आ रही है। बिक्री नहीं होने से दुकानदारों में भी उत्साह नहीं है। पंकज कुमार अग्रवाल का कहना है कि ऑनलाइन खरीदारी ने 50 से 80 फीसदी तक बाजार पर असर डाला है। ऑनलाइन उत्पाद बेचने वाली कंपनियां बाजार में एम.आर.पी. पर बिकने वाले सामान में कई गुना कम दाम पर अपने प्रोडक्ट बेच रहीं हैं। इस कारण हर वर्ग, विशेषकर युवा वर्ग का ध्यान ऑनलाइन खरीदारी की ओर अधिक रहता है। कपड़े हों, इलेक्ट्रानिक सामान या फर्नीचर सभी का दाम बाजार की तुलना में बहुत कम बताये जाते है। ऐसे में जो लोग बाजार में खरीदारी के लिए आ भी रहे हैं वह ऑनलाइन में दिए जा रहे दाम और बाजार के दाम पर विक्रेता से उलझ पड़ते हैं। ऑनलाइन खरीदारी की वजह से धनतेरस पर बर्तन, चूल्हे, कपड़े आदि के बाजार पर 50 फीसदी का असर पड़ा है। नगर के एक व्यापारी पंकज कुमार अग्रवाल ने बताया कि बाजार में ग्राहक कम हो गए हैं, क्योंकि धनतेरस से पहले लोग बर्तन, कपड़े के अलावा जो भी लेना होता था उसकी बुकिंग करा लेते हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन शॉपिंग से मार्केट में बहुत गिरावट आ गई है। महिलाएं दुकान पर आती हैं, सामान के बारे में पूछती हैं, जैसे ही दाम सुनती हैं, बहस शुरू कर देती हैं कि ऑनलाइन इतना कम है और यहां इतना ज्यादा क्यों? लोग घर बैठे-बैठे ही सामान खरीद रहे हैं और क्वालिटी का फर्क देख पछता भी रहे हैं। दीपावली पर जो रौनक हुआ करती थी, वह अब नहीं रही। ऐसे ही चलता रहा तो बाजार की हालात बेहद खराब हो जाएगी तथा देश मे एक भारी आर्थिक संकट उत्पन्न हो सकता है। दी हैदराबाद कटपीस क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के कार्यकारणी सदस्य व नगर हैदराबाद के प्रमुख कपड़ा व्यापारी पंकज कुमार अग्रवाल के अनुसार ऑनलाइन कंपनियां लोगों को लालच दे रही हैं। इन कंपनियों ने बाजार के विक्रेताओं का काम ठप कर दिया है। इससे व्यापारी वर्ग त्रस्त है। सुबह से शाम तक दुकान में बैठा हर छोटा, बड़ा व्यापारी इससे परेशान है। दीपावली जेसे मुख्य त्यौहार पर इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। दीपावली पर ऑनलाइन खरीदारी से खुदरा बाजार का गणित गड़बड़ा गया है। ऑनलाइन कंपनियां लगातार सेल चला रही हैं। कई प्रोडक्ट पर 100 फीसद कैशबैक और अन्य छूट दी जा रही है। तमाम लोग मोबाइल, लैपटॉप, इलेक्ट्रानिक आइटम, ब्रांडेड कपड़े, फूड आइटम, ड्राई फ्रूट्स, जूते आदि की ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं। आफर देखकर ऑनलाइन खरीदारी तो कर ली, लेकिन लोकल मार्केट में पता चला कि उनके प्राडक्ट में कई फीचर कम हैं और वारंटी भी नहीं है। बाजार में एक साल की वारंटी के साथ प्राडक्ट मिल रहा है, लेकिन ऑनलाइन में कोई वारंटी नहीं मिली।

श्री अग्रवाल ने कहा पीएम मोदी ने रेडियो पर भी अपनी मन की बात कार्यक्रम में दीवाली, गोवर्धन पूजा, भाईदूज से लेकर छठ पूजा की चर्चा करते हुए इनकी तैयारियों और उत्साह का जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने त्योहारी खरीदारी की चर्चा करते हुए कहा था कि "आपको याद है न, खरीददारी मतलब 'वोकल फॉर लोकल'। आप लोकल खरीदेंगे तो आपका त्योहार भी रोशन होगा और किसी गरीब भाई-बहन, किसी कारीगर, किसी बुनकर, किसी व्यापारी के घर में भी रोशनी होगी। पंकज कुमार अग्रवाल ने सभी से आग्रह किया की इस बार ना सही आने वाले त्योहारों में बाजार में आपकी लोगों की मौजूदगी, खरीदारी बाजार और व्यापरियों को मजबूती देगी और आपके घर के साथ साथ बाजारों को भी रोशन करेगी साथ ही सरकार से भी अनुरोध किया कि इस ऑनलाइन कम्पनियों की कार्य प्रणाली पर निगरानी रखे।

मासूम लड़की का यौन शोषण करने वाला ड्राइवर धरा गया

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पुलिस ने बंजारा हिल्स के एक स्कूल में एक लड़की का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। चालक ने कथित तौर पर कक्षा एक में पढ़ने वाली करीब चार साल की एक लड़की का यौन उत्पीड़न किया था। बच्चे ने इसकी जानकारी अभिभावकों को दी। इसके बाद अभिभावक स्कूल गए और प्रबंधन से बात की। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस स्कूल पहुंची और मंगलवार शाम को चालक को हिरासत में ले लिया।

चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और रिमांड पर लिया जा रहा है। दो और बच्चों को ड्राइवर द्वारा शिकार बनाया गया। बंजारा हिल्स के एसीपी सुदर्शन ने कहा कि लापरवाही के लिए स्कूल के प्रभारी के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

श्री वैष्णव स्वीट्स व कैटरर्स

भव्य सेल

कलकत्ता बादाम कतली	₹900/- per Kg.
स्पेशल काजू कतली	₹800/- per Kg.
अंजीर रोल	₹800/- per Kg.
गुलाब जामुन	₹400/- per Kg.
बेसन चक्की	₹400/- per Kg.
मोतीचूर लड्डू	₹400/- per Kg.
बालुशाही	₹400/- per Kg.
स्पेशल नवरतन चुड़वा	₹600/- per Kg.
मूंगदाल ड्राईफ्रूट	₹600/- per Kg.
स्पेशल गोंद लड्डू	₹600/- per Kg.

शुद्ध घी की मिठाइयाँ ऑर्डर पर उपलब्ध है एवं कई नई वेराइटी के नमकीन, सवाली, पेठा, मसाला काजू, खारा उपलब्ध

माहेश्वरी भवन, नगारखाना, बेगम बाजार, हैदराबाद.

सुरेश महाराज ✆ 9849433950, 9030900700, 9000807305

सिकंदराबाद छावनी में सभी सड़कों को खोलने की मांग

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के पूर्वोत्तर कालोनी संघ (एफएनसीएस) ने कहा कि रक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2018 में छावनी में सड़कों को बंद करने के संबंध में जारी आदेशों को लागू नहीं किया जा रहा है। फेडरेशन के सदस्यों ने यह भी कहा कि स्थानीय सैन्य प्राधिकरण (एलएमए) को वर्ष 2018 में जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का सख्ती से पालन करना चाहिए और सड़क बंद करने से पहले रक्षा मंत्री की मंजूरी लेनी चाहिए।

सिकंदराबाद छावनी के निवासी परेशान हैं क्योंकि एलएमए ने रक्षा मंत्रालय के आदेशों की अनदेखी की तेलंगाना 'अनदेखा' एससीबी निवासियों तक पहुंचता है उन्होंने कहा कि सिकंदराबाद छावनी में ए-1 सहित सभी सड़कों को तत्काल खोला जाए और 2018 में जारी एसओपी का सख्ती से पालन किया जाए। फेडरेशन के सदस्यों के अनुसार, एलएमए द्वारा 21 सड़कों को बंद कर दिया गया है और उन्हें जल्द से जल्द खोला जाना चाहिए।

पतंगी टोल प्लाजा पर अर्धसैनिक बलों ने वाहनों की जांच की

यादाद्री-भोंगिर, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 76 पर चौटुप्पल के पास पतंगी टोल प्लाजा पर तैनात अर्धसैनिक बलों ने स्थानीय पुलिस के साथ बुधवार को वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी है। ऐसा कहा जाता है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय की शिकायत के बाद चुनाव आयोग ने आरोप लगाया है कि विजयवाड़ा में जब्त किए गए 1 करोड़ रुपये को स्थानीय पुलिस द्वारा मुनुगोड़े में जब्त के रूप में दिखाया जा रहा है। अर्धसैनिक बल के जवानों ने दूसरे दिन श्रम मंत्री सीएच मल्ला रेड्डी के वाहन को भी रोका और चेक किया। अधिकारियों ने संकेत दिया कि उपचुनाव से दो दिन पहले मुनुगोड़े में और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया जाएगा।

आंध्र प्रदेश की एक राजधानी होनी चाहिए : राहुल गांधी

विजयवाड़ा, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी अमरावती में किसानों की सहायता करेगी। किसानों ने राज्य को पूंजी विकास के लिए अपनी जमीन दी थी। उन्होंने कुर्नूल में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान एक मीडिया साक्षात्कार में आंध्र प्रदेश की तीन राजधानियों पर बहस का जवाब दिया और कहा कि तीन राजधानियों का निर्णय गलत है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में सेवा देना बेहतर होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि पोलावरम परियोजना, एपी विशेष श्रेणी की स्थिति और अन्य राज्य विभाजन के वादों को केंद्र सरकार द्वारा पूरा किया जाना चाहिए।

दिल्ली दौरे के बाद सीएम केसीआर हैदराबाद लौटे

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र समिति (अब भारत राष्ट्र समिति) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव तेलंगाना राष्ट्र समिति को भारत राष्ट्र समिति में बदलने की घोषणा के बाद अपनी पहली दिल्ली यात्रा के बाद बुधवार को हैदराबाद लौट आए। वह 11 अक्टूबर से दिल्ली में डेरा डाले हुए थे और समझा जाता है कि राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के लिए समान विचारधारा वाली ताकतों के साथ चर्चा करने में व्यस्त थे।

चंद्रशेखर राव 11 अक्टूबर को इटावा जिले के सैफई में समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हुए थे। उसी दिन शाम को, वह दिल्ली पहुंचे, जहां उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में बीआरएस के लिए स्थापित किए जा रहे अस्थायी कार्यालय, सरदार वल्लभभाई पटेल मार्ग पर चल रहे जीर्णोद्धार और मरम्मत कार्यों की जांच करने के लिए दौरा किया। दो मंजिला इमारत को कुछ महीने पहले पार्टी ने लीज पर लिया था और यह दिल्ली में पार्टी के मुख्यालय के रूप में काम करना जारी रखेगी।

पार्टी सुप्रीमो ने दिल्ली के वसंत विहार में नए कार्यालय भवन के चल रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया तथा पार्टी ने पार्टी कार्यालय की स्थापना के लिए भारत के राष्ट्रपति द्वारा आवंटित नई दिल्ली में वसंत विहार में 1,100 वर्ग मीटर (भूखंड संख्या 2 और 6) की भूमि में राष्ट्रीय राजधानी में अपने पार्टी मुख्यालय का निर्माण शुरू किया था। दिल्ली में अपने नौ दिवसीय प्रवास के दौरान, मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर समान विचारधारा वाले राजनीतिक और नागरिक समूहों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों से मुलाकात की।

आसिफाबाद में पुल का बड़ा हिस्सा गिरा, लोग परेशान

विधायक ने दिया जल्द से जल्द पुल को सही करने का आश्वासन

कुमराम भीम आसिफाबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दावागु धारा पर बने एक उच्च-स्तरीय पुल का एक बड़ा हिस्सा बुधवार को कागजनगर मंडल के अंडेवेली गांव के पास धंस गया। इससे कोई हताहत नहीं हुआ क्योंकि संरचना पर यातायात पहले ही निलंबित कर दिया गया था। भारी बारिश के कारण पुल का एक खंभा झुक गया और आंशिक रूप से डूब गया, जिससे जुलाई में संरचना के गिरने का खतरा पैदा हो गया। पिछले साल मानसून में यह थोड़ा तिरछा था। बुधवार तड़के करीब दो बजे पुल के दो खंभे और तीन स्लैब टूट कर गिर गए। कुछ स्थानीय लोगों ने पुल की तस्वीरें और वीडियो शूट किए और उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया।

घटना की जानकारी मिलने पर सिरपुर (टी) के विधायक कोनेरू कोनप्पा और पंचायतीराज के कार्यपालक अभियंता राममोहन ने पुल का निरीक्षण किया। कोनप्पा ने कहा कि पुल को जल्द से जल्द सही किया जाएगा तथा लोगों की परेशानियों को दूर करने के प्रयास किए जाएंगे। पंचायतीराज विभाग के अधिकारियों ने तीन करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से खंभे की मरम्मत का प्रस्ताव पहले ही तैयार कर लिया है।

मानव हानि को रोकने के लिए, स्थानीय पुलिस ने संरचना के दोनों प्रवेश द्वारों पर दीवारें खड़ी कर दीं और यातायात को प्रतिबंधित कर दिया। मोटर चालकों को कागजनगर शहर तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का अनुसरण करने की सलाह दी गई। कागजनगर के कुछ गांवों और दहेगांव मंडल के कई गांवों के लोगों को कागजनगर पहुंचने के लिए भीमिनी-तंदूर मार्ग लेने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो दूरी से लगभग 50 किलोमीटर अधिक यात्रा कर रहा हैं और भारी किराया दे रहे हैं।

2001 में विश्व बैंक के धन की सहायता से पंचायत राज विभाग द्वारा निर्मित, पुल दहेगांव और भीमिनी दोनों के कई गांवों को कागजनगर शहर से जोड़ता था। दोनों मंडलों के लोग जगन्नाथपुर-अंदवेली मार्ग का उपयोग शहर में किराने का सामान खरीदने और आपात स्थिति के लिए करने के लिए करते हैं। छात्र भी स्कूलों और कॉलेजों के लिए शहर पर निर्भर हैं।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ONLINE SPOKEN SANKRIT CAMP - SPOKEN SANKRIT CONVERSATION

STARTED FROM 18-10-2022

कक्षाएँ प्रात: 5.30 से 6.30 बजे तक एवं सायं 7.30 से 8.30 बजे तक रखी गई है। दोनों समय पर एक ही पाठ पढ़ाया जायेगा।

जूम ऐप link:
https://us02web.zoom.us/-j/7154620169?pwd=SXg3Q2FCY-WtGS1VuQ0pMaGtvWUtYUT09

Free Online Classes on ZOOM
Meeting ID : 715 4620169
Pass Code : 108108

चिलकूर बालाजी की कृपा से

भारत भाषा संस्कृत भाषा

केवल 21 दिन में सीखें

संस्कृत भाषा ONLINE

सं Bhārati संस्कृत भारती

समाज सेवी

ऑनलाइन कक्षाओं में प्रवेश के लिए अपना नाम, आयु, योग्यता, संपर्क पता और कक्षा समय लिखकर निम्न व्हाट्सऐप नंबर 9491869417 पर भेज सकते हैं या वेबसाइट : https://forms.gle/tb2H4g9yNGaFkGaR6 पर जाकर फ़ॉर्म भर सकते हैं।

వదత సంస్కృతం
वदत संस्कृतम्
Vadata Samskritam

निवेदक : तिरुमलेश संस्कृत टीचर
चिलकूर बालाजी मंदिर, हैदराबाद
फ़ोन : + 91 9491869417
ई-मेल : thirudas108@gmail.com

YouTube Channel — VADATA SAMSKRITAM — 94918 69417

हरि: ओम नमस्कार : श्री चिलुकुर बालाजी मंदिर के पास संस्कृत प्रशिक्षण भवन निर्माणाधीन है। सभी इसके सामुदायिक कार्य में भाग लें और इस भवन के निर्माण में अपने हिस्से की आर्थिक सहायता प्रदान करें! 200 गज के क्षेत्र में तीन मंजिला इमारत का निर्माण किया जाएगा। भवन की कुल निर्माण लागत 50 लाख रुपये आंकी गई है। आप संस्कृत भाषा को संरक्षित करने के लिए अपनी भूमिका निभा सकते हैं। संस्कृत भाषा के अभियान में भाग लेकर ईश्वर की कृपा प्राप्त करें।

9491869417 (Phone pay) Thirumalesh

9491869417 (Google pay) Kashi sisters Bhagavadgeeta

Saving A/c no. 200-217-13779 (Balguri Thirumalesh)
IFSC Code: SBIN0007641
State Bank of India, SBI- Barkatpura branch

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेड रोड नं. 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद. मोबाइल : 9000366660

GB GOPAL BALDAWA GROUP

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.